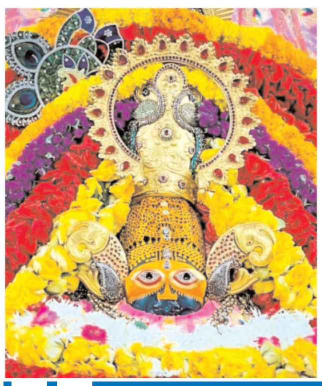

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें

सरबजीत माकन

+91-9638877700

mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:365। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 26 अगस्त 2026 (बुधवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

पटना में छात्रों पर लाठीचार्ज

•सरकारी भर्तियों की मांग को लेकर पटना में छात्रों का उग्र प्रदर्शन

दौड़ाकर पीटाः पथराव में कई पुलिसकर्मी घायल, वाटर कैनन चली

एजेंसी

पटना। बीपीएससी टीआरई-4-4 में पीटी-मेन, नेगेटिव मार्किंग हटाने और 100फीसदी डोमिसाइल की मांग को लेकर पटना के गर्दनीबाग में छात्रों का आंदोलन जारी है। मंगलवार को ऑल बिहार स्टूडेंट यूनियन (ABS) के छात्र सीएम हाउस का घेराव करने निकले।

छात्रों को रोकने के लिए जेपी गोलंबर पर पुलिस के साथ-साथ CRPF जवानों को भी तैनात किया गया, लेकिन छात्र बैरिकेडिंग तोड़ते हुए डाकबंगला पहुंच गए। इस दौरान छात्रों की CRPF जवानों के साथ धक्का-मुक्की हुई। प्रदर्शन के दौरान एक छात्र का सिर फट गया, जबकि एक छात्रा बेहोश हो गई। पुलिस ने छात्रों को रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। पानी की बौछार के बीच प्रदर्शन कर रहे छात्र शैंपू लगाकर नहाते भी दिखे।

कुछ छात्रों ने पुलिस की ओर पत्थरबाजी भी की, जिसमें टाउन DSP कामाख्या नारायण सिंह घायल हो गए। कई पुलिसकर्मियों को भी चोट लगी है। हालात बिगड़ता देख पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। कुछ छात्रों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया। पुलिस ने कुछ छात्रों को हिरासत में भी लिया है। छात्रों के प्रदर्शन के बीच बख्तरबंद गाड़ी भी बुलाई गई। इस गाड़ी का इस्तेमाल आमतौर पर नक्सल प्रभावित इलाकों में किया जाता है। पटना के गर्दनीबाग में छात्र 18 अगस्त से धरने पर बैठे हैं।

'हाथी चले बाजार..कुत्ते भौंके हजार', बयान पर बीपीएससी ने माफी मांगी

पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राजेश कुमार सिंह से गर्दनीबाग में छात्रों के प्रदर्शन को लेकर कहा था कि 'एक कहावत आपने सुना होगा, हाथी चले बाजार तो कुत्ते भौंके हजार।' उनके इस बयान के बाद प्रदर्शन कर रहे छात्र भड़क गए। एक बार कॉकरोच बोला गया था, तो प्रधान जी चले गए। अब सचिव की नौकरी जाएगी। विवाद बढ़ने के बाद बीपीएससी एग्जाम कंट्रोलर ने वीडियो जारी कर माफी मांग ली है। वहीं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बीपीएससी के एग्जाम कंट्रोलर राजेश कुमार सिंह को सस्पेंड करने के निर्देश दिए हैं।

विद्यार्थियों की समस्याओं का 30 दिनों में होगा समाधान

हर माह लगेगा 'विद्यार्थी सहयोग शिविर' : सम्राट चौधरी

पटना(एजेंसी)बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को बिहार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बिदुपुर में 'सात निश्चय-3' के तहत 'सबका सम्मान, जीवन आसान' अभियान के अंतर्गत 'विद्यार्थी सहयोग शिविर' का शुभारंभ किया। इस पहल का उद्देश्य शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की समस्याओं, शिकायतों और सुझावों का प्रभावी एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। सरकार ने शिकायतों का अधिकतम 30 दिनों में अंतिम निराकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। 'विद्यार्थी सहयोग शिविर' के माध्यम से छात्र-छात्राओं को अपनी समस्याएं सीधे संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विद्यार्थियों को शिकायतों के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें और निर्धारित समय-सीमा में उनकी समस्याओं का समाधान हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक माह के चौथे मंगलवार को बिहार के शिक्षण संस्थानों में 'विद्यार्थी सहयोग शिविर' आयोजित किया जाएगा। इसमें शैक्षणिक व्यवस्था, परीक्षा, छात्रावास, पेयजल, शौचालय, कैंटीन सहित विद्यार्थियों से जुड़ी अन्य समस्याओं और सुविधाओं से संबंधित शिकायतों एवं सुझावों की सुनवाई होगी। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए 'विद्यार्थी सहयोग पोर्टल' और हेल्पलाइन नंबर 1100 के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत एवं सुझाव दर्ज कराने की व्यवस्था की गई है। विद्यार्थी अपनी शिकायत की स्थिति की जानकारी भी ऑनलाइन प्राप्त कर सकेंगे।

मणिपुर में सेना का एक्शन, 21 हथियार व युद्धक सामग्री के साथ चार गिरफ्तार

नई दिल्ली । भारतीय सेना ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मणिपुर में घातक हथियार बरामद किए हैं। सुरक्षा बलों ने 4 एंटी नेशनल एलिमेंट को खतरनाक हथियारों के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में पीएलए का एक सक्रिय कैडर भी शामिल है। यह कार्रवाई सेना की स्पीयर कोर के अंतर्गत विभिन्न सुरक्षा बलों के साथ समन्वय में की गई। सेना की स्पीयर कोर के मुताबिक करीब एक सप्ताह तक यह ऑपरेशन जारी रहा। इस ऑपरेशन के बीच राज्य के कई जिलों में व्यापक गुप्त सूचना-आधारित संयुक्त अभियान चलाए। इन अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों को महत्वपूर्ण सफलता मिली। सेना व अन्य एजेंसियों के संयुक्त अभियान मणिपुर के तेंगनौपाल, चुराचांदपुर, थोउबल और काकचिंग जिलों में चलाए गए।

केजरीवाल का भाजपा को चैलेंज

'गुजरात और पंजाब के 1000-1000 सरकारी स्कूलों का संयुक्त निरीक्षण करा लें'

एजेंसी

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के सरकारी स्कूलों को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। केजरीवाल ने भाजपा को खुली चुनौती देते हुए कहा कि गुजरात और पंजाब के एक-एक हजार सरकारी स्कूलों की सूची तैयार कर संयुक्त निरीक्षण कराया जाए। उन्होंने कहा कि मीडिया और जनता की मौजूदगी में दोनों राज्यों के स्कूलों की स्थिति देखी जाए और फिर तय किया जाए कि किस राज्य के सरकारी स्कूल बेहतर हैं। केजरीवाल ने कहा कि गुजरात में भाजपा करीब 30 वर्षों से सत्ता में है, जबकि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार को करीब साढ़े चार साल हुए हैं।

इसके बावजूद भाजपा पंजाब के स्कूलों को बदनाम करने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा को पंजाब के सरकारी स्कूलों की स्थिति पर सवाल उठाने हैं तो वह गुजरात के 1000 स्कूलों की सूची दे और आम आदमी पार्टी पंजाब के 1000 स्कूलों की सूची उपलब्ध कराएगी। इसके बाद मीडिया और जनता के साथ दोनों राज्यों के स्कूलों का संयुक्त निरीक्षण किया जाए। केजरीवाल ने दावा किया कि पंजाब में करीब 19,700 सरकारी स्कूल हैं, जिनमें से लगभग 19,200 स्कूलों को उनकी सरकार ने बेहतर स्थिति में पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा कि बाकी करीब 500 स्कूलों में भी सुधार कार्य जारी है और अगले डेढ़ से दो वर्षों में इन स्कूलों को भी बेहतर बनाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि पंजाब के सरकारी स्कूलों में सुधार केवल सरकार के प्रयास से नहीं हुआ, बल्कि शिक्षकों, प्रधानाचार्यों, अभिभावकों, विद्यार्थियों और पंजाब की जनता ने मिलकर इसमें योगदान दिया है। केजरीवाल के अनुसार पंजाब सरकारी स्कूलों की शिक्षा के मामले में देश में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है।

केजरीवाल के अनुसार, जब वर्ष 2022 में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी थी, तब पंजाब की स्थिति काफी पीछे थी, लेकिन साढ़े चार वर्षों के दौरान सरकारी स्कूलों की शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं में बड़े स्तर पर सुधार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि सरकार के साथ-साथ शिक्षकों और अभिभावकों की मेहनत का परिणाम है।

मौजूदा जाति जनगणना प्रक्रिया में खामियां

केंद्र को इसे तुरंत ठीक करना चाहिएः अशोक गहलोत

एजेंसी

जयपुर । राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जाति जनगणना की मौजूदा प्रक्रिया को पूरी तरह से दोषपूर्ण बताया है और केंद्र सरकार की मंशा पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति महज संयोग नहीं लगती, बल्कि केंद्र की एक सोची-समझी रणनीति है ताकि जाति जनगणना के मूल उद्देश्य को कमजोर किया जा सके और सटीक आंकड़े सामने आने से रोके जा सकें।

गहलोत ने कहा कि जब जाति जनगणना की घोषणा हुई थी, तो सभी ने इसका स्वागत किया था। हालांकि, जिस तरह से अब भ्रम पैदा किया जा रहा है, उससे केंद्र सरकार के इरादों पर गंभीर सवाल उठते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने 'ओपन-एंडेड सवाल' (खुले-समाप्त सवाल) का तरीका अपनाया है, जिसके तहत हर व्यक्ति की जाति ठीक वैसी ही दर्ज की जाएगी, जैसा वे बताएंगे। भारत में एक ही जाति को अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग नामों, उप-जातियों और भाषाई रूपों से जाना जाता है। नतीजतन, एक ही जाति हजारों अलग-अलग नामों में बंट सकती है, जिससे अंतिम डेटा अविश्वसनीय और व्यावहारिक रूप से बेकार हो जाएगा। गहलोत ने कहा कि सबसे गंभीर चिंता यह है कि जनगणना में 'अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी)' शब्द को शामिल ही नहीं किया गया है। इस वजह से पिछड़े वर्गों की आबादी का सही-सही पता लगाना मुमकिन नहीं होगा।

सरकार सभी पायलट के लिए वार्षिक डोप टेस्ट अनिवार्य करने पर कर रही विचार : राम मोहन नायडू

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने मंगलवार को कहा कि सरकार सभी पायलट के लिए वार्षिक डोप टेस्ट अनिवार्य करने पर विचार कर रही है। मौजूदा समय में पूरे नेटवर्क पर केवल 10 प्रतिशत पायलट का वार्षिक डोप टेस्ट करना अनिवार्य है। राष्ट्रीय राजधानी में पत्रकारों से बातचीत करते हुए नायडू ने कहा कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) सभी पक्षकारों से हर पायलट का साल में एक बार डोप टेस्ट कराने पर विचार कर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'अभी नियम के मुताबिक पूरे पायलट नेटवर्क में 10 प्रतिशत का प्रावधान है।

' उन्होंने आगे कहा कि रेगुलेटर कोई अंतिम फैसला लेने से पहले टेस्टिंग के दायरे को बढ़ाने से होने वाले सुरक्षा संबंधी फायदों और कामकाज पर पड़ने वाले असर की जांच कर रहा है।

पंजाब विधानसभा का चुनाव बसपा अपने बलबूते लड़ेगीः मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा है कि पंजाब विधानसभा का चुनाव बसपा अकेले दम पर लड़ेगी। उन्होंने कहा कि गठबंधन और चुनावी समझौतों से उनकी पार्टी को नुकसान होता है। अपने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि विरोधियों के सभी हथकंडों का डटकर सामाना करते हुए बेहतर रिजल्ट की तैयारी रखनी है। बसपा प्रमुख ने मंगलवार को लखनऊ स्थित बसपा के केंद्रीय कैंप कार्यालय में पंजाब में होने वाले विधानसभा चुनाव तैयारियों की समीक्षा बैठक की। इसमें पंजाब के पार्टी पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल थे। बैठक के बाद मायावती ने घोषणा करते हुए कहा कि पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई है। बैठक में यह भी फैसला किया गया है कि पार्टी कर्मठ, ईमानदार लोगों को उम्मीदवार बनाएगी।

'राहुल गांधी हिन्दू धर्म विरोधी मानसिकता'

असत्य प्रचार छोड़ें : शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती

एजेंसी

ज्योतिर्मठ। ज्योतिष्पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मनुस्मृति संबंधी बयानों पर आज कड़ी नाराज़गी व्यक्त की और उन्हें चेतावनी दी कि वह राजनीतिक मतभेदों के कारण हिन्दू धर्मशास्त्र विरोधी मानसिकता, असत्य प्रचार एवं भारत की सांस्कृतिक विरासत का अपमान करना छोड़ें। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने मंगलवार को एक कठोर बयान जारी करके कहा, पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान श्री राहुल गाँधी द्वारा हिन्दुओं के प्रमुख धर्मशास्त्र मनुस्मृति और सनातन सांस्कृतिक विचारों पर दिया गया बयान उनकी घोर अज्ञानता, सतही समझ और सनातन परम्परा के प्रति दुर्भावनापूर्ण मानसिकता को उजागर करता है। राजनीतिक लाभ पाने के लिए प्राचीन धर्मशास्त्रों के श्लोकों को सन्दर्भ से काटकर पेश करना केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत का अपमान ही नहीं, बल्कि समाज को भ्रमित करने का कुत्सित प्रयास है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा, राहुल गांधी ने मनुस्मृति और सनातन सांस्कृतिक विचारों के संबंध में जो टिप्पणियां कीं, वे धर्मशास्त्रों की सतही समझ को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि संसद से लेकर सार्वजनिक मंचों तक मनुस्मृति और धर्मशास्त्रों के संबंध में बार-बार असत्य एवं भ्रामक प्रचार किया जा रहा है।

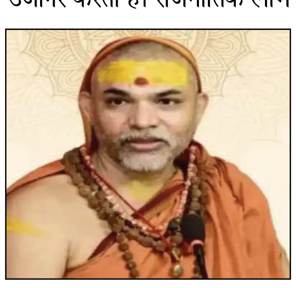

● राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन धर्म और शास्त्रों के विषय में टिप्पणी करते समय तथ्य, संदर्भ और अध्ययन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

आरक्षण हटाने की मांग करने वाले देशद्रोही और संविधान विरोधी : रामदास आठवले

एजेंसी

मुंबई । केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले ने आरक्षण हटाने की मांगों पर कड़ा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि आरक्षण हटाने की मांग करने वाले लोग देशद्रोही और संविधान विरोधी हैं। संविधान ने आरक्षण का प्रावधान किया है, इसलिए इसे हटाने की मांग करना गलत है। ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। मुंबई में आईएएनएस से बातचीत में रामदास आठवले ने कहा कि आरक्षण हटाने का क्या मतलब है। संविधान ने आरक्षण दिया है। आरक्षण हटाने की मांग करने वाले देशद्रोही और संविधान विरोधी हैं। ऐसे लोगों पर एक्शन होना चाहिए। हर जाति को आरक्षण मिलता है। इसलिए आरक्षण हटाने का अधिकार किसी को नहीं है। हमारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार आरक्षण को मजबूत करने वाली सरकार है। इसीलिए, किसी को यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि इस सरकार में आरक्षण खत्म होगा। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान पर आठवले ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को आदिवासी समाज की चिंता करने की बजाय अपनी पार्टी की चिंता करनी चाहिए। फडणवीस की सरकार सभी वर्गों का ध्यान रख रही है। आदिवासी लड़कियों के साथ अन्याय के मामले सामने आए हैं।

बांके बिहारी मंदिर में दान को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त

कहा- हर एक पाई सीधे मंदिर की तिजोरी में जाए

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को वृंदावन के प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में मिलने वाले दान को लेकर अहम निर्देश जारी करते हुए कहा कि मंदिर को मिलने वाली हर एक पाई केवल निर्धारित दानपात्रों या ऑनलाइन माध्यम से सीधे मंदिर की तिजोरी में जमा होनी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन भी शामिल थे, ने कहा कि दान की व्यवस्था में सेवायतों या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किसी भी तरह की बाधा उत्पन्न करना गंभीरता से लिया जाएगा। अदालत ने मंदिर की प्रबंधन समिति को दान प्राप्त करने के लिए पूरी तरह पारदर्शी व्यवस्था लागू करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि दान प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता या गड़बड़ी रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि मंदिर के धन से संपत्ति खरीदने से जुड़े किसी भी प्रस्ताव को लेन-देन पूरा होने से पहले अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया जाए।

टीएमसी के बागी सांसदों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

सायोनी घोष और यूसुफ पठान समेत 20 को नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजनीति से जुड़े दलबदल विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा कदम उठाया है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 20 बागी लोकसभा सांसदों को शीर्ष अदालत ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इन सांसदों में अभिनेत्री और सांसद सायोनी घोष, पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान समेत कई प्रमुख नाम शामिल हैं। यह मामला सांसदों के कथित तौर पर दूसरी राजनीतिक पार्टी से जुड़ने और उनकी सदस्यता को लेकर उठे विवाद से जुड़ा है।

अभिषेक बनर्जी की याचिका पर सुनवाई

टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर लोकसभा अध्यक्ष से बागी सांसदों के खिलाफ लंबित अयोग्यता याचिकाओं पर जल्द फैसला लेने का अनुरोध किया था। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना भी शामिल हैं, ने संबंधित सांसदों को नोटिस जारी किया है। बनर्जी ने लोकसभा अध्यक्ष और लोकसभा महासचिव को भी नोटिस जारी करने की मांग की थी, लेकिन अदालत ने इस अनुरोध को स्वीकार नहीं किया।

मनुस्मृति पर आघात राहुल की विद्वेषपूर्ण मानसिकता का परिचायकः एबीजेएस

'राजनीति में अयोग्य, अदूरदर्शी सत्तालोलुप तत्वों का बोलबाला बढ़ता जा रहा है'

एजेंसी

हैदराबाद। अखिल भारतीय जनसंघ (एबीजेएस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य भारत भूषण पाण्डेय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा गत दिनों मनुस्मृति को गलत ढंग से उद्धृत कर स्त्री विरोधी बताने संबंधी वक्तव्य की कड़ी निंदा की है। उन्होंने हुए इसे सनातन धर्म के प्रति विद्वेषपूर्ण मानसिकता का परिचायक बताया। आचार्य पाण्डेय ने राहुल गांधी समेत अन्य नेताओं से धार्मिक विषयों पर टिप्पणी करने से बाज आने को कहा। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में किस प्रकार संविधान, लोकतंत्र और नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए हिंदू धर्म और धर्माचार्यों पर आघात किया गया था, उन्हें झूठे मुकदमों में फंसाकर लांछित और कारागार में निबद्ध किया गया था और श्रीराम सेतु तोड़ने तथा श्रीराम मंदिर का विरोध का अभियान चलाया गया था, यह देश की जनता को भली-भांति याद है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी मनुस्मृति पर बोलने की बजाय बांग्लादेश में निरीह हिंदुओं के निरंतर हो रहे कत्लेआम पर बोलें। उन्होंने कहा कि राजनीति में अयोग्य, अदूरदर्शी सत्तालोलुप तत्त्वों का बोलबाला बढ़ता जा रहा है और देश विरोधी अराजक तत्त्व इसका लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं।

काशी में 15 घंटे बारिश

अस्पताल-घरों में घुसा पानी

एजेंसी

हैदराबाद। पूर्वी यूपी में लगातार हो रही मानसूनी बारिश से हालात बिगड़ने लगे हैं। काशी में 15 घंटे हुई झमाझम बारिश से गलियां तालाब बन गईं। पानी घरों में घुस गया। BHU अस्पताल में घुटनों तक पानी भर गया। लोग मरीजों को कंधे पर बैठाकर वार्ड तक ले जाते दिखाई दिए। मध्य प्रदेश के भोपाल समेत कई जिलों में भी तेज बारिश हुई। विदिशा के बाजार में पानी भर गया और भोपाल में ट्रैफिक प्रभावित हुआ। प्रदेश में अब तक 28.75 इंच बारिश हुई है। मौसम विभाग ने 27 अगस्त तक एमपी, यूपी, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, उत्तराखंड और केरल समेत 15 राज्यों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

हरियाणा के गुरुग्राम में मूसलाधार बारिश में सुभाष चौक पर फंसी स्कूल बस में मौजूद बच्चे।

देवगढ़ बारिया में फूड एंड ड्रग्स डिपार्टमेंट की छापेमारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवगढ़ बारिया। देवगढ़ बारिया फूड एंड ड्रग्स रेगुलेटरी अथॉरिटी, दाहोद ने लोगों की सेहत की भलाई के लिए खाने का सामान बेचने वाली यूनिट्स के खिलाफ सख्त अभियान चलाया है। इसी के तहत, फूड सेफ्टी ऑफिसर आर.एम. मेहरा ने नगर पालिका टीम के साथ देवगढ़ बारिया में एक इंटेंसिव सरप्राइज चेकिंग की। इस जांच के दौरान, देवगढ़ बारिया शहर में खाने का सामान बनाने और बेचने वाली करीब 20 दुकानों पर डिटेल में जांच की गई। जांच के दौरान, 50 द्मद्द जला हुआ तेल, चटनी, पानदान और सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक खाने लायक नहीं सामान मिला। अधिकारियों ने इन सभी खाने लायक नहीं सामान को मौके पर ही जब्त कर नष्ट कर दिया। इसके अलावा, फूड सेफ्टी नियमों का पालन नहीं करने वाले व्यापारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई और 5000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। मौके पर ही 7,500/- रुपये वसूले गए। फूड एंड ड्रग रेगुलेटरी अथॉरिटी ने साफ चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में भी लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ ऐसी ही सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। भविष्य में अगर किसी भी यूनिट में कोई संदिग्ध या खाने लायक नहीं सामान मिला तो कानूनी प्रावधानों के मुताबिक सख्त कार्रवाई की जाएगी। धिकारियों ने सभी व्यापारियों से अपील की है कि वे जनता के हित में नियमों का सख्ती से पालन करें और सिर्फ अच्छी क्वालिटी और साफ खाने की चीजें ही बेचें।

केमिकल कंपनी के खिलाफ आवाज उठाने पर आप नेता पर हमले का आरोप, अस्पताल में भर्ती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खंभात। आम आदमी पार्टी के खंभात संगठन मंत्री रमेशभाई राठौड़ पर केमिकल कंपनी के खिलाफ आवाज उठाने के बाद कथित तौर पर हमला किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में उनके पैर में गंभीर चोट लगी है, जिसके बाद उन्हें खंभात जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। आप नेताओं ने आरोप लगाया है कि कंपनी से जुड़े लोगों ने एक स्थानीय व्यक्ति के साथ मिलकर रमेशभाई पर हमला करने की साजिश रची। रमेशभाई लंबे समय से अपने गांव में संचालित केमिकल कंपनी के खिलाफ प्रदर्शन और आवाज उठाते रहे हैं। घायल अवस्था में अस्पताल से सामने आए एक वीडियो में रमेशभाई ने आरोप लगाया कि एक व्यक्ति ने उन्हें डंडे से पीटा और उनका गला घोंटकर जान से मारने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि इसी दौरान दो लोग बाइक से वहां पहुंच गए, जिसके बाद हमलावर मौके से भाग गया। रमेशभाई ने घटना के गवाह होने का भी दावा किया है। आप के खंभात विधानसभा के मीडिया मंत्री ने आरोप लगाया कि रमेशभाई पर जानलेवा हमला किया गया और उन्हें मारने की कोशिश की गई। पार्टी कार्यकर्ताओं ने घायल नेता के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए उनके समर्थन में अस्पताल पहुंचने की अपील की है। फिलहाल मामले को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। घटना के पीछे वास्तविक कारण और हमले में शामिल लोगों की भूमिका जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस कार्रवाई और जांच के संबंध में आधिकारिक जानकारी का इंतजार है।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी जाने वाले मुख्य मार्ग पर आवारा मवेशियों का आतंक, हादसे का खतरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को जोड़ने वाले डभोई के मुख्य रेलवे सरिता ओवरब्रिज पर आवारा मवेशी वाहन चालकों और यात्रियों के लिए गंभीर खतरा बन गए हैं। ओवरब्रिज पर दिन-रात बड़ी संख्या में गाय और अन्य मवेशी सड़क पर बैठे रहते हैं, जिससे यातायात प्रभावित होने के साथ दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इस मार्ग पर स्थानीय वाहनों के अलावा देश-विदेश से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी जाने वाले पर्यटकों का भी

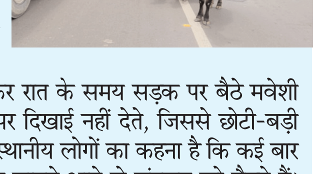

लगातार आवागमन रहता है। खासकर रात के समय सड़क पर बैठे मवेशी अंधेरे में वाहन चालकों को समय पर दिखाई नहीं देते, जिससे छोटी-बड़ी दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार वाहन चालक अचानक मवेशियों के सामने आने से संतुलन खो बैठते हैं। लोगों का आरोप है कि बार-बार शिकायतों और हादसों के बावजूद डभोई नगर पालिका तथा राज्य राजमार्ग विभाग की ओर से आवारा मवेशियों की समस्या को रोकने के लिए कोई ठोस अभियान नहीं चलाया गया है। प्रशासन की निष्क्रियता के कारण पशुपालक भी अपने मवेशियों को सड़कों पर खुलेआम छोड़ रहे हैं। स्थानीय लोगों ने पशुपालकों के खिलाफ भी नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि मवेशियों को सड़कों पर छोड़ दिया जाता है, लेकिन दुर्घटना में किसी जानवर के घायल होने पर उसके मालिक हंगामा करने लगते हैं। लोगों की मांग है कि मवेशियों को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर भेजने के साथ उनके मालिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। लोगों ने सवाल उठाया है कि यदि इस मार्ग पर कोई बड़ा हादसा होता है तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी जैसे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल को जोड़ने वाला यह महत्वपूर्ण मार्ग होने के कारण यहां सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन को तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि प्रशासन जल्द अभियान चलाकर आवारा मवेशियों को हटाए और भविष्य में किसी गंभीर हादसे से पहले समस्या का स्थायी समाधान करे।

गुजरात एटीएस का बड़ा ऑपरेशन, पालनपुर से कुख्यात गैंगस्टर सुखपिंदर सिंह गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पालनपुर। गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते ने पंजाब के बटाला में हुई गोलीबारी के मामले में वांछित कुख्यात आरोपी सुखपिंदर सिंह उर्फ सुख को बनासकांठा के पालनपुर स्थित एक होटल से गिरफ्तार किया है। आरोपी पर पंजाब में हुई गोलीबारी के अलावा हत्या के प्रयास, अवैध हथियार और मादक पदार्थों से जुड़े कई गंभीर मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। गुजरात एटीएस के अनुसार सुखपिंदर सिंह का संबंध पंजाब के कुख्यात गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया के गिरोह से बताया जा रहा है। आरोप है कि 20 जुलाई 2026 को सुखपिंदर सिंह और उसके साथियों ने पंजाब के बटाला क्षेत्र में गोलीबारी की थी। इस मामले में सेखवां थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। घटना के बाद आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था। जांच के अनुसार बटाला से फरार होने के बाद आरोपी ने हरियाणा, दिल्ली, हैदराबाद और नांदेड़ सहित कई स्थानों पर शरण ली और बाद में गुजरात के पालनपुर पहुंचा। एटीएस को उसके पालनपुर में होने की जानकारी मिलने के बाद कार्रवाई की गई और उसे होटल से दबोच लिया गया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को पूछताछ के लिए अहमदाबाद स्थित एटीएस कार्यालय लाया गया।

सुपर एक्सक्लूसिव

36 लाख का बोझ सीधे 72 लाख पार, कटघरे में खाकी, खादी और VGL!

करजन टेंडर घोटाला: धमकी की नोक पर गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट?

पहली निविदा में कम दर देने वाले L-1 ठेकेदार को कथित जान से मारने की धमकी देकर कराया पीछे? फिर दूने दाम पर L-2 को सौंपा टेंडर

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

करजन/वडोदरा। करजन में गैस पाइपलाइन बिछाने के नाम पर रचा गया खेल अब महज एक कागज़ी टेंडर प्रक्रिया तक सीमित नहीं रहा। वडोदरा गैस लिमिटेड (VGL) और करजन नगरपालिका के गठजोड़ से उपजे इस पूरे घटनाक्रम में सरकारी धन का दुरुपयोग, खुलेआम दादागिरी और प्रशासनिक सांठगांठ की बू आ रही है। अगर सामने आए आरोपों में जरा सी भी सच्चाई है, तो यह सीधा-सीधा जनता की जेब पर डाका और कानून-व्यवस्था के मुंह पर तमाचा है।

4.5 से 9 की छलांग: आखिर किसकी शह पर दूना हुआ दाम?

करीब 8 करोड़ रुपये की इस परियोजना में पारदर्शिता को पूरी तरह ताक पर रख दिया गया। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक पहली निविदा प्रक्रिया में रु1 ठेकेदार ने लगभग 4.5 की न्यूनतम और सर्वथा वाजिब दर पर काम स्वीकृत किया था। लेकिन संगीन आरोप है कि L-1 ठेकेदार पर काम शुरू न करने का दबाव बनाया गया और उसे जान से मारने तक की धमकी दी गई। इस कथित खौफ के कारण जैसे ही L-1 पीछे हटा, टेंडर प्रक्रिया तुरंत दोबारा कराई गई और काम L-2 को सीधे 9 की दर से यानी लगभग दोगुनी कीमत पर थमा दिया गया। ऐसे में सबसे पहला तीखा सवाल यही उठता है कि जब कम दर पर योग्य ठेकेदार काम करने को तैयार था, तो प्रक्रिया रद्द करने की नौबत क्यों आई? और अगर दोबारा टेंडर जरूरी भी था, तो दोगुनी दर पर काम देने का निर्णय किस प्रशासनिक आधार पर लिया गया?

नगरपालिका पर 72 लाख का अतिरिक्त डाका–कौन भरेगा यह बिल?

इस पूरे मामले का सबसे घिनौना पहलू करजन की जनता पर पड़ने वाला संभावित वित्तीय बोझ है। शुरुआती आकलन के अनुसार करजन नगरपालिका को इस प्रोजेक्ट में करीब 36 लाख रुपये का योगदान देना था। लेकिन कथित तौर पर मनमाने तरीके से महंगी दर पर टेंडर पास किए जाने के कारण नगरपालिका पर यह बोझ बढ़कर सीधे 72 लाख रुपये अतिरिक्त होने की स्थिति बन चुकी है। यह सीधा और चुभता हुआ सवाल है कि अगर यह वित्तीय घाटा दस्तावेजों से पुष्ट होता है, तो इस अतिरिक्त 72 लाख रुपये का भुगतान आखिरकार किसकी जेब से होगा? न तो टेंडर माफिया अपनी जेब से पैसा देगा, न धमकी देने वाले गुंडे और न ही राजनीतिक आका; यह पूरा भुगतान करजन की आम जनता के टैक्स के पैसे से ही वसूला जाएगा।

खादी का साया और कॉर्पोरेटर का 'हित'

इस मामले को केवल दो ठेकेदारों का आपसी व्यावसायिक विवाद मानकर खारिज नहीं किया जा सकता, क्योंकि इसके तार सीधे सत्ता के गलियारों से जुड़ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि एक प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्ति और नगरपालिका से जुड़े लोगों की इसमें सीधी भूमिका रही है। आरोप तो यहां तक हैं कि एक दबंग कॉर्पोरेटर के करीबी व्यक्ति को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए पूरी टेंडर प्रक्रिया को प्रभावित किया गया। ऐसे में जनता के सामने यह सवाल आना लाजमी है कि क्या किसी जनप्रतिनिधि या उसके करीबी का इस ठेके में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष आर्थिक हित शामिल है? केवल मौखिक राजनीतिक सफाई से काम नहीं चलेगा, प्रशासन को इस टेंडर की पूरी फाइल सार्वजनिक करनी होगी।

अगर धमकी सच है, तो यह टेंडर नहीं... गुंडाराज है!

किसी ठेकेदार को बंदूक या जान से मारने की धमकी की नोक पर सरकारी काम से हटने पर मजबूर कर देना लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सीधा हमला है। यह केवल प्रशासनिक अनियमितता नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था के ध्वस्त होने का सीधा सबूत है। पुलिस प्रशासन को तुरंत स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए कि क्या इस संगीन धमकी के संबंध में कोई आधिकारिक शिकायत दर्ज हुई?

क्या कॉल रिकॉर्ड्स, सीसीटीवी फुटेज और गवाहों की जांच की गई या फिर खाकी ने खादी के दबाव में आकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया?

प्रशासन की चुप्पी पर उठते तीखे सवाल

वडोदरा गैस लिमिटेड और स्थानीय प्रशासन को अब इन तीखे सवालों के पारदर्शी जवाब देने ही होंगे। L-1 ठेकेदार के पीछे हटने की वास्तविक वजह कागजों पर क्या दर्ज की गई और क्या उसने आधिकारिक रूप से धमकी की शिकायत की थी? जब पहली प्रक्रिया में योग्य ठेकेदार मौजूद था, तो दोगुनी दर पर L-2 को काम देने का ठोस आधार क्या रहा? नगरपालिका पर पड़े 72 लाख रुपये के अतिरिक्त वित्तीय बोझ की अंतिम जिम्मेदारी किसकी तय होगी, और क्या VGL तथा करजन नगरपालिका इस पूरे टेंडर घोटाले की स्वतंत्र विजिलेंस जांच कराने की हिम्मत दिखाएंगी? राजनीतिक सफाई का दौर खत्म हो चुका है, अब जनता को जवाब और कागजातों का सच चाहिए!

सड़क मंजूर करे निगम, खराब बने तो जिम्मेदारी ठेकेदार की रहेगी

सड़क बनाने वाले ठेकेदार और काम की पूरी जानकारी सड़क किनारे शिलापट्ट पर लगाना अनिवार्य होगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद नगर निगम ने सड़क निर्माण में होने वाली अनियमितताओं और खराब गुणवत्ता की जिम्मेदारी तय करने के लिए नया निर्णय लिया है। अब शहर में बनने वाली सड़कों के किनारे पत्थर की शिलापट्ट लगाना अनिवार्य होगा। इस पर सड़क बनाने वाले ठेकेदार का नाम, संपर्क नंबर, सड़क से जुड़ी जानकारी, काम पूरा करने की तारीख, गारंटी और दोष दायित्व की अवधि तथा नगर निगम का निशुल्क संपर्क नंबर दर्ज रहेगा। शिलापट्ट लगाए जाने के बाद ही ठेकेदार के पहले चलित बिल का भुगतान किया जाएगा। नगर निगम की सड़क एवं भवन समिति के अध्यक्ष जैनीक वकील ने बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य सड़क निर्माण की गुणवत्ता में सुधार करना और खराब काम होने पर ठेकेदार की जिम्मेदारी तय करना है। शिलापट्ट सड़क शुरू होने और समाप्त होने वाले स्थान के पास लगाया जाएगा, ताकि आम लोग भी निर्माण कार्य से जुड़ी पूरी जानकारी देख सकें। हालांकि, समिति के इस निर्णय के बाद सवाल भी उठ रहे हैं कि सड़क निर्माण की मंजूरी देने वाले अधिकारियों और नेताओं की जिम्मेदारी कैसे तय होगी। शिलापट्ट पर ठेकेदार की पूरी जानकारी रखने की बात कही गई है, लेकिन काम मंजूर करने वाले निगम के अधिकारियों, संबंधित क्षेत्र के पार्षद और समिति के अध्यक्ष का विवरण शामिल होगा या नहीं, इस पर निगम प्रशासन की ओर से अभी स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या सड़क की खराब गुणवत्ता की पूरी जिम्मेदारी केवल ठेकेदार पर डालकर निगम के जिम्मेदार लोग अपनी जवाबदेही से बचना चाहते हैं। गौरतलब है कि बारिश के मौसम में शहर में करीब 5,005 गड्डें दर्ज किए गए थे। निगम के अनुसार पिछले करीब डेढ़ महीने में 4,992 गड्डों की मरम्मत की गई। इसके लिए करीब 10 हजार मीट्रिक टन गर्म मिश्रण और 4,837 बोरी ठंडे मिश्रण का इस्तेमाल किया गया। आधुनिक तकनीक की मदद से करीब 12.3 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में गड्डें भरे गए हैं। नगर निगम के अभियांत्रिकी विभाग के आंकड़ों के अनुसार उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में सबसे अधिक 894 गड्डें मिले, जबकि पश्चिम क्षेत्र में 834 गड्डें दर्ज हुए। दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र में सबसे कम 450 गड्डें पाए गए। इसके बावजूद कई मुख्य मार्गों और आवासीय क्षेत्रों की सड़कों की स्थिति खराब बनी हुई है। गड्डों के कारण वाहन चालकों को परेशानी के साथ दुर्घटनाओं और कमर संबंधी समस्याओं का खतरा भी बना हुआ है।

डभोई में शराबबंदी को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन, गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। गुजरात में शराबबंदी को लेकर डभोई शहर और तालुका कांग्रेस कमेटी ने 25 अगस्त को भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। ऐतिहासिक टावर चौक पर आयोजित धरना प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राज्य में कथित रूप से जारी अवैध शराब के कारोबार और कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार पर सवाल उठाए। प्रदर्शन में तालुका अध्यक्ष सुधीरभाई बारोट, शहर अध्यक्ष सतीशभाई रावल, नगर पालिका विपक्ष की नेता पुष्पाबेन रावल, अफजलभाई कबावाला और सिद्दीकभाई वानियावाला सहित नगर पालिका व तालुका पंचायत के निर्वाचित प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या

में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने सड़क पर बैठकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि महात्मा गांधी के गुजरात में शराबबंदी केवल कागजों तक सीमित रह गई है और राज्य में अवैध शराब का कारोबार खुलेआम चल रहा है। नेताओं ने कहा कि अवैध शराब और कानून-व्यवस्था से जुड़ी घटनाओं के कारण लोगों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस ने शराबबंदी लागू करने और कानून-व्यवस्था संभालने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए गुजरात के गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अवैध शराब के कारोबार के लिए जिम्मेदारी तय कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि वह सरकार की नीतियों, कथित भ्रष्टाचार और जनसमस्याओं के खिलाफ आगे भी आवाज उठाती रहेगी। डभोई में हुए इस प्रदर्शन से स्थानीय राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

जेतपुर उद्योगनगर पुलिस ने दो अलग-अलग जगहों से अंग्रेजी शराब ज़ब्त की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जेतपुर। जेतपुर उद्योगनगर पुलिस ने शराबबंदी के गैर-कानूनी कामों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। टीम ने दो अलग-अलग जगहों पर छापा मारकर विदेशी शराब के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में कुल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दो अन्य आरोपी फरार हैं। पुलिस ने कुल 16,95,840/- कैश ज़ब्त किया है। पहली छापेमारी जेतपुर तालुका के रबारिका गांव में एक पानी की टंकी के पास की गई। पुलिस टीम को सूचना मिली कि एक चार पहिया वाहन से दूसरे चार पहिया वाहन में अंग्रेजी शराब की गैर-कानूनी तस्करी की जा रही है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए प्रकाश उर्फ गोपाल रावजीभाई कम्बोया और युवराजभाई बिसुभाई लालू को मौके से गिरफ्तार कर लिया। इस रेड के दौरान, पुलिस ने 13,00,000/- कीमत की तीन चार पहिया गाड़ियां, 73,440/- कीमत की 180 द्मद्य की भारत में बनी अंग्रेजी शराब की 432 बोतलें और 10,000/- कीमत के दो मोबाइल फोन जब्त किए। इस तरह, पहली रेड में कुल 13,83,440/- जब्त किए गए। उसी रात, जेतपुर उद्योगनगर पुलिस स्टेशन इलाके में पेट्रोलिंग कर रही एक और टीम ने एक सिल्वर रंग की सुजुकी डिजायर कार को संदिग्ध हालत में वहां से गुजरते हुए रोका। तलाशी के दौरान, कार में अलग-अलग ब्रांड की 1520 बोतलें अंग्रेजी शराब और एक मोबाइल फोन मिला। इस दूसरी रेड में पुलिस ने 2,00,000/- कीमत की एक कार, 1,22,400/- कीमत की शराब की चप्पलें और 5,000/- कीमत का एक मोबाइल फ़ोन, कुल 3,27,400/- ज़ब्त किया। पुलिस ने इस रेड में महिपतभाई बिसुभाई लालू नाम के एक आरोपी को गिरफ़्तार किया। इस जुर्म में शामिल बाकी दो आरोपी, भभलुंभाई खाचर और जयराजभाई (दोनों मोलडी, ता. चोटिला, जी. सुरेंद्रनगर के रहने वाले) रेड के दौरान मौजूद नहीं थे, इसलिए उन्हें गिरफ़्तार करने की प्रोसेस चल रही है। गिरफ़्तार आरोपियों में युवराजभाई और महिपतभाई पहले भी वीरपुर, जेतपुर और गोंडल पुलिस थानों में शराबबंदी के कई मामलों में गिरफ़्तार हो चुके हैं।

जेतपुर उद्योगनगर में एसओजी की छापेमारी, अवैध खनन पकड़ा; 40.50 लाख का माल जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जेतपुर। जेतपुर के उद्योगनगर क्षेत्र में अवैध खनन और खनिज परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए विशेष अभियान दल ने फिल्टर प्लांट के पास छापेमारी की। पुलिस ने मौके से करीब 40.50 लाख रुपये का माल जब्त किया। कार्रवाई के दौरान एक खुदाई मशीन, एक डंपर और करीब 100 टन अवैध रूप से निकाला गया तास बरामद किया गया। राजकोट ग्रामीण जिले में अवैध रेत और खनिज चोरी पर रोक लगाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने सख्त

निर्देश जारी किए थे। इसी के तहत विशेष अभियान दल की टीम उद्योगनगर थाना क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इस दौरान पुलिसकर्मियों को सूचना मिली कि फिल्टर प्लांट के पास किनारे से तास का अवैध खनन और उसका परिवहन किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर छापेमारी की। जांच के दौरान वहां अवैध खनन और खनिज के परिवहन की गतिविधियां सामने आईं। पुलिस ने मौके से करीब 30 लाख रुपये कीमत की एक खुदाई मशीन, 10 लाख रुपये कीमत का एक डंपर और करीब 50 हजार रुपये कीमत का 100 टन खनन किया हुआ तास जब्त किया। पुलिस ने जब्त वाहनों को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत हिरासत में लिया है। आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए भूविज्ञानी तथा खान एवं खनिज विभाग, राजकोट को सूचना दी गई है। यह कार्रवाई विशेष अभियान दल के पुलिस निरीक्षक एफ.ए. पारगी, पुलिस उपनिरीक्षक जी.जे. झाला और पी.बी. मिश्रा के मार्गदर्शन में पुलिसकर्मियों ने की। अवैध खनन के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रखने की बात पुलिस अधिकारियों ने कही है।

जेतपुर में जुए के अड्डे पर पुलिस का छापा, दो महिलाओं समेत आठ जुआरी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। राजकोट ग्रामीण स्थानीय अपराध शाखा की टीम ने जेतपुर शहर थाना क्षेत्र में जुए के अड्डे पर छापेमारी कर दो महिलाओं समेत आठ लोगों को जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से 48,500 रुपये नकद और पांच मोबाइल फोन सहित कुल 73,500 रुपये का सामान जब्त किया है। पुलिस के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर अवैध शराब और जुए की गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान स्थानीय अपराध शाखा के पुलिसकर्मियों को गुप्त सूचना मिली कि जेतपुर शहर थाना क्षेत्र में गीता बेन अजयभाई भट्टी के घर पर कुछ लोग ताश के पत्तों से हार-जीत का जुआ खेल रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल बताए गए स्थान पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान मौके से दो महिलाओं और छह पुरुषों को जुआ खेलते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में गीता बेन अजयभाई भट्टी, हमीदाबेन यूनुसभाई मुल्तानी, जितेशभाई महेंद्रभाई पाटडिया, जितेशभाई गगाभाई भोजविया, अमीनभाई सुमारभाई लखानी और अल्पेशभाई अरविंदभाई सोलंकी शामिल हैं। इनके अलावा उपलेटा निवासी रसिकभाई रमेशभाई मकवाना और मेरांभाई बाबूभाई राठौड़ को भी गिरफ्तार किया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने जुए में इस्तेमाल की जा रही 48,500 रुपये की नकदी और करीब 25,000 रुपये कीमत के पांच मोबाइल फोन बरामद किए। कुल 73,500 रुपये का सामान जब्त किया गया। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ जेतपुर शहर थाने में जुआ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

गुजरात विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति पर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति नीरजा गुप्ता पर विश्वविद्यालय की राशि के कथित दुरुपयोग और नियमों के विपरीत नियुक्तियां करने के गंभीर आरोप लगे हैं। मामले को लेकर राष्ट्रीय छात्र संघ के कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और जांच तथा आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कथित रूप से नियमों के विपरीत नियुक्त किए गए दस कर्मचारियों को निलंबित कर जांच समिति गठित की है। आरोप है कि नीरजा गुप्ता के कार्यकाल के दौरान विश्वविद्यालय में दस लोगों को उच्च पदों पर नियुक्त किया गया। पूर्व सिंडिकेट सदस्य इंद्रविजय सिंह गोहिल ने दावा किया है कि इन नियुक्तियों में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों की अनदेखी की गई और कर्मचारियों को अधिक वेतन दिए गए। मामले में करीब 40 करोड़ रुपये की अनुदान राशि को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि इस राशि से जुड़े एक खाते से जर्मनी में रहने वाले नीरजा गुप्ता के बेटे के खाते में 9.84 लाख रुपये भेजे गए। यह भी आरोप लगाया गया है कि परियोजना में स्वयं को प्रमुख अन्वेषक बनाए जाने के बाद नीरजा गुप्ता को नियमित वेतन के अतिरिक्त 4.20 लाख रुपये का भत्ता दिया गया। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों को लेकर राष्ट्रीय छात्र संघ के करीब 200 कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय परिसर में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रभारी कुलपति के कार्यालय के बाहर नारेबाजी की और नकली नोट उछाकर विरोध जताया। संगठन ने नीरजा गुप्ता के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन को 72 घंटे का समय दिया है। विरोध के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने कथित रूप से नियमों के विपरीत नियुक्त किए गए दस कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। मामले की जांच के लिए समिति गठित की गई है। प्रशासन का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी और यदि वित्तीय नुकसान की पुष्टि होती है तो राशि की वसूली भी की जाएगी। प्रभारी कुलपति जगदीश जोशी ने कहा कि पूर्व कुलपति के खिलाफ गंभीर वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित शिकायत मिली है। विश्वविद्यालय मामले की पारदर्शी तरीके से जांच करेगा और सभी कानूनी पहलुओं पर विचार करने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

कनाडा का स्थायी निवास दिलाने के नाम पर 97.50 लाख की ठगी, वीजा एजेंट ने थमाया बंद काम का परमिट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। कुडासन में वीजा एजेंट पर एक ही परिवार के भाई-बहनों को कनाडा का स्थायी निवास दिलाने का झांसा देकर 97.50 लाख रुपये ठगने का आरोप लगा है। एजेंट ने परिवार को कुछ महीनों में कनाडा का वीजा और उसके बाद स्थायी निवास दिलाने का भरोसा दिया था। भारी रकम लेने के बाद स्थायी निवास के बजाय दोनों को मैनिटोबा की एक कंपनी का सीमित काम का परमिट दिया गया। कुडासन के उमिया बंगले में रहने वाले सुनीलभाई अमरतभाई पटेल अपने बेटे और भतीजी को विदेश भेजना चाहते थे। इसी दौरान अमेरिका में रहने वाले एक परिचित के जरिए उनकी मुलाकात कुडासन के राधे स्क्वायर में कार्यालय चलाने वाले रवि सुरेश सोलंकी से हुई। रवि सोलंकी ने दावा किया कि वह अब तक करीब 35 लोगों को विदेश भेज चुका है। उसने तीन से चार महीने में कनाडा का वीजा और उसके तुरंत बाद स्थायी निवास दिलाने का भरोसा देकर दोनों के लिए 97.50 लाख रुपये में सौदा तय किया। वीजा प्रक्रिया के तहत परिवार ने जैविक पहचान और स्वास्थ्य जांच की प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद एजेंट ने 97.50 लाख रुपये नकद लेने के बाद दोनों को कनाडा की मैनिटोबा स्थित एक कंपनी का सीमित काम का परमिट दिलाया। आरोप है कि कनाडा पहुंचने के बाद कंपनी ने सुनीलभाई के बेटे को काम देने से इनकार कर दिया, जबकि उनकी भतीजी को भी कुछ समय बाद नौकरी से निकाल दिया गया। इसके बावजूद एजेंट स्थायी निवास की प्रक्रिया जारी रखने के नाम पर हर 15 दिन में 1,500 कनाडाई डॉलर की अतिरिक्त रकम लेता रहा। लगातार पैसे लेने के बावजूद जब एजेंट स्थायी निवास को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे सका तो परिवार को उस पर शक हुआ। परिवार के अनुसार, आरोपी मदद करने के बजाय लगातार टालमटोल करता रहा। इसी दौरान जानकारी मिली कि रवि सोलंकी खुद अपने परिवार के साथ कनाडा भागने की तैयारी कर रहा था। ठगी का एहसास होने के बाद सुनीलभाई पटेल ने गांधीनगर के इंफोसिटी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी द्वारा ली गई रकम, वीजा प्रक्रिया, काम के परमिट तथा कनाडा भेजने से जुड़े दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आरोपी ने अन्य लोगों को भी इसी तरह विदेश भेजने और स्थायी निवास दिलाने के नाम पर ठगी का शिकार बनाया है या नहीं।

गीता मंदिर के पास चाकू की नोक पर ट्रैवल कारोबारियों से रंगदारी मांगने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गीता मंदिर एसटी बस अड्डे के पास ट्रैवल कारोबारियों से चाकू की नोक पर रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। आरोप है कि गुजरात संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम के मामले में आरोपी शरीफ खान पठान ने एक ट्रैवल संचालक से हर बस के बदले पांच हजार रुपये देने की मांग की और जान से मारने की धमकी देकर पांच सौ रुपये वसूल किए। दो दिनों के भीतर आरोपी के खिलाफ दो अलग-अलग शिकायतें दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार सीटीएम क्षेत्र के हरिदर्शन पार्क सोसायटी निवासी केयूर खंडार गीता मंदिर चौराहे के पास सहयोग टूर्स एंड ट्रैवल्स चलाते हैं। कुछ दिन पहले केयूर अपने पिता दिनेशभाई, प्रबंधक निक्षित और कर्मचारियों के साथ कार्यालय में मौजूद थे। इसी दौरान शरीफ खान कथित तौर पर चाकू लेकर कार्यालय में पहुंचा और केयूर के सीने पर चाकू रखकर धमकी दी कि यदि उन्हें ट्रैवल कारोबार करना है तो हर बस के पांच हजार रुपये देने होंगे। इस दौरान कर्मचारियों गौतम और उर्वेश के साथ भी मारपीट करने का आरोप है। शिकायत के मुताबिक अगले दिन आरोपी रात करीब दो बजे फिर चाकू लेकर कार्यालय पहुंचा। उसने कार्यालय खुला रखने को लेकर धमकाया और पैसे की मांग की। जान से मारने की धमकी देकर कथित तौर पर 500 रुपये ले लिए। आरोप है कि इसके बाद वह पास के एक अन्य ट्रैवल कार्यालय में भी गया और वहां चाकू दिखाकर 500 रुपये वसूल किए। लगातार धमकियों से परेशान कारोबारियों ने आखिरकार पुलिस का रुख किया। केयूर की शिकायत के आधार पर गायकवाड़ हवेली पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले 24 अगस्त को कागड़ापीठ पुलिस थाने में भी शरीफ खान के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस जांच में आरोपी का संबंध बलम खान-पठान और हमजा गिरोह से जुड़े आपराधिक नेटवर्क से होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस के अनुसार इस गिरोह के खिलाफ मादक पदार्थों, हत्या के प्रयास, मारपीट, जबरन वसूली और धमकी सहित कई गंभीर मामले दर्ज रहे हैं। वर्तमान रंगदारी की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस आरोपी की गतिविधियों और उसके आपराधिक संपर्कों की जांच कर रही है।

गुजरात में 25 मुख्य अधिकारियों का बड़े पैमाने पर तबादला, चार क्षेत्रों में भी बदली जिम्मेदारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात सरकार ने शहरी प्रशासन में बड़ा बदलाव करते हुए नगरपालिकाओं के मुख्य अधिकारी संवर्ग के 25 अधिकारियों के तबादले और नई नियुक्तियों के आदेश जारी किए हैं। शहरी विकास एवं शहरी आवास विभाग की ओर से 24 अगस्त को जारी आदेश के अनुसार राज्य की कई नगरपालिकाओं के साथ-साथ सूरत, अहमदाबाद, गांधीनगर और राजकोट क्षेत्र के क्षेत्रीय आयुक्त स्तर के अधिकारियों की जिम्मेदारियों में भी बदलाव किया गया है। सभी तबादले और नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। सुरेंद्रनगर नगर निगम में उप नगर आयुक्त के पद पर कार्यरत रविकांत पटेल का तबादला कर उन्हें मानसा नगरपालिका का मुख्य अधिकारी बनाया गया है। वहीं पारस मकवाना का वेरावल-पाटन से तबादला कर उन्हें सुरेंद्रनगर नगर निगम में उप नगर आयुक्त की जिम्मेदारी सौंपी गई है। चार क्षेत्रों के क्षेत्रीय आयुक्तों की जिम्मेदारियों में भी बदलाव किया गया है। केशव कोल्डिया का अंकलेश्वर से तबादला कर उन्हें सूरत क्षेत्र का नगरपालिका क्षेत्रीय आयुक्त बनाया गया है। नितिन बोडत को कलोल से अहमदाबाद क्षेत्र का क्षेत्रीय आयुक्त नियुक्त किया गया है। सतीश पटेल को मानसा से गांधीनगर क्षेत्र का क्षेत्रीय आयुक्त बनाया गया है। वहीं रूपल खेतिया को गुजरात नगरपालिका वित्त बोर्ड से स्थानांतरित कर राजकोट क्षेत्र की क्षेत्रीय आयुक्त की जिम्मेदारी दी गई है। आदेश के अनुसार, वर्ग-दो अधिकारी वैभव व्यास को मांडवी-बरोई नगरपालिका के मुख्य अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वह अपनी वर्तमान जिम्मेदारियों के साथ इस पद का कार्यभार भी संभालेंगे। सरकार के इस व्यापक प्रशासनिक फेरबदल के बाद राज्य की कई नगरपालिकाओं में मुख्य अधिकारी स्तर पर नई नियुक्तियां देखने को मिलेंगी। माना जा रहा है कि इन बदलावों का उद्देश्य शहरी प्रशासन की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाना है।

रिक्शा चालक ने यातायात जवान को थप्पड़ मारा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। विक्टोरिया गार्डन के पास बंद यातायात संकेत पर तेज रफ्तार रिक्शा को रोकने की कोशिश के दौरान विवाद हो गया। आरोप है कि रिक्शा चालक ने पहले यातायात आरक्षक को टक्कर मारी और रिक्शा का शीशा टूटने के बाद उसके साथ गाली-गलौज व मारपीट की। बीच-बचाव करने पहुंचे एक अन्य पुलिसकर्मी को भी धक्का दे दिया गया, जिससे उसके पैर में चोट लग गई। ई-यातायात पुलिस थाने में तैनात यातायात आरक्षक राहुल पाटनी सोमवार दोपहर विक्टोरिया गार्डन के पास ड्यूटी पर थे। इसी दौरान रायखड़ चौराहे की ओर से तेज रफ्तार रिक्शा आया। बंद यातायात संकेत पर उसे रोकने की कोशिश में रिक्शा राहुल पाटनी के हाथ से टकरा गया और उसका शीशा टूट गया। शीशा टूटने से नाराज चालक सड़क पर उतर आया और राहुल पाटनी के साथ कथित तौर पर मारपीट करने लगा। इस दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे मनोजभाई नामक पुलिसकर्मी को भी उसने धक्का दे दिया। गिरने से उनके पैर में चोट लग गई और वह लंगड़ाकर चलने लगे। घटना की सूचना मिलते ही अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और चालक को हिरासत में ले लिया। आरोपी की पहचान बहरामपुरा निवासी जिगर सोलंकी के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने, मारपीट सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले की आगे जांच जारी है।

RTO चालान फाइल समझकर डाउनलोड की खाते से 99 हजार रुपये गायब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के वेजलपुर इलाके में RTO चालान के नाम पर साइबर फ्रॉड का मामला सामने आया है। एक युवक के मोबाइल पर अनजान नंबर से RTO चालान की फाइल भेजी गई थी। युवक ने इसे अपनी मोपेड का चालान समझकर फाइल डाउनलोड कर ली। इसके बाद कुछ ही समय में उसके बैंक खाते से अलग-अलग ट्रांजैक्शन के जरिए 99,149 रुपये निकाल लिए गए। युवक अहमदाबाद में एक निजी कंपनी में सेल्स एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम करता है। उसके मोबाइल पर आई फाइल को खोलने पर उसमें उसकी मोपेड से जुड़ी जानकारी दिखाई दी, जिससे उसे लगा कि यह वास्तविक RTO चालान है। फाइल डाउनलोड करने के बाद उससे एक रुपये का ऑनलाइन पेमेंट करने के लिए कहा गया। हालांकि, युवक ने बैंक के माध्यम से कोई भुगतान नहीं किया और संदेह होने पर फाइल व संबंधित एप्लीकेशन को मोबाइल से डिलीट कर दिया। कुछ देर बाद युवक के मोबाइल पर बैंक का OTP आया। इसके बाद उसने बैंक जाकर अपने खाते की जानकारी चेक कराई। जांच में सामने आया कि उसकी जानकारी और अनुमति के बिना अलग-अलग ट्रांजैक्शन के जरिए कुल 99,149 रुपये खाते से ट्रांसफर किए जा चुके थे। इसके अलावा उसके क्रेडिट कार्ड पर 20 हजार रुपये का बिल भी सामने आया। घटना का पता चलने के बाद युवक ने वेजलपुर पुलिस स्टेशन में साइबर फ्रॉड की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि साइबर ठगों ने फर्जी RTO चालान फाइल के जरिए युवक के मोबाइल या बैंकिंग सिस्टम तक पहुंच बनाने की कोशिश की। पुलिस अब ट्रांजैक्शन और भेजे गए नंबर समेत अन्य तकनीकी जानकारी के आधार पर आरोपियों का पता लगाने में जुटी है।

छात्रवृत्ति का भुगतान समय पर नहीं होने पर विद्यार्थी परिषद मैदान में, लंबित आवेदनों के शीघ्र निपटारे की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की राशि समय पर नहीं मिलने के मुद्दे को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मोर्चा खोल दिया है। परिषद के गुजरात क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने राज्य के विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ने वाले अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग सहित पात्र विद्यार्थियों की लंबित छात्रवृत्ति का तत्काल भुगतान करने की मांग की है। इस संबंध में गांधीनगर में धरना देकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। परिषद का कहना है कि शिक्षा विभाग के अंतर्गत मिलने वाली विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के साथ-साथ जनजातीय विकास विभाग और समाज कल्याण विभाग की पूर्व माध्यमिक तथा उत्तर माध्यमिक छात्रवृत्ति की राशि भी कई विद्यार्थियों के बैंक खातों में समय पर जमा नहीं हो रही है। कई विद्यार्थियों के आवेदन लंबे समय से जांच, स्वीकृति अथवा भुगतान की प्रक्रिया में लंबित पड़े हैं। परिषद के अनुसार, बैंक संबंधी समस्या, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, आधार से जुड़ी जानकारी, राष्ट्रीय भुगतान निगम की बैंक खाता पहचान, संस्थान स्तर पर सत्यापन तथा अन्य तकनीकी और प्रशासनिक कारणों से भी कई विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति अटकी हुई है। छात्रवृत्ति नहीं मिलने के कारण आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को शिक्षण शुल्क, छात्रावास शुल्क, किताबें, आवागमन और रहने-खाने से जुड़े खर्चों को पूरा करने में परेशानी हो रही है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने सरकार से मांग की है कि सभी लंबित छात्रवृत्ति आवेदनों की प्रक्रिया तत्काल पूरी कर पात्र विद्यार्थियों के बैंक खातों में राशि जमा कराई जाए। परिषद ने कहा कि छात्रवृत्ति में देरी से विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। इसलिए लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा कर विद्यार्थियों को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

नरोदा में गड्ढे पर तेज रफ्तार से पलटा रिक्शा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। नरोदा जीआईडीसी द्वार के पास गड्ढों वाली सड़क पर तेज रफ्तार से रिक्शा चलाने के दौरान चालक का नियंत्रण खो गया और रिक्शा पलट गया। हादसे में 64 वर्षीय शांति देवी की उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि रिक्शा चालक समेत चार लोग घायल हुए हैं। घायलों में दो बच्चे भी शामिल हैं। मामले में यातायात पुलिस ने रिक्शा चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मेघानीनगर निवासी जूलीबेन यादव की 64 वर्षीय सास शांति देवी उत्तर प्रदेश से 24 जून को उनके घर रहने आई थीं। 22 जुलाई को जूलीबेन अपनी सास और दोनों बच्चों के साथ नरोदा में अपने जेठ के घर जाने के लिए रिक्शा में सवार हुई थीं। रिक्शा नरोदा जीआईडीसी द्वार के पास पहुंचा, तभी सड़क पर मौजूद गड्ढे के ऊपर तेज रफ्तार से गुजरते समय चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। इसके बाद रिक्शा पलट गया। हादसे में चालक और शांति देवी को गंभीर चोटें आईं, जबकि जूलीबेन और उनके 13 तथा 11 वर्षीय दोनों बेटों को मामूली चोटें लगीं। गंभीर रूप से घायल शांति देवी और रिक्शा चालक को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। उपचार के दौरान शांति देवी ने दम तोड़ दिया। हादसे के बाद जूलीबेन ने जी डिवीजन यातायात पुलिस थाने में रिक्शा चालक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों और चालक की लापरवाही की जांच शुरू कर दी है।

मुंबई में 18 से 20 दिसंबर तक होगा विश्व हिंदू कांग्रेस 2026 का महासम्मेलन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। विश्व हिंदू समुदाय के वैश्विक सम्मेलन 'वर्ल्ड हिंदू कांग्रेस 2026' का आयोजन 18 से 20 दिसंबर तक मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में किया जाएगा। सम्मेलन का केंद्रीय विषय 'समानं व्रतं सह चित्तम्' रखा गया है, जिसका अर्थ साझा संकल्प और सामूहिक दृढ़ता है। सम्मेलन में भारत सहित दुनिया के विभिन्न देशों से हिंदू नेता, विचारक, उद्यमी, नीति-निर्माता, शिक्षाविद, पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल होंगे। इस सम्मेलन की अध्यक्षता पिरामल समूह के अध्यक्ष अजय पीरामल करेंगे। सम्मेलन में धर्म, संस्कृति, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और समाज से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। आयोजन के दौरान सात समानांतर विषयगत सम्मेलन भी होंगे, जिनमें आर्थिक, शैक्षणिक, मीडिया, राजनीतिक, महिला, युवा और संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की जाएगी। विश्व हिंदू कांग्रेस का पिछला आयोजन नवंबर 2023 में बैंकॉक में हुआ था। अब तक आयोजित सम्मेलनों में 60 से अधिक देशों के 6,500 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले चुके हैं। पिछले आयोजनों में दलाई लामा, माता अमृतानंदमयी, आरएसएस सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित कई प्रमुख हस्तियां शामिल हो चुकी हैं। विश्व हिंदू कांग्रेस के प्रणेता स्वामी विज्ञानानंद ने कहा कि हिंदू समाज आज पहले की तुलना में अधिक दृश्यमान और सम्मानित स्थिति में है। उन्होंने कहा कि अब साझा संकल्प और संगठन के साथ हिंदू समाज की आकांक्षाओं को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ने का समय है। सम्मेलन के अध्यक्ष अजय पीरामल ने कहा कि यह मंच हिंदू चिंतन को वैश्विक महत्वाकांक्षाओं से जोड़ने का अवसर प्रदान करता है। उनके अनुसार, इस वर्ष मुंबई में 60 से अधिक देशों के 4,500 से ज्यादा प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद है। सम्मेलन के सह-अध्यक्ष के रूप में विशाद मफतलाल और महेश भागचंदका को नियुक्त किया गया है। विश्व हिंदू कांग्रेस का आयोजन हर चार वर्ष में किया जाता है। इसकी शुरुआत 2014 में नई दिल्ली से हुई थी। इसके बाद 2018 में शिकागो और 2023 में बैंकॉक में सम्मेलन आयोजित हुआ। अब 2026 में मुंबई में होने वाला सम्मेलन वैश्विक स्तर पर हिंदू समाज के विभिन्न क्षेत्रों के बीच संवाद, सहयोग और कार्ययोजना को आगे बढ़ाने का मंच बनेगा।

अंतरिक्ष में भारत की निजी शक्ति एवं वैज्ञानिक सामर्थ्य की उड़ान

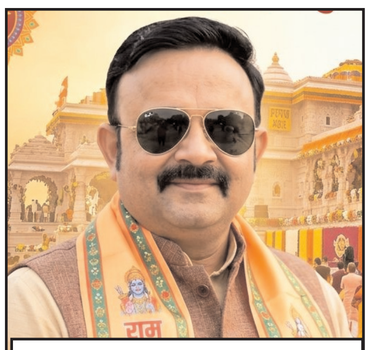

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

आवश्यकता है कि वैज्ञानिक जिज्ञासा को उद्यमिता से, सरकारी नीति को निजी ऊर्जा से और भारतीय प्रतिभा को वैश्विक अवसरों से जोड़ा जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष विजन इसी समन्वय को दिशा देता है। भारत ने धरती से चंद्रमा तक अपनी क्षमता सिद्ध कर दी है, अब चुनौती है कि वह अंतरिक्ष में अपनी वैज्ञानिक शक्ति के साथ-साथ आर्थिक, तकनीकी और मानवीय नेतृत्व की भी ऐसी छाप छोड़े, जिसे दुनिया लंबे समय तक याद रखे। यही नई अंतरिक्ष उड़ान आत्मनिर्भर भारत को विकसित भारत की व्यापक आकांक्षा से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी बन सकती है।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब केवल सरकारी संस्थानों और वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रह गई है। यह यात्रा आज नवाचार, उद्यमिता, युवा प्रतिभा, निजी पूंजी और वैश्विक महत्वाकांक्षा के ऐसे संगम में बदल रही है, जिसने भारत को अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में एक नई गति प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी सहभागिता के द्वार खोलने का निर्णय इसी परिवर्तन का निर्णायक पड़ाव है। कभी जिस अंतरिक्ष क्षेत्र को लगभग पूरी तरह सरकारी नियंत्रण और संस्थागत सीमाओं के भीतर देखा जाता था, आज वहां सैकड़ों नवोदित उद्यम अपने सपनों, तकनीक और साहस के साथ नई संभावनाओं का आकाश तलाश रहे हैं। प्रधानमंत्री द्वारा भारतीय निजी अंतरिक्ष उद्यमियों से संवाद कर उन्हें प्रेरित करना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भविष्य के भारत की दिशा का उद्घोष है। इसमें उन्होंने जिस आत्मविश्वास के साथ भारत को विश्व की अंतरिक्ष प्रतिभा, निवेश और उद्यमिता का आकर्षण-केंद्र बनाने का सपना प्रस्तुत किया, वह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का भी संकेत है। भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों का इतिहास अपने आप में असाधारण है। सीमित संसाधनों के बीच भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने जिस वैज्ञानिक अनुशासन, आत्मनिर्भरता और संकल्प का परिचय दिया, उसने दुनिया को चकित किया है। आर्यभट्ट से प्रारंभ हुई यात्रा मंगलयान तक पहुंची, चंद्रयान ने चंद्रमा के रहस्यों को समझने की भारतीय क्षमता सिद्ध की और चंद्रयान-3 ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रूवीय क्षेत्र में सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला देश बनाकर इतिहास रचा। यह उपलब्धि केवल एक वैज्ञानिक सफलता नहीं थी, यह भारतीय प्रतिभा, तकनीकी आत्मविश्वास और असंभव को संभव करने की राष्ट्रीय क्षमता का प्रमाण थी। मंगलयान ने कम लागत में अंतरग्रहीय अभियान की सफलता से दुनिया को भारत की वैज्ञानिक दक्षता का परिचय दिया। आदित्य-एल1 ने सूर्य के अध्ययन की दिशा में भारत की महत्वाकांक्षा को नई ऊंचाई दी। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति की तैयारी से जुड़ा गगनयान अभियान भारत की अगली बड़ी छलांग का संकेत है। इस पूरी यात्रा ने यह स्पष्ट किया है कि भारत अब अंतरिक्ष विज्ञान मंद केवल उपलब्धियों का अनुकरण करने वाला देश नहीं, बल्कि नए मानदंड स्थापित करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र है।

इस उपलब्धि की अगली स्वाभाविक कड़ी निजी क्षेत्र की भागीदारी है। अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों के बाद भारत में लगभग 440 अंतरिक्ष-प्रौद्योगिकी नवोदित उद्यमों का उभरना इस परिवर्तन की गहराई को दशार्ता है। इनमें कुछ उपग्रह निर्माण में लगे हैं, कुछ प्रक्षेपण यानों की तकनीक विकसित कर रहे हैं, कुछ अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों के विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, पृथ्वी अवलोकन, संचार, मौसम पूवार्नुमान और अंतरिक्ष मलबे के प्रबंधन जैसी अत्याधुनिक दिशाओं में काम कर रहे हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस ने निजी क्षेत्र के रॉकेट प्रक्षेपण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है, जबकि अग्निकुल कॉसमॉस ने स्वदेशी तकनीक और आधुनिक निर्माण पद्धतियों के माध्यम से यह दिखाया है कि भारतीय निजी उद्यम अंतरिक्ष प्रक्षेपण के कठिन क्षेत्र में भी अपनी जगह बना सकते हैं। ये प्रयास उस मानसिकता को बदल रहे हैं जिसमें अंतरिक्ष केवल वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों का क्षेत्र माना जाता था। अब यह युवा उद्यमियों के लिए रोजगार, अनुसंधान, निवेश और वैश्विक व्यापार का नया क्षेत्र बन रहा है। इस परिवर्तन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अंतरिक्ष अब केवल आकाश में उपलब्धियों का विषय नहीं, बल्कि धरती पर जीवन को बेहतर बनाने का साधन भी बन रहा है। उपग्रह आधारित सेवाएं कृषि की उत्पादकता बढ़ाने, फसल की निगरानी करने, जल संसाधनों की पहचान, मौसम की सटीक जानकारी देने, मछली पालन, वन संरक्षण और आपदा प्रबंधन में उपयोगी हो सकती हैं। बाढ़, चक्रवात, सूखा और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के समय अंतरिक्ष से प्राप्त सूचनाएं राहत और बचाव कार्यों को अधिक प्रभावी बना सकती हैं। गांवों और दूरदराज के क्षेत्रों में संचार तथा डिजिटल सेवाओं के विस्तार में भी अंतरिक्ष तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसलिए भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब केवल वैज्ञानिक गौरव का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक विकास का शक्तिशाली माध्यम बन रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष संबंधी दृष्टिकोण इसी व्यापक सोच पर आधारित दिखाई देता है। उनका सपना भारत को केवल अंतरिक्ष में पहुंचने वाला देश बनाना नहीं, बल्कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अग्रणी शक्ति बनाना है। वे चाहते हैं कि दुनिया की प्रतिभाएं भारत आएं, भारतीय युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में नए विचारों के साथ आगे बढ़ें और भारत वैश्विक अंतरिक्ष कंपनियों तथा निवेशकों के लिए विश्वसनीय केंद्र बने। यह दृष्टिकोण भारत की आर्थिक शक्ति को नई दिशा दे सकता है। अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में संचार, मौसम, रक्षा, कृषि, परिवहन, ऊर्जा, आपदा प्रबंधन और डिजिटल सेवाओं के साथ गहराई से जुड़ने वाली है। ऐसे में जो देश इस क्षेत्र में तकनीकी नेतृत्व स्थापित करेगा, उसकी आर्थिक और रणनीतिक शक्ति भी बढ़ेगी। निजी अंतरिक्ष उद्यमों के सामने संभावनाएं जितनी बड़ी हैं, चुनौतियां भी उतनी ही गंभीर हैं। अंतरिक्ष तकनीक में अनुसंधान और विकास के लिए भारी पूंजी चाहिए। प्रक्षेपण की असफलता का जोखिम सामान्य उद्योगों की तुलना में कहीं अधिक होता है। अत्यंत जटिल तकनीक, कठोर सुरक्षा मानक, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक निवेश की आवश्यकता इस क्षेत्र को कठिन बनाती है। इसलिए सरकार की भूमिका केवल नियम बनाने तक सीमित नहीं रह सकती। उसे ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो नवाचार को प्रोत्साहित करें, निजी उद्यमों को परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराएं, अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाएं तथा निवेशकों का विश्वास कायम रखें। अंतरिक्ष क्षेत्र की एकल खिड़की व्यवस्था और भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र जैसी संस्थागत व्यवस्थाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार कर रही हैं।

भारत के लिए एक और बड़ी संभावना अंतरिक्ष में लागत और दक्षता की अपनी पारंपरिक ताकत को वैश्विक बाजार से जोड़ना है। भारत ने पहले ही यह सिद्ध किया है कि सीमित लागत में उच्च गुणवत्ता वाली अंतरिक्ष सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं। यदि यही क्षमता निजी क्षेत्र की गति, नवाचार और जोखिम उठाने की प्रवृत्ति से जुड़ती है तो भारत छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण, उपग्रह निर्माण, अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों और वैश्विक अंतरिक्ष सेवाओं के क्षेत्र में बड़ा बाजार हासिल कर सकता है। इससे विदेशी मुद्रा अर्जन के साथ-साथ उच्च कौशल वाले रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। यहां भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का अनुभव निजी क्षेत्र के लिए अमूल्य पूंजी है। दशकों की वैज्ञानिक साधना से अर्जित ज्ञान, प्रक्षेपण तकनीक, उपग्रह निर्माण की क्षमता और मिशन प्रबंधन का अनुभव अब देश के नवोदित उद्यमों के लिए मार्गदर्शक शक्ति बन सकता है। सरकारी संस्थान और निजी उद्यम यदि प्रतिस्पर्धा के साथ सहयोग की संस्कृति विकसित करें तो भारत की अंतरिक्ष शक्ति कई गुना बढ़ सकती है। सरकार का काम रास्ता खोलना है, वैज्ञानिक संस्थानों का काम ज्ञान और अनुभव उपलब्ध कराना है और निजी क्षेत्र का काम गति, नवाचार और बाजार की शक्ति को आगे बढ़ाना है। इन तीनों का समन्वय भारत को नई ऊंचाई दे सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी का यह आह्वान कि भारत ऐसा वातावरण बनाए जहां दुनिया भर के युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने के लिए यहां आने की सोचें, वास्तव में प्रतिभा की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत की नई आकांक्षा को व्यक्त करता है। यह केवल रॉकेटों की संख्या बढ़ाने का लक्ष्य नहीं है, यह भारत को अंतरिक्ष आधारित ज्ञान, तकनीक और अर्थव्यवस्था का केंद्र बनाने की कल्पना है। आने वाले समय में अंतरिक्ष में भारत की सफलता का मूल्यांकन केवल कितने उपग्रह भेजे गए या कितने रॉकेट छोड़े गए, इससे नहीं होगा। असली कसौटी यह होगी कि अंतरिक्ष तकनीक ने भारतीय किसान, विद्यार्थी, उद्यमी, सैनिक, वैज्ञानिक और सामान्य नागरिक के जीवन को कितना बेहतर बनाया। भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब उस मुकाम पर है जहां आकाश सीमा नहीं, बल्कि अवसर है। चंद्रयान-3 की चंद्र विजय से लेकर सूर्य की ओर आदित्य-एल1 की यात्रा, मंगलयान की ऐतिहासिक सफलता से लेकर मानव को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी और सरकारी संस्थानों से निकलकर निजी स्टार्टअप के प्रक्षेपण तक भारत ने लंबी दूरी तय की है। अब अगला अध्याय और अधिक महत्वाकांक्षी होना चाहिए। आवश्यकता है कि वैज्ञानिक जिज्ञासा को उद्यमिता से, सरकारी नीति को निजी ऊर्जा से और भारतीय प्रतिभा को वैश्विक अवसरों से जोड़ा जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष विजन इसी समन्वय को दिशा देता है। भारत ने धरती से चंद्रमा तक अपनी क्षमता सिद्ध कर दी है, अब चुनौती है कि वह अंतरिक्ष में अपनी वैज्ञानिक शक्ति के साथ-साथ आर्थिक, तकनीकी और मानवीय नेतृत्व की भी ऐसी छाप छोड़े, जिसे दुनिया लंबे समय तक याद रखे। यही नई अंतरिक्ष उड़ान आत्मनिर्भर भारत को विकसित भारत की व्यापक आकांक्षा से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी बन सकती है।

संपादकीय

बीमार हैं स्कूल

देश के सरकारी स्कूलों की बदहाली किसी से छिपी नहीं है। जिस देश में एक लाख स्कूल एक ही शिक्षक के भरोसे चल रहे हों, मूलभूत शैक्षिक सुविधाओं का अभाव हो, वहां पढ़ाई का स्तर क्या होगा, अंदाज लगाना कठिन नहीं है। कुछ स्कूल जर्जर इमारतों में चल रहे हैं, कुछ पेड़ तले व बरामदों में- तो सवाल स्वाभाविक है कि सुधार क्यों नहीं होता? आखिर इन स्कूलों का सुधार हमारे नीति-नियंताओं की प्राथमिकताओं में क्यों नहीं होता? जिस शिक्षा विभाग में अधिकारियों व कर्मचारियों की पूरी फौज तैनात है, उसकी जवाबदेही तय क्यों नहीं होती? अब भले ही सरकारी स्कूलों को सीजेपी ने अपना मुद्दा बना लिया हो, लेकिन इससे पहले ही देश के कई भागों में छात्र स्कूलों में सुधार की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे हैं। विडंबना यह है कि इन स्कूलों पर ग्रामीण, समाज के वंचित वर्गों, श्रमिकों व गरीब बच्चों की निर्भरता अधिक होती है, फलतः उनकी आवाज भी अनसुनी कर दी जाती है। यदि नेताओं और अधिकारियों के बच्चों के लिये सरकारी स्कूलों में भर्ती अनिवार्य कर दी जाती तो शायद इन स्कूलों के दिन फिर जाते। सरकारी स्कूलों का सच किसी से छिपा नहीं है। नीति आयोग के हालिया आंकड़े इस सच को अनावृत करते हैं। आयोग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले एक दशक में पूरे देश में 94 हजार सरकारी स्कूल बंद हुए हैं। साथ ही इसी अवधि में सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूल भी 83 हजार से घटकर 79 हजार रह गये हैं। स्कूलों में छात्रों के दाखिले में कमी का सिलसिला भी बदस्तूर जारी है। लेकिन वहीं दूसरी ओर मुनाफा कमा रहे निजी स्कूलों का कुनबा लगातार बढ़ ही रहा है। उनकी संख्या अब 2.9 लाख से बढ़कर 3.4 लाख के करीब हो गई है। यह एक हकीकत है कि सरकारी स्कूलों की स्थिति को लेकर राजनीतिक दलों की जो फिक्र सामने आ रही है, उसके निहितार्थ समझना कठिन नहीं है। इन दलों की सरकारों के दौरान भी इन स्कूलों की दिशा-दशा में कोई बड़ा बदलाव नजर नहीं आया।

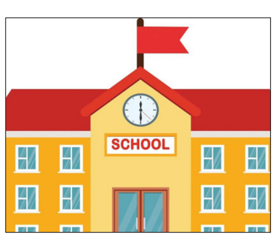

चिंता इस बात को लेकर है कि इस मुद्दे पर जो राजनीति हो रही है, कहीं उसके चलते सुधार के विमर्श पर आंच न आए। सही मायने में सरकारी स्कूलों का कायाकल्प होना चाहिए। इसमें शासन, प्रशासन, पक्ष-विपक्ष और नागरिकों की भी अहम भूमिका होनी चाहिए। नीति-नियंताओं को सोचना चाहिए कि अभिभावकों से मोटी फीस लेने वाले निजी स्कूल क्यों फल-फूल रहे हैं? सरकारी स्कूलों के पास भवन हैं, पर्याप्त जगह है, सम्मानजनक पगार वाले शिक्षक हैं और सरकारी तंत्र का समर्थन है, तो ये स्कूल पनप क्यों नहीं रहे हैं? क्यों सरकारी स्कूलों में पानी, बिजली, बेंच, टेबल व शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं? बल्कि सुधारों के बजाय शिक्षकों की नियुक्ति में राजनेताओं की धांधली की खबरें अकसर मीडिया में तैरती रहती हैं। विडंबना देखिये कि पढ़ाई-लिखाई के लिये अनुकूल वातावरण की मांग को लेकर राजस्थान व उत्तर प्रदेश के कई शहरों में विद्यार्थी सड़कों पर उतरे हैं। इन बच्चों को अपने भविष्य की फिक्र थी और ये स्कूलों में गुणवत्ता का शैक्षिक वातावरण मांग रहे थे। निश्चित रूप से हमारे नीति-नियंताओं ने सरकारी स्कूलों का उद्धार करने के लिये कभी कोई बड़ा अभियान नहीं चलाया। अब जब मुद्दा तूल पकड़ रहा है तो तमाम घोषणाएं की जा रही हैं। सही मायने में प्राथमिक शिक्षा किसी भी देश के भविष्य की बुनियाद होती है। जब इन स्कूलों में बीमार भविष्य वाले नागरिक तैयार करेंगे तो देश का भला कैसे होगा? दरअसल, सरकारी स्कूल हमारे समाज में व्याप्त आर्थिक विषमता का पर्याय हैं। जो लोग अपने बच्चों को महंगे सरकारी स्कूलों में नहीं पढ़ा सकते हैं, वे ही अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में भेजने के लिये मजबूर हैं। लेकिन सोचने वाली बात यह कि मिड-डे-मील जैसे प्रलोभनों से ये सरकारी स्कूल कब तक अपना अस्तित्व बना पाएंगे? कहीं न कहीं इन स्कूलों की अनदेखी करके हम एक बड़ी आबादी को शिक्षा के मौलिक अधिकार से वंचित तो नहीं कर रहे हैं?

भूत को छोड़ो, वर्तमान और भविष्य की चिंता करो

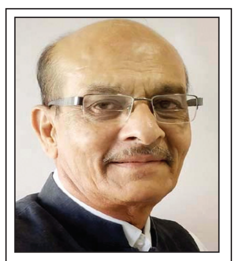

सनत जैन

भारत की राजनीति पिछले तीन दशकों से लगातार भूतों के सहारे चल रही है। कभी बोफोर्स, कभी 2जी, कभी कोयला घोटाला, कभी राम मंदिर, कभी स्वतंत्रता आंदोलन, कभी नेहरू-गांधी परिवार, कभी भारत-पाकिस्तान विभाजन और अब दशकों पुराने घटनाक्रमों की फाइलें खोलकर राजनीति को वर्तमान से हटाकर अतीत में धकेला जा रहा है। सवाल यह है, क्या भूतों को बार-बार कब्र से निकालने से देश का भविष्य बनेगा? बोफोर्स का मामला दशकों तक राजनीतिक हथियार बना रहा। जांच हुई, अरबों रुपए खर्च हुए, देश-विदेश में यात्राएं हुईं, राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप चलते रहे। अंततः फाइल बंद करना पड़ी, क्योंकि कोई भी सबूत नहीं मिला। हां राजनीति से गांधी परिवार जरूर बाहर हो गया। 1989 से लेकर 2026 तक गांधी परिवार का कोई भी सदस्य सरकार के किसी पद पर नहीं रहा। यह सत्य है। इसी तरह मनमोहन सिंह सरकार के समय लगाए गए कई बड़े घोटालों के आरोप, जांच और न्यायिक प्रक्रिया में अलग-अलग रूप में सामने आए। 2जी और कोयला आवंटन इसके उदाहरण हैं। कैग के तत्कालीन सर्वेसर्वा विनोद राय ने कथनी और करनी को लेकर क्षमा भी मांग ली। साजिश एवं राजनीति की इन घटनाओं से सबक लेने के बजाय उन्हें सत्ता तक पहुंचाने के लिए सीढ़ी बना लेने से आज देश स्वतंत्रता के समय की स्थिति में पहुंचने जा रहा है।

2012 के बाद तो जैसे अतीत ही राजनीति का सबसे बड़ा हथियार बन गया है। सवाल यह नहीं है, आज रोजगार कहां है, शिक्षा कैसी है, स्वास्थ्य व्यवस्था क्यों कमजोर है, किसानों की आय और युवाओं का भविष्य क्या होगा। करोड़ों डिग्रीधारी और असंगठित क्षेत्र के युवा बेरोजगार हैं। लाखों स्कूल बंद हो गए हैं। अनपढ़ों की जमात बढ़ती जा रही है। 35, 50 या 75 साल पहले किसने क्या गलती की थी? इस पर राजनीति हो रही है। ऐसी स्थिति में वर्तमान और भविष्य कैसे सुधरेगा? 1998 का जम्मू-कश्मीर वंधामा नरसंहार की जांच फिर से शुरू करने की चर्चा सामने आ रही है। उस घटना में 23 लोगों की हत्या हुई थी, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी थे। अपराधियों को सजा और पीड़ितों को न्याय पहले भी दिया जा चुका है। सवाल यह है, न्याय और राजनीति के बीच की सीमा कौन तय करेगा? जो पहले हुआ है, वह सही है, या गलत है। सत्ता की लड़ाई में पुराने जख्मों को भरने के बजाय उन्हें कुरेदकर कश्मीरी पंडित बनाम मुसलमान के बीच एक नई खाई तैयार की जा रही है? भूत को न्याय देना, भूत के सहारे राजनीति करना यह दो अलग बातें हैं। जीवन का सबसे बड़ा सत्य यही है, जो चला गया, वह वापस नहीं आता। मृत्यु के बाद जीवन रुकता नहीं है। परिवार को आगे बढ़ना पड़ता है। बच्चों को भोजन चाहिए, शिक्षा चाहिए, रोजगार चाहिए। इसलिए मृत शरीर को सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार के रूप में विदा करके हम उसे भूलते हैं। यह कहने में कठोर लग सकता है, लेकिन यही जीवन का सत्य है। राष्ट्र भी इसी नियम से चलता है। भारत मे कब तक कब्रें खोद-खोदकर हम भूतों को निकालते रहेंगे?

आज देश में राज्य सरकार, केंद्र सरकार, स्थानीय प्रशासन और आम आदमी कर्ज बढ़ने से हैरान और परेशान है। 20 करोड़ लोगों के पास कोई काम नहीं है। रोजगार की चुनौती, कमजोर होती सार्वजनिक व्यवस्थाओं, बंद होते स्कूलों, महंगी शिक्षा, चिकित्सा और 80 करोड़ लोगों को 5 किलो अनाज, तथा सरकारी सहायता पर निर्भरता बुनियादी सवाल हैं। सामाजिक व्यवस्था धर्म और जाति के संघर्षों में उलझती जा रही है। देश की राजनीति बार-बार अतीत में लौट जाती है। जनरेशन-जी और जनरेशन-अल्फा इस राजनीति को अलग नजर से देख रही है। यह पीढ़ी मोबाइल, इंटरनेट और डिजिटल दुनिया के बीच पैदा होकर बड़ी हुई है। उसके लिए 50 साल पहले क्या हुआ, यह इतिहास है, उसके लिए आज नौकरी मिलेगी या नहीं, शिक्षा कैसी होगी, तकनीक उसके जीवन को कैसे बदलेगी, भविष्य सुरक्षित होगा या नहीं,यह उसकी वास्तविक चिंता है। नई पीढ़ी अपने मां-बाप से कह रही है, आपने जो किया, वह इतिहास बन गया है। हमारी आज की जरूरतें पूरी करें। यदि आप हमारी जरूरत पूरी नहीं कर सकते हैं, तो अपना भविष्य हम स्वयं बनाएंगे। यह संदेश सत्ता और व्यवस्था में बैठे लोगों को समझना होगा।

न्यायपालिका को भी समझना होगा। भारतीय संविधान ने मौलिक अधिकारों के साथ नागरिक अधिकार पैदा किए हैं। ध्यान रखना होगा, भूख और बेरोजगारी का कोई धर्म नहीं होता है। खाली पेट की भीड़ को धर्म एवं इतिहास नहीं, रोटी पानी की जरूरत होती है। बेरोजगार युवा को पुरानी लड़ाइयां नहीं, वर्तमान में रोजगार और नौकरी चाहिए। बीमार व्यक्ति को भाषण नहीं, चिकित्सा के लिए अस्पताल चाहिए। विद्यार्थी को अतीत की बहस नहीं, अच्छी शिक्षा के अवसर चाहिए। सत्ता में बने रहने के लिए यदि हर बार नया भूत निकाला जाएगा। एक दिन वर्तमान सत्ता इतनी कमजोर हो जाएगी। भविष्य के लिए उसके पास कुछ नही बचेगा। सबसे बड़ा खतरा यही है। भूतों के साथ रहते-रहते भूत न बन जाएं। भारत की राजनीति को अब भूत से निकालकर वर्तमान और भविष्य के लिए प्रयोग शालाओं, स्कूलों, अस्पतालों, उद्योगों और रोजगार तकनीकी और शोध के मैदान में सारी दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा के लिए मैदान में आना होगा। अतीत से सीखना जरूरी होता है, अतीत में रहना आत्मघाती होता है। समय गतिशील है, वर्तमान और भविष्य भी इस गतिशीलता से बदलता है। अतीत मे अटक कर वर्तमान और भविष्य को खो देते हैं। भूतों को इतिहास के पन्नों में रहने दीजिए, वर्तमान को बचाइए। भविष्य का निर्माण वर्तमान से जुड़ने पर होगा। यही वर्तमान भारत की सबसे बड़ी जरूरत है।

मदर टेरेसा: गरीबों की सांसों में बसने वाली संत

योगेश कुमार गोयल

मदर टेरेसा का नाम सुनते ही मानवता, करुणा और सेवा का पवित्र स्वरूप आंखों के सामने उभर आता है। उनका जीवन इस तथ्य का सबसे बड़ा प्रमाण है कि निस्वार्थ भाव से दूसरों के दुःख को दूर करने का संकल्प ही मनुष्य को वास्तविक अर्थों में महान बनाता है। 26 अगस्त 1910 को अल्बानिया के स्कोप्जे में एगनेस गोंझा बोयाज्यू के रूप में जन्मी इस नन्हीं बालिका ने बचपन से ही धर्म और सेवा के प्रति गहरी आस्था प्रकट की थी। जब वे केवल 12 वर्ष की थी, तभी उनके भीतर यह संकल्प जाग उठा था कि उनका जीवन केवल दूसरों की भलाई के लिए समर्पित होगा। यही संकल्प आगे चलकर उन्हें पूरी मानवता के लिए करुणा की मूर्ति बना गया।

18 वर्ष की आयु में उन्होंने 'सिस्टर्स ऑफ लोरेटो' से जुड़कर धार्मिक जीवन की ओर कदम बढ़ाए और 1929 में भारत आईं। कलकत्ता स्थित सेंट मैरी स्कूल में उन्होंने अध्यापिका के रूप में कार्य करना शुरू किया। अध्यापन कार्य के दौरान वे छात्रों को केवल पढ़ाई ही नहीं, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का भी पाठ पढ़ाती थी किंतु धीरे-धीरे उनका मन स्कूल की चारदीवारी से बाहर रहने वाले निर्धन, रोगग्रस्त और बेसहारा लोगों की ओर अधिक खिंचने लगा। 1946 में दार्जिलिंग की यात्रा के दौरान उन्हें अपने जीवन का वास्तविक ध्येय मिला। उन्होंने महसूस किया कि उन्हें शिक्षण कार्य से ऊपर उठकर गरीबों और असहायों की सीधी सेवा करनी चाहिए। यह क्षण उनके जीवन की दिशा बदल देने वाला साबित हुआ।

कलकत्ता की झुग्गियों और गलियों में रहने वाले लोगों की असहनीय पीड़ा को देखकर उन्होंने 1950 में 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' की स्थापना की। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य था सबसे गरीब, सबसे लाचार और सबसे उपेक्षित लोगों की निःस्वार्थ सेवा करना। संस्था का ध्येय वाक्य ही था, 'सबसे गरीबों में भी सबसे गरीब की सेवा।' मदर टेरेसा ने सेवा की परिभाषा केवल भोजन और दवा देने तक सीमित नहीं रखी बल्कि उनके लिए सेवा का अर्थ था पीड़ित व्यक्ति को यह अनुभव कराना कि वह अकेला नहीं है, उसे प्यार और सम्मान मिला हुआ है। यही कारण था कि वे सदैव कहा करती थी, 'हम बड़े-बड़े कार्य नहीं कर सकते लेकिन हम छोटे-छोटे कार्य बड़े प्रेम से कर सकते हैं।'

उनके आश्रमों में केवल भोजन या उपचार की सुविधा ही नहीं दी जाती थी बल्कि वहां पीड़ित व्यक्तियों को जीवन की गरिमा और आत्मसम्मान भी लौटाया जाता था। उन्होंने कुष्ठ रोगियों को समाज में सम्मान दिलाने के लिए आश्रम बनाए, अनाथ और परित्यक्त बच्चों के लिए घर खोले और मृत्युशैया पर पड़े लोगों को अंतिम क्षणों में भी प्रेम और स्नेह का अहसास कराया। उनकी संस्था धीरे-धीरे भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में फैल गई, जिसके सैंकड़ों केंद्र आज विभिन्न देशों में मानव सेवा का कार्य कर रहे हैं। मदर टेरेसा की असाधारण सेवाओं को देखते हुए उन्हें अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। 1962 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से अलंकृत किया और 1980 में 'भारत रत्न' प्रदान कर सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया। विश्व स्तर पर उन्हें 1979 में नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया। इसके अतिरिक्त अनेक देशों ने उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मानों से विभूषित किया किंतु इन सब पुरस्कारों और मान-सम्मानों के बीच भी वे सदैव विनम्र बनी रही और स्वयं को केवल ईश्वर का साधन मानती रही।

उनके जीवन और कार्यों की इतनी ऊंचाई होने के बावजूद वे आलोचनाओं से अछूती नहीं रही। कई बार उन पर धर्मांतरण के आरोप लगाए गए तो कई बार उनके आश्रमों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की कमी की बात उठाई गई किंतु यह निर्विवाद सत्य है कि मदर टेरेसा ने लाखों असहायों को आशा, सहारा और जीवन का सम्मान प्रदान किया। उनके कार्यों का व्यापक प्रभाव इसी से समझा जा सकता है कि वे समाज की उस परत तक पहुंची, जिसे प्रायः शासन और व्यवस्था भी अनदेखा कर देती थी। 5 सितंबर 1997 को 87 वर्ष की आयु में जब उनका निधन हुआ, तब समूचे विश्व ने उन्हें खोने का दुःख अनुभव किया। उनके अंतिम संस्कार में दुनिया के अनेक देशों के नेता उपस्थित हुए और भारत ने उन्हें राजकीय सम्मान के साथ विदाई दी। उनकी मृत्यु के बाद भी उनकी संस्था 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' उसी निष्ठा से मानवता की सेवा में कार्यरत है। 2016 में पोप फ्रांसिस ने उन्हें संत की उपाधि प्रदान की, जिससे उनका जीवन एक वैश्विक आध्यात्मिक प्रेरणा का प्रतीक बन गया। मदर टेरेसा का जीवन इस तथ्य को रेखांकित करता है कि वास्तविक महानता किसी पद, संपत्ति या शक्ति में नहीं बल्कि निस्वार्थ सेवा और करुणा में निहित है। उन्होंने यह साबित किया कि जब तक हम दूसरों के दुःख को अपना नहीं मानते, तब तक जीवन का सही अर्थ अधूरा रहता है। आज जब दुनिया हिंसा, असमानता और स्वार्थ की चपेट में है, तब मदर टेरेसा का संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठता है। उन्होंने सिखाया कि प्रेम और करुणा ही वह शक्ति है, जो मानवता को जोड़ सकती है। उन्होंने धर्म, जाति और भाषा की सीमाओं से परे जाकर यह बताया कि इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म है। यही उनकी सबसे बड़ी विरासत है, जिसे आगे बढ़ाना हर व्यक्ति का कर्त्तव्य है। मदर टेरेसा की जयंती का अवसर केवल स्मरण का नहीं बल्कि आत्ममंथन का अवसर है, जो हमें यह सोचने पर विवश करता है कि हम अपने जीवन में कितना समय और कितनी संवेदनशीलता समाज के जरूरतमंदों के लिए समर्पित करते हैं। यदि हर व्यक्ति अपने आसपास के जरूरतमंदों के लिए थोड़ा-सा भी प्रयास करे तो समाज में फैली असमानता और पीड़ा काफी हद तक कम हो सकती है। मदर टेरेसा का जीवन हमें यही सिखाता है कि सच्चा धर्म केवल मानव सेवा है और सच्ची पूजा केवल करुणा है।

यूपी, पंजाब और उत्?तराखंड में अकेले दम पर चुनाव लड़ेगी बसपा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों को लेकर अपनी रणनीति साफ कर दी है। बसपा प्रमुख मायावती ने मंगलवार को कहा कि पार्टी उत्तर प्रदेश के साथ पंजाब और उत्तराखंड में भी किसी दल से गठबंधन या समझौता किए बिना अपने बलबूते चुनाव मैदान में उतरेगी। मायावती ने पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और कर्मठ व ईमानदार लोगों को उम्मीदवार बनाने पर विशेष जोर दिया। मायावती ने लखनऊ में आयोजित बैठक में पंजाब में पार्टी के जनाधार और संगठन की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में बसपा को बेहतर परिणाम के लिए पूरी ताकत से तैयारी करनी होगी।

सीट और वोट प्रतिशत दोनों स्?तर पर होता था नुकसान

बसपा प्रमुख पार्टी पदाधिकारियों को चुनावी तैयारियों में किसी तरह की कमी नहीं रहने देने के निर्देश दिए। उन्?होंने कहा कि चुनावी गठबंधन से पार्टी को सीट और वोट प्रतिशत, दोनों स्तर पर नुकसान उठाना पड़ता है। इसी वजह से उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड में बसपा अकेले अपने दम पर चुनाव लड़ेगी।

कांशीराम की पुण्?यतिथि पर कार्यक्रम की तैयारी

मायावती ने कार्यकर्ताओं से विरोधियों के सभी साम-दाम-दंड-भेद के हथकंडों का सामना करते हुए बेहतर परिणाम के लिए जुटने का आह्वान किया। बैठक में मायावती ने आगामी 9 अक्टूबर को पार्टी के संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि के कार्यक्रम की तैयारियों को पिछले वर्ष के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूरा करने को कहा। साथ ही, 15 जनवरी 2027 को 'जनकल्याणकारी दिवस' के अवसर पर बसपा की ओर से किए जाने वाले आर्थिक सहयोग को पिछली बार से बेहतर करने पर जोर दिया। बसपा प्रमुख ने कहा कि इन कार्यक्रमों के जरिए अंबेडकरवादी विचारधारा और बसपा आंदोलन को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। मायावती ने कहा कि पार्टी का लक्ष्य गरीब, बेरोजगार और वंचित वर्गों को गरीबी व बेरोजगारी से मुक्ति तथा आत्मसम्मान के साथ जीवन का अवसर दिलाने वाली नीतियों को आगे बढ़ाना है। उन्होंने पार्टी संगठन को आगामी चुनावों के लिए पूरी तरह सक्रिय और तैयार रखने के निर्देश दिए।

सुल्तानपुर में मरीज की जान बचाने निकले डॉक्टर की सड़क हादसे में मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सुल्तानपुर। सुल्तानपुर अयोध्या-प्रयागराज हाईवे पर सोमवार देर रात करीब 11:30 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में जिले के जाने-माने डॉक्टर की जान चली गई, जबकि उनके दो साथी डॉक्टर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा कोतवाली देहात थाना क्षेत्र स्थित दरियापुर रेलवे ओवरब्रिज के पास हुआ, जहां एक मरीज का इमरजेंसी ऑपरेशन करने जा रहे डॉक्टरों की तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग से टकरा गई।

इमरजेंसी कॉल पर जा रहे थे अस्पताल

जानकारी के मुताबिक, तीनों डॉक्टर अमहट स्थित एक निजी नर्सिंग होम में मरीज का ऑपरेशन करने के बाद दरियापुर स्थित एक निजी अस्पताल की तरफ जा रहे थे। वहां एक अन्य मरीज की हालत बेहद गंभीर थी और उसका तत्काल ऑपरेशन किया जाना था। मरीज की नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टर जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचना चाहते थे। इसी दौरान ओवरब्रिज पर आगे चल रहे वाहन को ओवरटेक करने की कोशिश में कार से नियंत्रण छूट गया और गाड़ी पुल की लोहे की रेलिंग को तोड़ती हुई टकरा गई।

?घटनास्थल पर ही तोड़ा दम

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार चला रहे गभड़िया (मूल निवासी लोहरामऊ) के रहने वाले 34 वर्षीय डॉ. अख्तर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, कार में सवार सर्जन डॉ. शैलेंद्र जायसवाल (निवासी दरियापुर) और डॉ. राशिद (निवासी हरखपुर, कुड़वार) गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तुरंत राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। प्राथमिक इलाज के बाद डॉ. राशिद की नाजुक स्थिति को देखते हुए उन्हें लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया है। नगर कोतवाल इंस्पेक्टर सूर्य नारायण मिश्र ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ख्न्ठ ने लखनऊ में 13 अवैध निर्माणों को सील किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ । उत्तरप्रदेश के लखनऊ विकास प्राधिकरण यानी ख्न्ठ की ओर से शहर में अवैध रूप से हो रहे निर्माण कार्यों के खिलाफ ताबड़तोड़ एक्शन जारी है। सोमवार को बड़े स्तर पर लखनऊ शहर के अलग अलग क्षेत्रों में अभियान चलाया। इस कार्रवाई के तहत चौक, वजीरगंज, ठाकुरगंज, दुबग्गा, पीजीआई और सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्रों में लखनऊ विकास प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराए बिना बनाए जा रहे 13 अवैध व्यावसायिक एवं आवासीय निर्माणों को सील कर दिया गया। ख्न्ठ की इस सख्त कार्रवाई से अवैध प्लाटिंग और बिना अनुमति निर्माण कराने वाले बिल्डरों और भूस्वामियों में हड़कंप मच गया है। प्रवर्तन जोन-2 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी के नेतृत्व में टीम ने **राजस्थान पत्रिका**तढ्ढ और सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया। इस दौरान पाया गया कि कई व्यावसायिक और आवासीय परिसरों का निर्माण बिना वैध नक्शा पास कराए तेजी से किया जा रहा था।

नियमों की अनदेखी कर धड़ल्ले से निर्माण

टीम ने हैदर अली, राकेश, हेमराज, राहुल सिंह, प्रकाश चन्द्र बजाज, सोमनाथ अग्रहरि, राम किशोर यादव, भूपेन्द्र सिंह चौधरी व अन्य द्वारा कराए जा रहे 6 अवैध निर्माणों को मौके पर ही सील कर पुलिस अभिरक्षा में सौंप दिया। प्रवर्तन जोन-2 में हुई कार्रवाई के साथ साथ प्रवर्तन जोन-7 के जोनल अधिकारी माधवेश कुमार के निर्देशन में भी चौक, वजीरगंज, ठाकुरगंज और दुबग्गा क्षेत्रों में सीलिंग की कार्रवाई की गई। टीम ने जांच में पाया कि प्रदीप गोयल, कुश मिश्रा, रियाज, रितेश, पूनम कुमार, यूनुस अब्दुल्ला समेत अन्य लोग एलडीए के नियमों की अनदेखी कर धड़ल्ले से निर्माण करा रहे थे।

मध्यप्रदेश के हिल स्टेशन पचमढ़ी में दोस्त को जिप्सी से बांधा छात्रा से गैंगरेप... स्कूल जाना किया बंद तो खुला मामला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पचमढ़ी। पचमढ़ी में पढ़ाई करने वाली नाबालिग छात्रा के साथ 19 अगस्त को गैंगरेप की दर्दनाक घटना घटी. पीड़िता अपने दोस्त के साथ घूम रही थी, तभी जिप्सी ड्राइवर हरिओम अपने दो साथियों के साथ उन्हें सुनसान जंगल में ले गया. मध्य प्रदेश के एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी में नाबालिग छात्रा से गैंगरेप का मामला सामने आया है. पुलिस ने कार्यवाही करते हुए एक स्थानीय जिप्सी चालक और होटल में काम करने वाले दो युवकों को हिरासत में लिया है. आरोपियों पर पीड़िता के दोस्त को बंधक बनाकर वारदात को अंजाम देने का आरोप है. नकारी के मुताबिक पीड़िता पचमढ़ी में पढ़ाई करती है. वह 19 अगस्त की दोपहर करीब 2 बजे उसका एक स्कूल फ्रेंड उससे मिलने पचमढ़ी आया था. बस स्टैंड पर उसकी मुलाकात जिप्सी ड्राइवर हरिओम से हुई. उस

समय हरिओम के साथ पवन बंसल और अभिषेक वंशकार भी मौजूद थे. इसके बाद सभी हरिओम की जिप्सी से घूमने निकले. आरोपी उन्हें दक्षिण स्काउट गाइड के पास स्थित जंगल में ले गए. वहां दोनों को डराया-धमकाया और विरोध करने पर छात्रा के दोस्त को जिप्सी से बांध दिया. इसके बाद छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया. वारदात के बाद दोनों को वापस बस स्टैंड पर छोड़ दिया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी.घटना के बाद डरी हुई पीड़िता घर लौट आई और स्कूल जाना बंद कर दिया. बड़ी बहन ने स्कूल न जाने का कारण पूछा तो पीड़िता ने उसे पूरी घटना बताई. इसके बाद रविवार रात वह परिजन के साथ पचमढ़ी थाने पहुंची.मामले की गंभीरता को देखते हुए पिपरिया से महिला सब-इंस्पेक्टर (SI) मोनिका सिंह पचमढ़ी पहुंचीं और पीड़िता के बयान दर्ज किए. देखें VIDEO पुलिस ने हरिओम, पवन बंसल और अभिषेक वंशकार के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 70(2), 115(2), 351(3), 3(5) और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया. एडिशनल एसपी अभिषेक राजन ने बताया कि पचमढ़ी में एक नाबालिक के साथ रेप का घटना सामने आया है. 19 तारीख का घटनाक्रम है. जो पीड़िता है अपने परिचित के साथ वापस घर लौट रही थी बनखेड़ी. इसी बीच उसके परिचित का एक मित्र अन्य दो मित्रों के साथ आया और पीड़िता और उसके मित्र को सुनसान जगह पर ले गए और डरा धमका कर वहां पीड़िता के साथ इन लोगों द्वारा गलत कृत्य किया गया. 23 तारीख को पीड़िता के द्वारा संपूर्ण घटनाक्रम की रिपोर्ट पचमढ़ी थाने में की गई. इसके बाद पुलिस की अलग-अलग टीमें एक्टिव हुई. रिपोर्ट करने के 6 घंटे के अंतराल में ही तीनों आरोपियों को अरेस्ट कर लिया गया है. तीनों आरोपियों ने जो भी उनके द्वारा क्राइम किया गया है उसको एक्सेप्ट कर लिया है. उनको न्यायालय प्रस्तुत किया जा रहा है. आरोपी मूल रूप से बनखेड़ी थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं और इनके द्वारा मजदूरी और छोटे-मोटे काम किए जाते है.

गर्लफ्रेंड से कार पर करवाए 3400 Kiss! लाइक और व्यूज के चक्कर में पहुंचा थाने

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। ग्वालियर में रील का ऐसा भूत सवार हुआ कि युवक ने अपनी कार को ही 'किसिंग कार' बना दिया. कार पर लिपस्टिक के 3,400 निशान बनाकर जब युवक सड़क पर निकला तो वीडियो तो वायरल हुआ, लेकिन पुलिस ने भी बड़ा एक्शन ले लिया. मध्य प्रदेश के ग्वालियर में सोशल मीडिया पर रील बनाने और फॉलोअर्स बढ़ाने की होड़ का एक बेहद अनोखा और हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां एक युवक ने अपनी कार को ही 'किसिंग कार' बना दिया. कार की पूरी बॉडी पर लाल रंग की लिपस्टिक से करीब 3400 Kiss यानी चुंबन के निशान बने हुए थे. सड़क पर ऐसी कार दौड़ती देख हर कोई हैरान रह गया, लेकिन रील का यह ट्रेंड युवक को भारी पड़ गया. सोशल मीडिया पर कार का वीडियो तेजी से वायरल हुआ और महज़

एक दिन में इसे 55 लाख से ज्यादा व्यूज मिल गए. हालांकि, वीडियो वायरल होते ही ग्वालियर ट्रैफिक पुलिस हरकत में आ गई और कार को जब्त कर लिया. कार मालिक आदित्य सिकरवार के मुताबिक, इंस्टाग्राम पर ट्रेंड सेट करने और फॉलोअर्स बढ़ाने के मकसद से यह अनोखा प्रयोग किया गया था. उसकी गर्लफ्रेंड ने विदेशी ट्रेंड से प्रभावित होकर कार की पूरी बॉडी पर लिपस्टिक से निशान बनाए थे. इस पूरी प्रक्रिया में गर्लफ्रेंड को करीब साढ़े तीन से चार घंटे का वक्त लगा था. मामले का संज्ञान लेते हुए ट्रैफिक पुलिस ने कार के नंबर (MP 07...) के आधार पर जांच शुरू की और थाटीपुर इलाके से वाहन को रिकवर कर लिया. ट्रैफिक सूबेदार अभिषेक रघुवंशी ने बताया कि दो दिन पूर्व सोशल मीडिया पर एक स्विफ्ट कार का वीडियो तेजी से वायरल हुआ था, जिस पर लिपस्टिक जैसे आपत्तिजनक मार्क्स बने हुए थे. वाहन चालक को थाने लाकर मोटर व्हीकल एक्ट के प्रावधानों के तहत 5500 रुपये का जुर्माना लगाया गया. देखें VIDEO कार्रवाई के बाद युवक को अपनी गलती का अहसास हुआ. उसने स्वीकार किया कि उसे रील बनाने के चक्कर में यातायात नियमों के उल्लंघन का अंदाजा नहीं था. इसके बाद युवक ने पुलिस थाने परिसर में ही खुद अपने हाथों से कार पर बने लिपस्टिक के सभी निशानों को पानी से धोकर साफ किया.

धड़ अलग... कौशांबी में चारपाई पर मिली से लथपथ लाश खून

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कौशांबी। मंझनपुर में समदा निवासी शकील अहमद (40) की सिर काटकर निर्मम हत्या कर दी गई. मंगलवार सुबह उनका शव एक निर्माणाधीन मकान में चारपाई पर मिला. सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए. मृतक के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर तीन टीमों का गठन किया गया है. यूपी के कौशांबी जिले में सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां एक युवक की सिर काटकर निर्मम हत्या कर दी गई. युवक का खून से लथपथ शव घर में चारपाई पर पड़ा मिला. घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया. सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर जांच-पड़ताल की और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. फिलहाल, पुलिस हत्या के कारणों का पता लगाने और वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है. घटना मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के समदा गांव के बाहर की है. जहां मंगलवार सुबह एक अर्धनिर्मित मकान में 40 वर्षीय शकील अहमद पुत्र इबले हसन का शव चारपाई पर मिला. मृतक का सिर धड़ से अलग था. शव देखते ही आसपास के लोगों में सनसनी फैल गई. स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी. मामले की जानकारी मिलते ही एसपी सत्यनारायण प्रजापत, अपर पुलिस अधीक्षक अमिता सिंह, सीओ और फॉरेंसिक टीम भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची. पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए. इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया.

1 साल से ऐसे कलेक्ट्रेट के पास पहुंच रहा दिव्यांग

मंझनपुर थाना क्षेत्र के रामगमन पथ पर एक निर्माणाधीन मकान से समदा निवासी शकील हसन (40) का शव बरामद हुआ. एसपी सत्यनारायण प्रजापत ने बताया कि शकील रात 9 बजे घर से निकले थे और सुबह परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज कराई थी. सुबह करीब 8 बजे उनकी हत्या की सूचना मिलने पर पुलिस और फील्ड यूनिट ने साक्ष्य जुटाए. मृतक के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले के खुलासे के लिए तीन टीमों का गठन किया गया है.

भोपाल-इंदौर हाईवे पर लगा भीषण जाम, कुबरेश्वर धाम कांवड़ यात्रा के चलते रेंगते नजर आए वाहन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सीहोर। जिले में कुबरेश्वर धाम के लिए सीवन नदी के तट से शुरू हुई ऐतिहासिक कांवड़ यात्रा ने जहां एक तरफ धार्मिक माहौल को पूरी तरह भक्तिमय कर दिया है, वहीं दूसरी तरफ आम जनता और यात्रियों के लिए यह यात्रा भारी ट्रैफिक संकट का सबब बन गई है। शहर और आसपास के तमाम मुख्य मार्गों पर वाहनों का पहिया थम गया है, जिससे हाइवे से लेकर वैकल्पिक रास्तों तक जाम के हालात पैदा हो गए हैं।

वैकल्पिक मार्गों पर भारी दबाव, घंटों फंसे रहे वाहन

कांवड़ यात्रा के दौरान उमड़ी भारी भीड़ के मद्देनजर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने सुरक्षा और सुगम यातायात के पुख्ता दावे किए थे, लेकिन वाहनों के अचानक बेतहाशा दबाव के

कारण वैकल्पिक मार्ग नाकाफी साबित हुए। भाऊखेड़ी जोड़ से इछावर क्रिसेंट मार्ग और वहां से बिलकिसगंज मार्ग तक वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं। स्थिति यह थी कि कई वाहन चालक और यात्री करीब दो घंटे से ज्यादा समय तक भीषण जाम में फंसे रहे, जिससे उन्हें भारी गर्मी और परेशानियों का सामना करना पड़ा। स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन ने 23 अगस्त की सुबह 6 बजे से लेकर 25 अगस्त की रात 12 बजे तक एक व्यापक ट्रैफिक डायवर्सन प्लान लागू किया है। छोटे एवं सवारी वाहनों के लिए: भोपाल से आष्टा, देवास, उज्जैन और इंदौर जाने वाले छोटे वाहनों को सीहोर न्यू क्रिसेंट चौराहा से भाऊखेड़ी जोड़ और अमलाहा होते हुए निकाला जा रहा है। इसी प्रकार विपरीत दिशा से आने वाले वाहनों को भी इसी रूट का उपयोग करने के निर्देश हैं। भारी वाहनों के लिए: भोपाल की ओर से आने वाले भारी ट्रकों और कमर्शियल वाहनों को मुबारकपुर जोड़ और तुमड़ा जोड़ से श्यामपुर, कुरावर, ब्यावरा, शाजापुर और मक्सी के रास्ते डायवर्ट किया गया है। इसके अलावा कन्नौद-खातेगांव और होशंगाबाद-रेहटी की तरफ से आने वाले भारी वाहनों को भी वैकल्पिक स्टेट हाईवे से भेजा जा रहा है। अचानक बदले गए इन लंबे और संकरे वैकल्पिक मार्गों पर यातायात का दबाव जरूरत से ज्यादा बढ़ जाने के कारण लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में सामान्य से दोगुना समय लग रहा है। प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है ताकि श्रद्धालुओं की यात्रा भी सुरक्षित संपन्न हो और आम नागरिकों को भी कम से कम असुविधा हो। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे घर से निकलने से पहले ताजा ट्रैफिक अपडेट जरूर जांच लें।

महिला को बनाया शिकार... हमलों में अब तक 3 की गई जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मुरादाबाद। मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा क्षेत्र के बलिया गांव में तेंदुए के हमले से एक महिला की मौत हो गई. महिला खेत में चारा लेने गई थी, तभी तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया. तेंदुए के हमलों में अब तक तीन लोगों की जान जा चुकी है. मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा इलाके में तेंदुए का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है. बलिया गांव में एक बार फिर तेंदुए के हमले से महिला की मौत हो गई. महिला खेत में चारा लेने गई थी, तभी तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया. घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है. तेंदुए के हमले में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है.

महिला की मौत से ग्रामीणों में दहशत

सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि बलिया गांव में तेंदुए के हमले से मौत का यह दूसरा मामला है. एक ही गांव में दो महिलाओं की जान जाने के बाद ग्रामीणों में डर और बढ़ गया है.लोग खेतों की ओर जाने से बच रहे हैं. ग्रामीणों का कहना है कि लगातार हो रहे हमलों के कारण उन्हें हर समय तेंदुए के हमले का डर सताता रहता है. घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं. विभाग की ओर से तेंदुए की तलाश में लगातार कॉम्बिंग अभियान चलाया जा रहा है.तेंदुए को पकड़ने के लिए गांव और आसपास के इलाकों में पिंजरे लगाए गए हैं. वहीं, उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन समेत आधुनिक तकनीक की मदद ली जा रही है. ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए वन विभाग की टीमें भी तैनात की गई हैं.

वन विभाग अब तक 10 तेंदुओं को पकड़ चुका है.

डीएफओ मुरादाबाद के मुताबिक महिला खेत में चारा लेने गई थी, इसी दौरान तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया. उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि वे अकेले खेतों में न जाएं और विशेष सावधानी बरतें. वन विभाग की टीमें तेंदुए को पकड़ने के लिए लगातार अभियान चला रही हैं. वन विभाग के अनुसार अब तक रेस्क्यू अभियान के दौरान 9 तेंदुए और एक शावक पकड़ा जा चुका है. यानी कुल 10 तेंदुओं को रेस्क्यू किया गया है। इसके बावजूद बलिया गांव में हुई इस तीसरी मौत ने वन विभाग की चुनौती और ग्रामीणों की चिंता दोनों बढ़ा दी है.

'होटल में आ जाओ, साथ में समय बिताओ', जमीन का काम लेकर पहुंची युवती से पटवारी की डिमांड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शहडोल। राजस्व विभाग की साख को शर्मसार करने वाला एक गंभीर मामला सामने आया है। सोहागपुर तहसील के हल्का नंबर 72 में पदस्थ पटवारी आशीष सोनकर पर एक बेसहारा अनाथ युवती के साथ पद का दुरुपयोग कर रिश्वतखोरी और वॉट्सऐप पर अश्लील बातचीत कर शोषण का प्रयास करने के सनसनीखेज आरोप लगे हैं। पीड़िता ने पूरे मामले के इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों और चैट स्क्रीनशॉट्स के साथ जिला कलेक्टर को और एसपी को लिखित शिकायत सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है। शहडोल के सोहागपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली पीड़ित युवती ने बताया कि उसके माता-पिता अब इस दुनिया में नहीं हैं। ग्राम पंचायत चापा में उनकी पुश्तैनी जमीन है। जमीन संबंधी काम और जाति प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए उन्होंने हल्का नंबर 72 के पटवारी आशीष सोनकर से संपर्क किया था। शिकायत के

अनुसार, युवती का आरोप है कि काम कराने के एवज में उनसे 20 हजार रुपए की मांग की गई, जिसमें से 15 हजार रुपए नकद देने का दावा किया गया है। युवती ने लेन-देन और बातचीत से संबंधित व्हाट्सऐप चैट को इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के रूप में सुरक्षित होने की बात कही है। शिकायत का सबसे गंभीर पहलू पटवारी पर अश्लील और आपत्तिजनक व्हाट्सऐप बातचीत करने का आरोप है। युवती का दावा है कि पटवारी ने काम कराने के बदले उसे होटल में बुलाने और अपने साथ रहने जैसी बातें कहीं, युवती ने इसे मानसिक दबाव और शोषण का प्रयास बताया है। युवती का यह भी आरोप है कि शिकायत करने की बात कहने के बाद उसके जमीन संबंधी काम नहीं किए गए और जाति प्रमाण-पत्र भी नहीं बनाया गया। वहीं, पटवारी के सहयोगी रवि पर शिकायत नहीं करने के लिए दबाव बनाने और जान से मरवाने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। अब युवती ने स्वयं कलेक्टर एवं पुलिस के समक्ष शिकायत देकर व्हाट्सऐप चैट, स्क्रीनशॉट और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांच कराने तथा मामले में विभागीय कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। वहीं, इस मामले में आरोपों में घिरे पटवारी आशीष सोनकर से संपर्क कर उनसे इस मामले में उनका पक्ष जानना चाहा तो उन्हें इस मामले में बाद में बात करने की बात कहकर फोन डिस्कनेक्ट कर दिया। इस मामले में शहडोल एसपी अभिषेक दीवान ने कहा कि पटवारी के खिलाफ शिकायत प्राप्त हुई है। मामले की जांच कर दोषी पटवारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मऊगंज में ईद-मिलादुन्नबी की तैयारी के दौरान पेट्रोल से हमला, युवक को जिंदा जलाने की कोशिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शहडोल। राजस्व विभाग की साख को शर्मसार करने वाला एक गंभीर मामला सामने आया है। सोहागपुर तहसील के हल्का नंबर 72 में पदस्थ पटवारी आशीष सोनकर पर एक बेसहारा अनाथ युवती के साथ पद का दुरुपयोग कर रिश्वतखोरी और वॉट्सऐप पर अश्लील बातचीत कर शोषण का प्रयास करने के सनसनीखेज आरोप लगे हैं। पीड़िता ने पूरे मामले के इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों और चैट स्क्रीनशॉट्स के साथ जिला कलेक्टर को और एसपी को लिखित शिकायत सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है। शहडोल के सोहागपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली पीड़ित युवती ने बताया कि उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बेकाबू SUV ने बुजुर्ग दंपती को मारी टक्कर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कैलाश कॉलोनी मेट्रो स्टेशन के पास रविवार को एक बेकाबू कार ने कई गाड़ियों को टक्कर मारने के बाद बुजुर्ग दंपती को टक्कर मार दी। हादसे में 71 साल की शशि की मौत हो गई। जबकि उनके पति घायल हो गए। पुलिस ने कार ड्राइवर तपन अहीर (59) को गिरफ्तार कर कार जब्त कर ली है। पुलिस के मुताबिक, रविवार देर शाम हादसे की सूचना PCR कॉल के जरिए ग्रेटर कैलाश-1 थाने को मिली। मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि ड्राइवर ने पहले कई गाड़ियों को टक्कर मारी। इसके बाद पैदल जा रहे दंपती को टक्कर मार दी। दोनों को तुरंत मूलचंद अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने शशि को मृत घोषित कर दिया। उनके पति कुलभूषण (65) को भी गंभीर चोट आई हैं। पुलिस अधिकारी के अनुसार शुरुआती जांच में पता चला है कि हादसे में महिंद्रा थार, एक ऑटो रिक्शा और एक साइकल रिक्शा क्षतिग्रस्त हुए हैं। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास से संबंधित साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी 1997 से इसी गाड़ी मालिक के यहां ड्राइवर है। शुरुआती जांच में पता चला है कि वह रविवार को कैलाश कॉलोनी मार्केट में अपने भाई को लेने जा रहा था, तभी यह हादसा हुआ। ड्राइवर का ब्लड सैंपल FSL भेजा है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि हादसे के समय उसने शराब पी रखी थी या नहीं। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। रविवार शामकुलभूषण पत्नी शशि के साथ हंसी-मजाक करते हुए डेंटिस्ट के पास गए थे। उन्हें क्या पता था कि घर पहुंचने से पहले ही वह पत्नी को हमेशा के लिए खो देंगे। कुलभूषण का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के मुताबिक, कुलभूषण को दांत में कैप लगवाना था। इसलिए वह पत्नी के साथ ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित डेंटल क्लिनिक गए थे। वापस घर लौटते समय यह हादसा हुआ। कुलभूषण और शशि की भांजी चारू ने बताया कि उनके मामा विक्रम विहार लाजपत नगर में रहते हैं। उनकी दो बेटियां हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। एक बेटी लाजपत नगर और दूसरी पंजाबी बाग में रहती है। दोनों के बच्चे हैं। चारू के मुताबिक, मामी राखी के त्योहार को लेकर काफी खुश थीं। वह अपने नाती के लिए त्योहार की खरीदारी भी कर रही थीं। पड़ोसियों के मुताबिक, शशि बेहद धार्मिक स्वभाव की थीं। वह अक्सर तीर्थ यात्राओं पर जाती थीं। एक परिचित ने बताया कि शशि CPWD से रिटायर्ड थी, जबकि कुलभूषण बैंक मैनेजर के पद से रिटायर हुए थे।

नाले में गिरे बेटे को चार दिन तक खोजता रहा पिता, मिला शव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। जसोला इलाके में खुले नाले में गिरे पंद्रह वर्षीय मिथुन का शव मंगलवार को चार दिन की तलाश के बाद बरामद कर लिया गया। मिथुन 22 अगस्त को पतंग उड़ाते समय नाले में गिर गया था। इसके बाद से अग्निशमन विभाग, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और गोताखोरों की मदद से लगातार तलाश अभियान चलाया जा रहा था। बेटे की तलाश में पिता अवधेश कुमार भी चार दिनों तक नाले के आसपास डटे रहे। सामने आए एक वीडियो में वह नाले में जमा कचरे को अपने हाथों से हटाकर बेटे को खोजते दिखाई दिए। इससे पहले वह डंडे की मदद से भी नाले में तलाश करते नजर आए थे। तेज बहाव और कचरे के कारण बचाव दलों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। यह नाला जसोला और शाहीन बाग से होकर गुजरता है और आगे आगरा नहर में मिलता है। नाला रिहायशी इलाके के बीच से गुजरने के बावजूद कई स्थानों पर खुला है। घटना के बाद खुले नाले की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। दिल्ली सरकार ने मामले में लापरवाही को लेकर कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मुख्य सचिव से नाले के अधिकार क्षेत्र की जानकारी मांगी और जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद दिल्ली नगर निगम ने एक कनिष्ठ अभियंता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया और विभागीय जांच शुरू कर दी। मिथुन का परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला है और दिल्ली में मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता है। बेटे की मौत से परिवार में मातम छा गया है। इस हादसे ने रिहायशी इलाकों में खुले नालों को सुरक्षित करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने की जरूरत को फिर सामने ला दिया है।

पालघर आश्रम स्कूल में 26 छात्र बीमार, पहली कक्षा के छात्र की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पालघर। मासवण स्थित आदिवासी विकास विभाग के आश्रम स्कूल में सात वर्षीय पहली कक्षा के छात्र श्रीयांश शैलेश आंबात की तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। श्रीयांश को 22 अगस्त को भी बुखार आया था और उपचार के बाद उसकी हालत में सुधार बताया गया था। 24 अगस्त को अचानक तबीयत बिगड़ने पर उसे मनोर ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मौत का कारण स्पष्ट नहीं है और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। इसी स्कूल के 26 अन्य छात्र सर्दी, खांसी और बुखार से पीड़ित हैं, जिन्हें मासवण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। अभिभावकों ने स्वास्थ्य सुविधाओं और ठंडे पानी से नहाने की व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। अधिकारी के अनुसार स्कूल में दोबारा स्वास्थ्य जांच कराई गई है। परिसर की सफाई और पानी के शुद्धिकरण के उपाय भी किए जा रहे हैं।

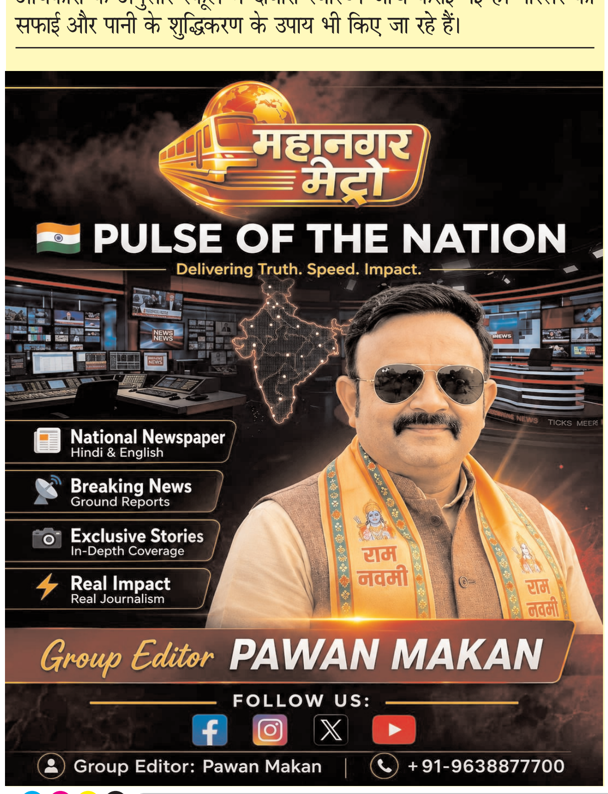

नितिन गडकरी राजनीति से लेने जा रहे संन्यास! नागपुर के इवेंट में 'अब ज्यादा काम नहीं कर सकता' बयान से चर्चा तेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। केंद्रीय कैबिनेट के विस्तार और मंत्रियों के विभागों में बदलाव की अटकलें तेज हैं। इसी बीच परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का एक बयान सामने आया है। वह लगातार इस तरह के बयान दे रहे हैं। वह सार्वजनिक सभाओं में खुलेआम ऐसे भाषण दे रहे हैं जिससे अटकलें लगाई जा रही हैं कि नितन गडकरी राजनीति से संन्यास ले सकते हैं। अब नागपुर के एक प्रोग्राम में भी उन्होंने इसी तरह की बात कही है। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में उनके रिटायरमेंट को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री गडकरी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कैबिनेट में एक वरिष्ठ मंत्री हैं और देश भर में एक्सप्रेसवे और सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर पर अपने काम के लिए चर्चा में रहे हैं। हालांकि, हाल के महीनों में गडकरी को कई मुद्दों पर आलोचना का भी सामना करना पड़ा है।

इथेनॉल को लेकर विवादों में नितिन गडकरी

नितिन गडकरी ने लगातार इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल की वकालत की है, जबकि कुछ उपभोक्ताओं का आरोप है कि इथेनॉल-मिश्रित ईंधन से गाड़ियों को नुकसान हो रहा है। विपक्ष ने भी इस मुद्दे पर मंत्री को घेरा है। उनके बेटे की इथेनॉल से संबंधित कंपनी है। विपक्ष का आरोप है कि बेटे की कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए नितिन गडकरी इथेनॉल की वकालत कर रहे हैं।

नई पीढ़ी को मौका देने की कही बात

नागपुर जिले के काटोल में एकलव्य एकल विद्यालय शिक्षक-पर्यवेक्षक प्रशिक्षण कक्षा में बोलते हुए नितिन गडकरी ने कहा, 'मैं पिछले 30 सालों से सार्वजनिक जीवन में लगातार काम कर रहा हूं। मैंने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं और कई पुरस्कार भी पाए हैं। लेकिन अब मैं ज्यादा काम नहीं कर सकता, नई पीढ़ी को काम करने का मौका दिया जाना चाहिए।' नई पीढ़ी को मौका देने के बारे में उनकी बातों से उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं; कुछ लोग इसे उनके राजनीति से संन्यास लेने का संकेत मान रहे हैं। हालांकि, गडकरी ने संन्यास के बारे में कोई औपचारिक घोषणा नहीं की है। नितिन गडकरी ने कोविड-19 महामारी के बाद अपनी रोजमर्रा की दिनचर्या और जीवनशैली में आए बदलावों के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि पहले, पार्टी का काम करते समय मैं समोसे खाता था और कहीं भी सो जाता था। लेकिन कोरोना काल के बाद, मैं अनुशासित हो गया हूं और अब रोजाना बिना चूके योग करता हूं।

छुट्टी से ठीक पहले भरभराकर गिरी दीवार, स्कूल में घुसा गंदा पानी, बाल-बाल बचे बच्चे, वीडियो वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में सोमवार को मौसम ने अचानक करवट ली. बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव और जाम की स्थिति देखने को मिली. इसी दौरान संगम विहार इलाके में स्थित हमदर्द पब्लिक स्कूल की एक दीवार बारिश के बीच गिर गई. दीवार गिरते ही स्कूल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. बताया जा रहा है कि यह घटना सोमवार दोपहर करीब 12.30 बजे से 1 बजे के बीच हुई. उस समय स्कूल की छुट्टी होने वाली थी. इसी दौरान स्कूल की दीवार अचानक गिर गई. दीवार गिरने के बाद आसपास का गंदा पानी स्कूल परिसर में भरने लगा. देखते ही देखते स्कूल में पानी जमा हो गया और वहां मौजूद बच्चों में घबराहट फैल गई. दीवार गिरने का वीडियो भी सामने आया है. वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इसमें स्कूल की दीवार गिरने के बाद परिसर में पानी जमा होता दिखाई दे रहा है. घटना के बाद स्कूल में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई. बच्चों और उनके माता-पिता में भी चिंता बढ़ गई. हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ. दीवार गिरने के दौरान कोई बच्चा या अन्य व्यक्ति उसकी चपेट में नहीं आया. इसी वजह से बच्चों के माता-पिता ने राहत की सांस ली. लेकिन दीवार गिरने के बाद स्कूल परिसर में गंदा पानी भरने से कुछ देर तक स्थिति परेशान करने वाली बनी रही. स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावक जैसे ही घटना की जानकारी मिली, वे अपने बच्चों को लेने के लिए स्कूल पहुंचने लगे. अभिभावक अतुल अग्रवाल ने बताया कि उनके दोनों बच्चे इसी स्कूल में पढ़ते हैं. उनकी बेटी नौवीं कक्षा में है, जबकि बेटा पांचवीं कक्षा में पढ़ता है. अतुल अग्रवाल के मुताबिक, उन्हें करीब 1 बजे सूचना मिली कि स्कूल की दीवार गिर गई है. जानकारी मिलते ही वह और उनकी पत्नी परेशान हो गए और बच्चों को लेने के लिए स्कूल की ओर दौड़े. स्कूल पहुंचने पर उन्होंने दीवार गिरने की घटना देखी. अतुल अग्रवाल ने बताया कि गनीमत रही कि दीवार गिरने से कोई हताहत नहीं हुआ. लेकिन दीवार गिरने के साथ ही स्कूल परिसर में पानी भरने लगा. कुछ ही देर में स्कूल के अंदर गंदा पानी जमा हो गया. इस वजह से बच्चों और अभिभावकों में बेचैनी का माहौल रहा. घटना के बाद कुछ समय तक स्कूल में बच्चों और अभिभावकों के बीच घबराहट दिखाई दी. अभिभावक अपने बच्चों को सुरक्षित घर ले जाने की कोशिश में जुटे रहे. कुछ देर बाद स्थिति सामान्य हुई और बच्चे अपने माता-पिता के साथ सकुशल घर के लिए निकल गए. सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो के बाद स्कूल की दीवार गिरने की घटना लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गई है. बारिश के दौरान दीवार गिरने और उसके बाद स्कूल परिसर में गंदा पानी भरने की तस्वीरें वीडियो में दिखाई दे रही हैं. यह घटना ऐसे समय हुई, जब सोमवार को दिल्ली में तेज बारिश देखने को मिली. बारिश के बाद राजधानी के कई इलाकों में जलभराव और जाम की समस्या सामने आई. लोगों को बारिश के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा. वहीं, बारिश के कारण दिल्ली के मौसम में बदलाव भी देखने को मिला. बारिश के बाद लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली और मौसम सुहाना हो गया. हालांकि संगम विहार में हमदर्द पब्लिक स्कूल की दीवार गिरने की घटना ने बच्चों और अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी. इस घटना में सबसे राहत की बात यही रही कि दीवार गिरने के दौरान कोई व्यक्ति उसकी चपेट में नहीं आया. स्कूल की छुट्टी के समय के आसपास हुई इस घटना के बाद बच्चों और उनके माता-पिता में कुछ देर के लिए पैनिक की स्थिति रही. बाद में सभी बच्चे अपने अभिभावकों के साथ सुरक्षित घर लौट गए.

इलाज को लेकर विवाद में चिकित्सक से मारपीट, सीसीटीवी में कैद हुई पूरी घटना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

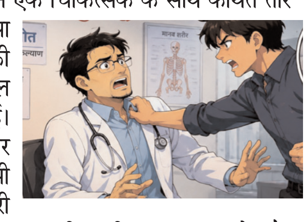

कल्याण। महाराष्ट्र के कल्याण स्थित भानुज्योत अस्पताल में मरीज के इलाज को लेकर हुए विवाद के दौरान एक चिकित्सक के साथ कथित तौर पर मारपीट का मामला सामने आया है। घटना 23 अगस्त की रात की बताई जा रही है। पूरी घटना अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। चिकित्सक की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार चिकित्सक योगेंद्र जायसवाल मरीज की हालत, दवाइयों और जरूरी सावधानियों के बारे में उसके परिजनों को जानकारी दे रहे थे। मरीज की पसली में चोट और हड्डी में फ्रैक्चर बताया गया था। इसी दौरान मरीज के बेटे विनीत ने चिकित्सक के बात करने के तरीके पर आपत्ति जताई। बातचीत धीरे-धीरे विवाद में बदल गई। बताया जा रहा है कि बहस के बाद मरीज का बेटा कुछ समय के लिए चिकित्सक के कक्ष से बाहर चला गया। इसके बाद वह दोबारा वापस आया और चिकित्सक के साथ कथित तौर पर मारपीट करने लगा। सीसीटीवी फुटेज में चिकित्सक के कक्ष के भीतर हुई पूरी घटना दिखाई दे रही है। घटना के बाद अस्पताल में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया। चिकित्सक ने घटना की शिकायत पुलिस से की, जिसके बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस के अनुसार आरोपी फिलहाल फरार है और उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और घटना से जुड़े अन्य साक्ष्यों की भी जांच कर रही है। कल्याण की इस घटना ने अस्पतालों में चिकित्सकों और चिकित्सा कर्मचारियों की सुरक्षा पर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। इससे पहले डोंबिवली के एक अस्पताल में भी चिकित्सक और परिचारिका के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया था। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं के बीच चिकित्सा समुदाय ने अस्पतालों में सुरक्षित माहौल और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

परिवार का विरोध और विवाद, पुणे पुलिस कॉन्स्टेबल लड़कियों ने रद्द की समलैंगिग शादी, अब सेक्स चेंज सर्जरी के बाद लेंगी फैसला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। दो महिला पुलिस कॉन्स्टेबलों के आपस में शादी करने की खबर ने भारत में समलैंगिक जोड़ों के रिश्तों से जुड़ी कानूनी और प्रशासनिक चुनौतियों की ओर फिर से ध्यान खींचा है। दोनों 30 अगस्त को शादी करने जा रही थीं। ये दोनों पुणे में पुलिस कॉन्स्टेबल के तौर पर काम कर रहीं हैं। दोनों के शादी करने की खबर फैली तो विवाद भी होने लगा जिसके बाद उन्होंने शादी स्थगित कर दी। अब दोनों महिलाएं अपने रिश्ते को कानूनी मान्यता दिलाने के विकल्पों पर विचार कर रही हैं। बताया जा रहा है कि उनमें से एक जेंडर-ट्रांज़िशन (लिंग परिवर्तन) का इलाज करवा रही है और सोच रही है कि क्या ट्रांज़िशन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शादी को कानूनी रूप से रजिस्टर किया जा सकता है? हालांकि भारत में बालिगों के बीच आपसी सहमति से बने समलैंगिक रिश्तों को अपराध नहीं माना जाता है, लेकिन समलैंगिक जोड़ों की शादी को अभी तक कानूनी मान्यता नहीं मिली है। यह मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने भी आया था, जिसने अक्टूबर 2023 के अपने फैसले में गैर-विषमलैंगिक जोड़ों के लिए शादी के कानूनी अधिकार को मान्यता देने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि ऐसी शादियों को मान्यता देने के लिए कानून बनाना संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है। इस कानूनी पृष्ठभूमि को देखते हुए, पुणे की दो पुलिसकर्मियों से जुड़ा यह मामला शादी के रजिस्ट्रेशन, जेंडर आइडेंटिटी और आधिकारिक मान्यता के लिए ज़रूरी कागज़ात से जुड़े सवाल खड़े कर सकता है। पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस में काम करने वाली एक और महिला पुलिसकर्मी ने जेंडर रीअसाइनमेंट सर्जरी (लिंग बदलने की सर्जरी) करवाई है और अपनी जेंडर आइडेंटिटी के हिसाब से अपने ऑफिशियल सर्विस रिकॉर्ड में बदलाव की मांग की है। मिली जानकारी के मुताबिक, उनकी रिक्वेस्ट पर अभी विचार किया जा रहा है। ऑफिशियल रिकॉर्ड में किसी भी बदलाव के लिए लागू सर्विस नियमों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की जांच-पड़ताल करनी होगी। खबरों के मुताबिक, परिवार वालों ने इस प्रस्तावित शादी का विरोध किया है और सीनियर पुलिस अधिकारियों से दखल देने की मांग की है। हालांकि, चूंकि यह मामला दोनों महिलाओं की निजी ज़िंदगी से जुड़ा है, इसलिए पुलिस प्रशासन शादी को रोकने से इनकार कर दिया था। अधिकारियों ने उनकी काउंसलिंग भी करवाई थी। दोनों महिलाओं ने अपनी-अपनी पुलिस ड्यूटी से छुट्टी के लिए औपचारिक रूप से एप्लीकेशन दी थी। विभाग में जिस बात ने सबका ध्यान खींचा, वह यह है कि उन्होंने छुट्टी की एप्लीकेशन के साथ अपनी शादी के निमंत्रण पत्र की एक कॉपी भी सौंपी थी, जिससे उनके रिश्ते और शादी की योजनाओं की जानकारी पुलिस फोर्स के ऑफिशियल रिकॉर्ड में आ गई। दो दिन पहले, 20-25 साल की उम्र की इन दोनों महिलाओं ने छुट्टी के लिए आवेदन करते समय शादी का वही निमंत्रण पत्र साथ लगाया था। एक महिला उत्तरी महाराष्ट्र से है और दूसरी पुणे जिले के बाहरी इलाके के एक गांव से है। वे तीन साल पहले पिंपरी-चिंचवड़ आईं और पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान उनकी मुलाक़ात हुई। उन्होंने परीक्षा पास की और ट्रेनिंग के बाद उन्हें एक ही पुलिस स्टेशन में तैनात किया गया, और तब से वे साथ रह रही हैं। पुलिस के अन्य कर्मचारियों ने बताया कि पुणे ज़िले के बाहरी इलाके की रहने वाली महिला का परिवार, जो इस रिश्ते का विरोध कर रहा था, दो दिन पहले 'शादी' की योजना के बारे में पता चलने पर पुलिस स्टेशन पहुंचा था। उन्होंने अपनी चिंताएं बताने के लिए कमिश्नरेट के सीनियर पुलिस अधिकारियों से भी संपर्क किया और अधिकारियों से शादी रोकने की मांग की, लेकिन उन्हें बताया गया कि पुलिस ऐसे मामले में दखल नहीं दे सकती।

कावड़ यात्रा के दौरान दर्दनाक हादसा, ट्रक ने 10 साल के बच्चे को कुचला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जलगांव। महाराष्ट्र के जलगांव में कावड़ यात्रा के दौरान तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से 10 वर्षीय प्रबल राजेश गवली की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा सोमवार शाम करीब साढ़े छह बजे ममुराबाद रोड पर हुआ। घटना के बाद गुस्साई भीड़ ने ट्रक में आग लगा दी और बच्चे का शव सड़क पर रखकर रास्ता जाम कर दिया। हादसे के बाद लोगों ने ट्रक चालक को पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट की। करीब दो घंटे तक इलाके में तनाव की स्थिति बनी रही। आग बुझाने पहुंची दमकल टीम को भीड़ के विरोध के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस अधीक्षक श्रीकांत धिवरे ने मृतक के परिजनों से बातचीत कर उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इसके बाद लोगों ने विरोध समाप्त किया और सड़क से जाम हटाया गया। पुलिस ने बच्चे के शव को सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय भेजकर शव परीक्षण कराया। प्रबल अपने माता-पिता और एक बहन के साथ रहता था। उसके पिता दूध का कारोबार करते हैं। हादसे से परिवार में मातम छा गया है। पुलिस दुर्घटना के साथ-साथ ट्रक में आग लगाने और तोड़फोड़ की घटना की भी जांच कर रही है।

दिल्ली में अपराध शाखा और बदमाश के बीच मुठभेड़, कई राउंड चली गोलियां

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में देर रात मयूर विहार से अक्षरधाम जाने वाले मार्ग पर अपराध शाखा की टीम और एक बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। दोनों तरफ से कई राउंड गोलियां चलीं। हालांकि इस दौरान किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया बदमाश मेरठ का रहने वाला बताया जा रहा है और उस पर हत्या सहित कई गंभीर आपराधिक मामलों में शामिल होने के आरोप हैं। पुलिस के अनुसार अपराध शाखा को सूचना मिली थी कि आपराधिक गतिविधियों में शामिल आरोपी दिल्ली के इलाके में आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मयूर विहार से अक्षरधाम जाने वाले मार्ग के पास निगरानी बढ़ाई और बदमाश को पकड़ने के लिए घेराबंदी की। जैसे ही संदिग्ध की गतिविधि दिखाई दी, पुलिस टीम ने उसे रोकने का प्रयास किया। पुलिस का कहना है कि घिरता देख आरोपी ने भागने की कोशिश की और इसी दौरान उसने पुलिस टीम की ओर गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिसकर्मियों ने भी गोलियां चलाईं। दोनों ओर से कई राउंड फायरिंग के बाद पुलिस ने आरोपी को काबू कर लिया। आरोपी को गोली नहीं लगी और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई। जांच में सामने आया है कि आरोपी पर पहले से कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी है। उस पर दिल्ली के छावला इलाके में गोलीबारी करने के साथ हत्या की वारदातों में शामिल होने के आरोप भी हैं। पुलिस अब उसके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड और उसके संपर्क में रहे लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। अपराध शाखा यह भी पता लगाने में जुटी है कि आरोपी दिल्ली में किस उद्देश्य से आया था और क्या वह किसी अन्य आपराधिक गिरोह से जुड़ा हुआ है। पुलिस उसके साथियों और संभावित नेटवर्क की जानकारी भी जुटा रही है। मुठभेड़ के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। पुलिस ने घटनास्थल से संबंधित साक्ष्य जुटाकर मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है।

राहुल के निशाने पर सिर्फ हिंदू महिलाएं क्यों, अल्पसंख्यक क्यों नहीं

केंद्रीय मंत्री रिजिजू का सवाल- समाज सुधार के नाम पर चुनिंदा रवैया क्यों?

नई दिल्ली, एजेंसी।
केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के 'पितृसत्ता तोड़ो' बयान को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। रिजिजू ने सवाल उठाया कि सामाजिक सुधार और महिलाओं के अधिकारों की बात करते समय कांग्रेस और राहुल गांधी का फोकस हिंदू परंपराओं पर ही क्यों रहता है। उन्होंने पूछा कि अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं की स्थिति और उनके अधिकारों को लेकर कांग्रेस क्यों नहीं बोलती।
केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस के सामाजिक सुधार के दृष्टिकोण को चुनिंदा बताया। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस वास्तव में महिलाओं के अधिकारों और समानता के लिए खड़ी है, तो उसे किसी एक समुदाय तक सीमित रहने के बजाय हर समुदाय की महिलाओं के मुद्दों पर आवाज उठानी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि महिलाओं

के अधिकारों और सम्मान का मुद्दा किसी धर्म या समुदाय तक सीमित नहीं है। उनका तर्क था कि समाज में मौजूद असमानताओं को दूर करने की कोशिश सभी वर्गों और समुदायों की महिलाओं के लिए समान रूप से होनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस से सवाल किया कि यदि सामाजिक रूढ़ियों और पितृसत्ता के खिलाफ लड़ाई की बात की जा रही है, तो अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं की समस्याओं को भी उसी गंभीरता से क्यों नहीं उठाया जाता।

बेटियों को कमतर आंककर समाज को न बांटें

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि महिलाओं को लेकर राजनीतिक बहस ऐसी नहीं होनी चाहिए, जिससे समाज में किसी समुदाय के प्रति अलग नजरिया पैदा हो। उन्होंने अपील की कि बेटियों को कमतर आंककर समाज को बांटने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस के सामाजिक सुधार के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि महिलाओं के सशक्तीकरण की वास्तविक लड़ाई तभी सार्थक होगी, जब इसमें धर्म, समुदाय और वर्ग के आधार पर कोई भेदभाव न हो। रिजिजू के बयान को राहुल गांधी और कांग्रेस की सामाजिक नीतियों पर भाजपा की राजनीतिक प्रतिक्रिया के तौर पर देखा जा रहा है।

शोपियां में 3 संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार, 2 हैंड ग्रेनेड बरामद

श्रीनगर,(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में आतंकियों और उनके सहयोगियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। शोपियां जिले में सोमवार रात की गई चेकिंग के दौरान सुरक्षाबलों ने तीन संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से दो हैंड ग्रेनेड और प्रतिबंधित आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन के पांच पोस्टर भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बरामद सामग्री को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कुलगाम निवासी जुनैद अहमद डार, आमिर यूसुफ और जुनैद मुजफ्फर के रूप में हुई है। सुरक्षाबलों ने नियमित जांच के दौरान संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर तीनों को रोका और तलाशी ली। इस दौरान उनके पास से हैंड ग्रेनेड और आतंकी संगठन से जुड़े पोस्टर बरामद हुए। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि तीनों का आतंकी नेटवर्क से किस तरह का संबंध था और बरामद सामग्री उन्हें कहां से मिली।

महिला भिखारी के घर में मिली नोटों और सिक्कों से भरी 23 बोरियां

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मांड्या में एक बुजुर्ग महिला भिखारी की मौत के बाद उसकी झोपड़ी में नोटों और सिक्कों से भरी बोरियां मिली हैं, जिन्हें देखकर सभी हैरान रह गए। करीब 70 साल की नूरुन्निसा मांड्या के गुट्टालु लेआउट इलाके में एक छोटी सी झोपड़ी में अकेली रहती थीं। वह शहर के लोगों से मिलने वाली भीख से अपना जीवनयापन करती थीं। रविवार को उनका निधन हो गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उनके निधन के बाद बेंगलुरु में रहने वाले उसके दो भाई अंतिम संस्कार करने यहां पहुंचे। रस्म पूरी होने के बाद उसके भाई पड़ोसियों के साथ उसके घर गए और उसका सामान देखा। उन्हें प्लास्टिक की बोरियों में 10-20 और 50 रुपए के नोटों की गड्डियां और बोरियों में सिक्के मिले। बाद में मिली हुई रकम को दोनों भाइयों के बीच बांट दिया गया। महिला के छोटे से घर में प्लास्टिक और बोरी के 30 से ज्यादा नोटों से भरे थैले और सिक्कों से भरी बोरिया मिलीं। जब स्थानीय लोगों और रिश्तेदारों ने कैश की गिनती की, तो कुल रकम 8.40 लाख रुपए से अधिक निकली। जीवनभर बेसहारा और तंगहाली में रहने वाली महिला ने इतने सालों में गुप्त रूप से यह बड़ी रकम जमा कर रखी थी। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ, जिसमें लोग फर्श पर नोटों के ढेर और सिक्कों की गिनती करते हुए दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नूरजहां बहुत सादा जीवन जीती थीं और कोई नहीं जानता था कि उन्होंने भीख में मिले पैसों को खर्च करने के बजाय इस तरह थैलों में छिपाकर बचा रखा था। फिलहाल यह रकम उनके रिश्तेदारों को सौंप दी गई है।

अरुणाचल में बाल तस्करी का भंडाफोड़, 19 बच्चे बचाए गए, तीन दलाल गिरफ्तार

नामसाई (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश में बाल तस्करी के बड़े गिरोह के खिलाफ कार्रवाई कर पुलिस ने 19 बच्चों को बचाया और मामले में तीन संदिग्ध बिचौलियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई नामसाई जिले की बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) की शिकायत के बाद की गई, इस पर 17 अगस्त को नामसाई थाने में मामला दर्ज हुआ था। पुलिस के अनुसार, बच्चों को शि-योमी, वेस्ट सियांग, ईस्ट सियांग, नाहरलागुन, ईटानगर और लोंगडिंग सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों से बरामद किया गया। मामले की संवेदनशीलता और कई जिलों से जुड़ाव को देखकर इसकी जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से उनके बच्चों को बेहतर शिक्षा और देखभाल उपलब्ध कराने के झूठे वादे कर संपर्क किया गया था। इसके बाद इन नाबालिगों को दूसरे स्थानों पर ले जाकर कथित तौर पर घरेलू काम या होटलों में काम कराया जाता था। नामसाई के पुलिस अधीक्षक सांगे थिनले ने बताया कि बचाए गए बच्चों में अधिकतर आठ वर्ष से कम उम्र के हैं, जिसमें सबसे छोटा बच्चा करीब तीन वर्ष का है। पुलिस ने कुछ बिचौलियों और माता-पिता के बीच प्रति बच्चे 10,000 रुपये से 50,000 रुपये तक के संदिग्ध वित्तीय लेनदेन का भी पता लगाया है। बच्चों के बयान मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज किए गए हैं। एसआईटी अब वित्तीय लेनदेन, डिजिटल साक्ष्यों और कॉल रिकॉर्ड का गहन विश्लेषण कर रही है ताकि इस पूरे गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा सके और उन्हें कानून के कटघरे में लाया जा सके।

पुरी मंदिर में नया दर्शन मॉडल : हर घंटे 8,000 श्रद्धालु कर सकते दर्शन

पुरी (एजेंसी)। श्रीजगन्नाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा और भीड़ प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए अगले तीन से चार महीनों के भीतर नई कतार-आधारित दर्शन व्यवस्था लागू होगी। ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रस्तावित व्यवस्था पर चर्चा के लिए भुवनेश्वर स्थित लोक सेवा भवन में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता उन्होंने स्वयं की। बैठक में पुरी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट के समाधान में 1712 मामलों का हुआ समाधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय का समाधान कार्यक्रम, जो एक विशेष लोक अदालत और मध्यस्थता पहल है, बेहद सफल रहा है। 21 से 23 अगस्त तक चले इस तीन दिवसीय आयोजन में कुल 1,712 लंबित मामलों का निपटारा किया गया। पक्षकारों की आपसी सहमति और समझौते के परिणामस्वरूप समाप्त हुए इन मामलों में 240.94 करोड़ रुपये की राशि वितरित की गई, जो इस कार्यक्रम की व्यापक सफलता को दर्शाती है। इस समाधान कार्यक्रम की शुरुआत इसी साल 21 अप्रैल को हुई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य लंबे समय से चले आ रहे विवादों को न्यायालय की लंबी और जटिल प्रक्रिया के बजाय मध्यस्थता और आपसी सहमति से सुलझाना था। इस विशेष लोक अदालत में मामलों को लाने से पहले, पक्षकारों और उनके वकीलों के साथ गहन बातचीत के माध्यम से समझौते की कोशिशें की गई थीं, ताकि त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में कुल 3,285 मामले सूचीबद्ध किए गए, जिनमें से पहले दिन 402, दूसरे दिन 350, और तीसरे दिन 912 मामलों का समाधान किया गया। इस प्रकार, लोक अदालत के माध्यम से कुल 1,664 मामले सुलझे, जबकि 48 मामलों का निपटारा मध्यस्थता के जरिए हुआ, जिससे कुल 1,712 विवादों का समाधान संभव हो सका। लोक अदालत की पीठों की अध्यक्षता भारत के मुख्य न्यायाधीश, उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीशों और वरिष्ठ वकीलों ने की। इनमें मुख्य रूप से वैवाहिक विवाद, संपत्ति विवाद, सड़क हादसों से जुड़े मुआवजे के मामले, जमीन अधिग्रहण और मुआवजा, कर, सेवा और श्रम संबंधी मामले शामिल थे। इस संस्थागत पहल को सफल बनाने के लिए न्यायाधीशों ने शनिवार और रविवार को भी काम किया। इस पहल से न केवल लोगों के पैसे और समय की बचत हुई, बल्कि न्यायालय का बहुमूल्य समय भी उन मामलों के लिए बचाया जा सका जिनकी सुनवाई अनिवार्य है।

कंगना और अभिजीत के बीच अंग्रेजी पर छिड़ी जंग

नई दिल्ली, एजेंसी।

अपने बेबाक बयानों के लिए अक्सर सुर्खियों में रहने वाली अभिनेत्री और अब सांसद कंगना रनौत ने एक बार फिर एक नए विवाद को जन्म दिया है। इस बार उन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके के साथ अपनी अंग्रेजी बोलने की शैली की तुलना की है, जिससे सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई है। कंगना ने एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी एक स्टोरी साझा की, जिसमें उन्होंने दीपके के अंग्रेजी में दिए गए एक बयान की रील के साथ अपना कुछ साल पुराना अंग्रेजी का भाषण भी दिखाया। उनके पुराने भाषण में कंगना फिल्म उद्योग में एक महिला कलाकार के रूप में अपनी छवि पर बात करती नजर आती हैं। साझा की गई रील में उन्होंने लिखा, 12वीं पास कंगना रनौत बनाम बोस्टन यूनिवर्सिटी के सीजेपी के दीपके का अंग्रेजी स्तर। एक शानदार है तो वहीं दूसरे को रोबूट की जरूरत है।
यह गौरतलब है कि कंगना पहले भी अपनी अंग्रेजी को लेकर फिल्म उद्योग में संघर्ष कर चुकी हैं, जहां उन्हें अपनी भाषा के लिए उपहास का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद उन्होंने बाहरी लोगों का इस आधार पर मजाक न बनाने की सीख पर जोर दिया था। सीजेपी नेता दीपके ने इस तुलना के बाद अपनी एक सोशल मीडिया स्टोरी में एक प्रशंसक के सवाल का जवाब दिया। उनसे पूछा गया था कि वह अंग्रेजी बोलते समय क्यों झिझकते हैं, जिस पर अभिजीत ने कहा कि कैमरे के सामने उन्हें अक्सर संकोच होता है। इसके अगले दिन, उन्होंने सभी राज्यों के शिक्षा मंत्रियों को पत्र लिखकर सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे, शिक्षकों की रिक्तियों और धन से संबंधित डेटा की मांग की। यह पहली बार नहीं है जब सांसद कंगना का सीजेपी नेताओं के साथ सार्वजनिक विवाद हुआ है।

चोर दरवाजे से जारी है आरक्षण खत्म करने की साजिश

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा- सरकार साजिशन सरकारी पदों को खाली रख रही

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र सरकार पर अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के आरक्षण को खत्म करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार सरकारी पदों को खाली रखकर और स्थायी नौकरियों की जगह कॉन्ट्रैक्ट पर भर्ती को बढ़ावा देकर आरक्षण के संवैधानिक अधिकारों को कमजोर कर रही है। खड़गे ने कहा कि भाजपा की नीति का पर्दाफाश हो चुका है और यह संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा दिए गए सामाजिक न्याय के अधिकारों के खिलाफ है।
कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए दावा किया, कि केंद्र सरकार में खाली पदों की संख्या लगातार बढ़ी है। उनके मुताबिक, वर्ष 2015 में केंद्र सरकार में करीब 4.21 लाख पद खाली थे, जो 2024 तक बढ़कर 8.24 लाख हो गए। उन्होंने कहा

कि बड़ी संख्या में पद खाली रहने का सीधा असर उन वर्गों पर पड़ता है, जिन्हें सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ मिलता है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने विभागवार आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि रेलवे में करीब 2.40 लाख, रक्षा विभाग में 2.41 लाख और गृह मंत्रालय में 1.10 लाख पद खाली हैं। उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) में स्थायी रोजगार घटने और कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों की संख्या बढ़ने का भी आरोप लगाया।

पीएसयू में 5 लाख से ज्यादा स्थायी नौकरियां खत्म

खड़गे के अनुसार, पीएसयू में करीब 5.1 लाख स्थायी नौकरियां खत्म हुई हैं, जबकि कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले कर्मचारियों की हिस्सेदारी 19 प्रतिशत से बढ़कर 49 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा कि स्थायी पदों पर आरक्षण का प्रावधान लागू होता है, लेकिन कॉन्ट्रैक्ट आधारित रोजगार बढ़ने से आरक्षण का दायरा स्वाभाविक रूप से सीमित होता जाता है।

मामला सिर्फ रोजगार का नहीं

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि यह मुद्दा केवल रोजगार उपलब्ध कराने का नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय से जुड़ा है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि सरकारी पद खाली रखे जाएंगे तो आरक्षित वर्गों के लिए उपलब्ध अवसर भी कम होते जाएंगे। इसी तरह, पीएसयू के निजीकरण से आरक्षित सरकारी नौकरियों की संख्या घट सकती है और स्थायी पदों को कॉन्ट्रैक्ट में बदलने से आरक्षण का लाभ प्रभावित होगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि आरक्षण खत्म करने के लिए संविधान में सीधे संशोधन की जरूरत नहीं है। उनके मुताबिक, आरक्षण वाले स्थायी पदों को ही कम या खत्म कर देना इसके लिए पर्याप्त है। उन्होंने इसे सामाजिक न्याय और संविधान की मूल भावना के खिलाफ भाजपा का एजेंडा करार दिया।

टीएमसी विधायक ने की वापसी कहा- दीदी ही सब कुछ

कोलकाता, एजेंसी।
पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के बाद तृणमूल कांग्रेस के भीतर मची कलह के बीच अब ममता बनर्जी से बागी हुए विधायक वापस पार्टी में लौटने लगे हैं। उत्तर 24 परगना जिले की आमडांगा विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस के विधायक कासेम सिद्दीकी ने बागी गुट को छोड़कर पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खेमे में वापस लौटने की घोषणा की है। पार्टी में घर वापसी के बाद उन्होंने भावनात्मक रूप से कहा है कि दीदी ही सब कुछ हैं। गौरतलब है कि इससे पहले, पार्टी के 50 से अधिक विधायक ममता बनर्जी से बागी होकर विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी की अगुवाई वाले गुट में शामिल हो गए थे, और उन्होंने ममता बनर्जी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। अब यह मुस्लिम विधायक ने ममता बनर्जी की जमकर प्रशंसा की है।
ममता बनर्जी के प्रति अपनी वफादारी का दावा करते हुए, कासेम सिद्दीकी ने बागी गुट को छोड़ने के पीछे की वजह भी स्पष्ट की। सिद्दीकी ने एक बयान में कहा कि उनके साथ धोखा हुआ था। उन्होंने बताया कि उन्हें यह कहकर दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए गए थे कि ये हस्ताक्षर दीदी तक पहुंचाए जाएंगे और बागी गुट भी ममता बनर्जी के नेतृत्व में ही काम करेगा। सिद्दीकी ने आगे बताया कि जब वे उस गुट के साथ जुड़े, तो उन्होंने पाया कि उसके कामकाज में तृणमूल

कांग्रेस सुप्रीमो का कोई नाम या जिक्र ही नहीं था। उन्होंने भावुक होते हुए कहा, दीदी ही हमारे लिए सब कुछ हैं। उन्होंने ही हमें टिकट दिया और विधानसभा भेजा। हमने उनकी तस्वीर दिखाकर लोगों से वोट मांगे और लोगों ने भी उन्हें देखकर ही हमें चुना। हम जब तक राजनीति में हैं, दीदी के साथ ही रहेंगे।
यह उल्लेखनीय है कि हुगली जिले के फुरफुरा शरीफ दरगाह से संबंध रखने वाले पीरजादा कासेम सिद्दीकी की मुस्लिम समुदाय के बीच काफी मजबूत पकड़ मानी जाती है। वे पिछले साल ही तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए थे। पार्टी ने उन्हें राज्य का महासचिव बनाया था और विधानसभा चुनाव में आमडांगा सीट से टिकट दिया था, जिस पर उन्होंने जीत हासिल की थी। उनकी वापसी पार्टी के लिए एक सकारात्मक संकेत मानी जा रही है। इधर, तृणमूल कांग्रेस में आंतरिक कलह अभी भी जारी है। पार्टी के दोनों गुटों ने 28 अगस्त को मेयो रोड पर गांधी प्रतिमा के पास तृणमूल छात्र परिषद का स्थापना दिवस मनाने की अनुमति के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले कालीघाट गुट ने हाल ही में कोर्ट में अर्जी दाखिल कर पारंपरिक जगह पर कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति के लिए तत्काल सुनवाई की मांग की। अदालत ने जल्द सुनवाई की याचिका को स्वीकार कर लिया है।

17वीं बार जेल से बाहर आया रेप का दोषी, गुरमीत राम रहीम को 21 दिन की फरलो

रोहतक, एजेंसी।
डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह एक बार फिर हरियाणा के रोहतक स्थित हाई सिक्योरिटी सुनारिया जेल से 21 दिन की फरलो पर बाहर आ गया है। वर्ष 2020 के बाद से डेरा प्रमुख की यह 17वीं अस्थायी रिहाई है। मंगलवार सुबह करीब 6:05 बजे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जेल से बाहर निकलने के बाद वह सिरसा स्थित डेरा मुख्यालय के लिए रवाना हो गया। राम रहीम दो महिला अनुयायियों से बलात्कार और अन्य गंभीर मामलों में सजा काट रहा है। इससे पहले वह 26 जून को 30 दिन की पैरोल पूरी करने के बाद सुनारिया जेल लौटा था। यानी करीब दो महीने से भी कम समय बाद उसे एक बार फिर अस्थायी रिहाई मिली है।
डेरा प्रमुख को अगस्त 2017 में दो महिला अनुयायियों से दुष्कर्म के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद सुनारिया जेल भेजा गया था। इसके बाद उसे अन्य मामलों में भी दोषी

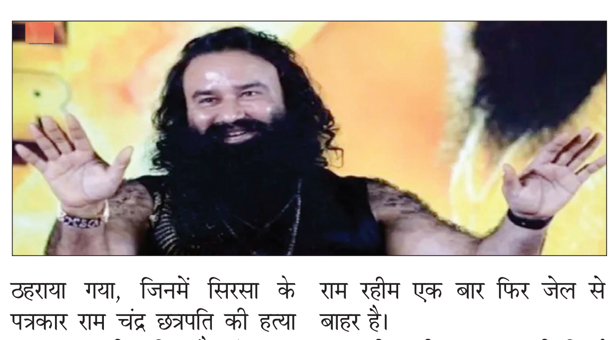

ठहराया गया, जिनमें सिरसा के पत्रकार राम चंद्र छत्रपति की हत्या का मामला भी शामिल है। मंगलवार की इस रिहाई के साथ राम रहीम को जेल में रहने के दौरान अब तक 17 बार पैरोल या फरलो मिल चुकी है। गंभीर आपराधिक मामलों में सजा काट रहे राम रहीम को बार-बार अस्थायी रिहाई मिलने को लेकर अक्सर सवाल और सार्वजनिक आलोचनाएं होती रही हैं। इस साल जनवरी में राम रहीम को 40 दिन की पैरोल मिली थी। इसके बाद मई में उसे 30 दिन की पैरोल पर रिहा किया गया था। यह अवधि पूरी होने के बाद वह 26 जून को रोहतक की सुनारिया जेल लौट आया था। अब 21 दिन की फरलो मिलने के बाद राम रहीम एक बार फिर जेल से बाहर है।
राम रहीम की यह अस्थायी रिहाई हरियाणा गुड कंडक्ट प्रिजनर्स (टेम्परेरी रिलीज) एक्ट, 2022 के प्रावधानों के तहत हुई है। इस नियम के अनुसार पात्र कैदियों को एक कैलेंडर वर्ष में अधिकतम 70 दिन की पैरोल और 21 दिन की फरलो दिए जाने का प्रावधान है। हालांकि, यह रिहाई पूरी तरह से संबंधित कानूनी शर्तों और सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी पर निर्भर करती है। बार-बार मिलने वाली इन रिहाइयों ने न्याय प्रणाली और जेल नियमों के क्रियान्वयन पर कई बार गंभीर सवाल खड़े किए हैं, जिस पर समाज में निरंतर चर्चा होती रही है।

पिछले 8 सालों में भारत में स्कूलों की संख्या घटी, 11 करोड़ बच्चे हुए बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी।
कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने हाल ही में 'स्कूल ठीक करो' अभियान शुरू किया है। इस अभियान के जरिए ग्रामीण इलाकों के सरकारी स्कूलों में खराब बुनियादी ढांचे, शिक्षकों और सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दों को उठाया। अभियान में सरकारी स्कूलों की घटती संख्या, छात्रों के नामांकन में गिरावट और निजी स्कूलों पर बढ़ती निर्भरता को उजागर किया गया है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले 8 सालों में भारत में स्कूलों की संख्या में कमी आई है। इसी दौरान छात्रों के नामांकन में भी गिरावट आई, हालांकि छात्र-शिक्षक अनुपात में सुधार हुआ है। देश में 2018-19 में स्कूलों की कुल संख्या 15.5 लाख थी, जो 2025-26 में घटकर 14.6 लाख रह गई। छात्रों के नामांकन में भी कमी आई है। छात्रों का नामांकन 2018-19 में 26 करोड़ से घटकर 2025-26 में यह 24.7 करोड़ रह गया है।
वहीं, छात्र-शिक्षक अनुपात 2018-19 में 27 छात्रों पर एक शिक्षक से सुधरकर 2025-26 में 24 छात्रों पर एक शिक्षक हो गया है। यह सुधार मुख्य रूप से छात्रों की संख्या घटने की वजह से हुआ है, न कि शिक्षकों की संख्या बढ़ने के कारण। 2025-26 में करीब 31 फीसदी पात्र बच्चों का स्कूलों में नामांकन नहीं था यानी 3 से 17 साल की आयु के करीब 11.1 करोड़ बच्चे स्कूल शिक्षा से बाहर थे। यह स्थिति पिछले 8 सालों से बनी हुई है। अधिकांश सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। करीब 99 फीसदी सरकारी स्कूलों में पीने के पानी की सुविधा, 94 फीसदी में बिजली और 96 फीसदी में शौचालय उपलब्ध हैं। हालांकि, डिजिटल सुविधाओं के मामले में स्थिति अभी कमजोर है। केवल 25 फीसदी स्कूलों में कंप्यूटर, 16 फीसदी में प्रोजेक्टर और 6 फीसदी स्कूलों में डिजिटल लाइब्रेरी है। सरकारी स्कूलों की संख्या में आई गिरावट के साथ शिक्षा बजट में भी कमी आई है। कुल केंद्रीय बजट में स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2010 में 1.9 फीसदी थी, जो घटकर वित्त 2026 में 1.4 फीसदी रह गई है।

सोने-चांदी की कीमतें धड़ाम, चांदी 1600 रुपए फिसली

सोना 1.62 लाख और चांदी 2.42 लाख प्रति किलोग्राम

नई दिल् ली।
सोने और चांदी की कीमतों में मंगलवार को घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजारों दोनों जगह तेज गिरावट दर्ज की गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना 299 रुपये टूटकर 1,62,930 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जबकि चांदी 1,607 रुपये फिसलकर 2,42,613 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। निवेशक अब अमेरिकी महंगाई के आंकड़ों और फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष के आगामी भाषण का इंतजार कर रहे हैं, जो कीमतों पर असर डालेगा। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भी सोना 0.20 फीसदी गिरकर ,4687 प्रति औंस पर और चांदी 0.96 फीसदी फिसलकर 67.905 डालर प्रति औंस पर पहुंच गई। कल जारी होने वाला अमेरिकी पर्सनल कंजम्पशन एक्सपेंडिचर डेटा और फेड के अध्यक्ष का भाषण ब्याज दरों की दिशा और भविष्य की मौद्रिक नीति पर महत्वपूर्ण संकेत दे सकता है, जिससे बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। घरेलू स्तर पर दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव 16,390 रुपये प्रति ग्राम और 22 कैरेट सोना 15,025 रुपये प्रति ग्राम पर रहा। वहीं, कोलकाता में चांदी 2.60 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर दर्ज की गई। रिपोर्ट के मुताबिक सोना 4,600 डॉलर प्रति औंस से ऊपर टिक पाएगा या नहीं, यह काफी हद तक अमेरिकी डॉलर के कमजोर रहने और ट्रेजरी यील्ड के स्थिर या और गिरने पर निर्भर करेगा। पिछले हफ्ते अमेरिकी ट्रेजरी के बॉन्ड बैक प्लान से डॉलर कमजोर होने के बाद सोने में 5 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई थी।

अमेरिकी राजदूत ने व्यापार बढ़ाने के लिए हैदराबाद में की उच्चस्तरीय बैठक

हैदराबाद में गोलमेज चर्चा- रक्षा, सेमीकंडक्टर और फार्मा क्षेत्रों के नेता शामिल

हैदराबाद ।
भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और अमेरिकी महावाणिज्य दूत लॉरा विलियम्स ने सोमवार को यहां भारतीय उद्योग जगत के प्रमुख नेताओं के साथ एक गोलमेज बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार को गति देना, उच्च प्रौद्योगिकी आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित बनाना और भारत-अमेरिका के कारोबारी संबंधों का विस्तार करना था। हैदराबाद स्थित अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अमेरिका की स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित रात्रिभोज के साथ हुई इस बैठक में रक्षा विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, दवा और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के शीर्ष अधिकारियों ने भाग लिया। इसका लक्ष्य रणनीतिक द्विपक्षीय नीतियों को दक्षिण भारत में वास्तविक कारोबारी निवेश में बदलना था। राजदूत गोर ने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका और भारत लंबे समय से रणनीतिक सहयोगी रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की बैठकें दिखाती हैं कि भारत-अमेरिका साझेदारी केवल रणनीतिक तालमेल से आगे बढ़कर रक्षा, प्रौद्योगिकी, जीवन विज्ञान और अंतरिक्ष सहित कई क्षेत्रों में सहयोग का ठोस ढांचा बन चुकी है। उन्होंने उद्योगपतियों द्वारा इन साझेदारियों को आगे बढ़ाने में निभाई गई भूमिका की सराहना की। राजदूत गोर ने तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा के कारोबारियों से निवेश, आपूर्ति श्रृंखला साझेदारी और बाजार तक पहुंच के लिए ट्रस्ट पहल, पैक्स सिलिका, अमेरिका-भारत कॉम्पैक्ट और अमेरिका-भारत रणनीतिक खनिज पुनर्प्राप्ति पहल जैसे नीतिगत ढांचों का लाभ उठाने का आग्रह किया।

इंपोर्टेड कच्ची चीनी 60 दिन में बेचनी होगी: सरकार

नई दिल्ली । चीनी की बढ़ती कीमतों पर लगाम कसने के लिए केंद्र सरकार ने कड़े नियम लागू किए हैं। अब टैरिफ रेट कोटा के तहत विदेश से आने वाली कच्ची चीनी को देश में आने के 60 दिनों के भीतर रिफाइन कर घरेलू बाजार में बेचना अनिवार्य होगा। सरकार का यह कदम जमाखोरी रोकने और बाजार में चीनी की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 287, निफ्टी 116 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।
भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दूनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 286.98 अंकों की तेजी के साथ ही 77,656.09 पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 116 अंक उछलकर 24,335.55 पर बंद हुआ।

आज फार्मा और पीएसयू बैंकों के शेयरों में तेजी के चलते बाजार बढ़त लेकर बंद हुआ। वहीं व्यापक बाजार में मिश्रित कारोबार देखने को मिला। निफ्टी मिडकैप में 0.54 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी फार्मा और निफ्टी पीएसयू बैंक ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी मेटल का प्रदर्शन खराब रहा।

निफ्टी इंडेक्स में अदाणी एंटरप्राइजेज, मैक्स हेल्थकेयर, अपोलो हॉस्पिटल्स, इंडिगो, अदाणी पोर्ट्स, श्रीराम फाइनेंस, इंफोसिस के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली, जबकि एचडीएफसी लाइफ, सिप्ला और ओएनजीसी सबसे ज्यादा खराब प्रदर्शन करने वाले शेयरों में शामिल रहे। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई।

मराठवाड़ा में बारिश की कमी से कृषि रकबे में बड़ी गिरावट

कृषि विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 3.5 लाख हेक्टेयर घटा बुवाई क्षेत्र

छत्रपति संभाजीनगर ।
महाराष्ट्र के मराठवाड़ा में सामान्य से कम बारिश ने कृषि बुवाई को बुरी तरह प्रभावित किया है। कृषि विभाग के आंकड़ों के मुताबिक क्षेत्र में बुवाई का रकबा करीब 3.5 लाख हेक्टेयर घट गया है, जिससे किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। इस साल मराठवाड़ा क्षेत्र में सामान्य से 20.3 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। छत्रपति संभाजीनगर, जालना, बीड, परभणी, नांदेड़, हिंगोली, धाराशिव और लातूर जैसे आठ जिलों वाले इस क्षेत्र में अपेक्षित 586.1 मिलीमीटर के मुकाबले केवल 479.1 मिलीमीटर बारिश हुई है। कम वर्षा के चलते बुवाई का कुल रकबा 46.19 लाख हेक्टेयर रहा, जो पिछले पांच वर्ष के औसत 49.72 लाख हेक्टेयर से सात प्रतिशत और पिछले साल की तुलना में दो लाख हेक्टेयर कम है। इस कमी का सीधा असर प्रमुख फसलों पर पड़ा है। कपास का रकबा 2.65 लाख हेक्टेयर घटकर 12.14 लाख हेक्टेयर रह गया। गन्ने का रकबा भी पांच साल के औसत 3.24 लाख हेक्टेयर से भारी गिरावट के साथ मात्र 43,821 हेक्टेयर पर आ गया है। हालांकि, किसानों ने विपरीत परिस्थितियों में सोयाबीन, मक्का और सूरजमुखी जैसी फसलों पर ध्यान केंद्रित किया।

फेडएक्स दिल्ली में लगाएगा 15 करोड़ डॉलर का एयर कार्गो हब

2.3 लाख वर्ग फुट में फैले इस केंद्र से उत्तर-पूर्वी भारत की कनेक्टिविटी मजबूत होगी

नई दिल्ली।
प्रमुख लॉजिस्टिक्स कंपनी फेडएक्स दिल्ली हवाई अड्डे पर 15 करोड़ डॉलर (लगभग 1,400 करोड़ रुपये) का भारी निवेश कर एक अत्याधुनिक हवाई मालवाहन केंद्र विकसित करेगी। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने हाल ही में इसकी आधारशिला रखी, जिसका लक्ष्य भारत को वैश्विक हवाई मालवाहक परिवहन की रीढ़ बनाना है।

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) स्थित जीएमआर कार्गो सिटी में 2,30,000 वर्ग फुट में फैला यह एकीकृत केंद्र उत्तर और पूर्वी भारत के बीच संपर्क को मजबूत करेगा, जिससे व्यवसायी वैश्विक बाजारों से जुड़ पाएंगे। फेडएक्स के अनुसार, यह केंद्र चालू होने पर इसकी पैकेज हैंडलिंग क्षमता 600 से बढ़कर 5,000 पैकेज प्रति घंटे हो जाएगी, जिसे भविष्य में और बढ़ाया जा सकेगा। मंत्री नायडू ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि भारत को हवाई मालवाहक परिवहन का केंद्र बनना चाहिए।

नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने भी हवाई मालवाहक परिवहन की बाधाओं को दूर करने के प्रयासों पर जोर दिया। जीएमआर कार्गो सिटी को चरणबद्ध तरीके से विकसित किया जाएगा और निर्माण कार्य जल्द शुरू होने की उम्मीद है, जो भारत के लॉजिस्टिक्स परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

प्याज की महंगाई पर लगाम, केंद्र सरकार ने चलाया कांदा एक्सप्रेस अभियान

नासिक से विशेष रेलवे रैक के जरिए भारी स्टॉक रवाना, बड़े खपत केंद्रों पर 35 रुपए प्रति किलो में मिलेगा प्याज

नई दिल्ली ।
देशभर में प्याज की लगातार बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने कमर कस ली है। महाराष्ट्र के नासिक से कांदा एक्सप्रेस नाम की विशेष रेलवे रैक के माध्यम से प्याज का भारी स्टॉक प्रमुख खपत वाले केंद्रों तक पहुंचाना शुरू कर दिया गया है। उपभोक्ता मामलों के एक अ धिकारी ने बताया कि यह खेप बुधवार तक चिह्नित शहरों में पहुंचने की उम्मीद है, जिससे उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 24 अगस्त को प्याज की अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत सालाना आधार पर 59 फीसदी बढ़कर 43.53 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई थी, जबकि थोक कीमतों में 68 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। प्रमुख शहरों में, दिल्ली में प्याज 55 और चेन्नई में 60 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया था, जो एक साल पहले की तुलना में काफी अधिक था। शुरुआती चरण में यह आपूर्ति चेन्नई, मदुरै, दिल्ली, एर्नाकुलम और गुवाहाटी जैसे पांच बड़े खपत केंद्रों पर केंद्रित होगी। इन शहरों में एनसीसीएफ और नाफेड जैसी सरकारी एजेंसियां 35 रुपए प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर प्याज उपलब्ध कराएंगी। अ धिकारी ने संकेत दिया कि नासिक में मंडी की कीमतें दिल्ली से अधिक हैं, जो संभावित गुटबाजी और सट्टेबाजी की ओर इशारा करती है। सरकार के पास 1.21 लाख टन का पर्याप्त बफर स्टॉक मौजूद है, जिसे मूल्य

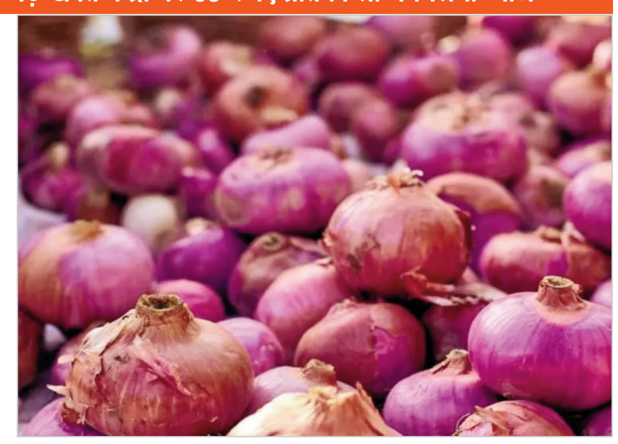

स्थिरीकरण कोष के तहत रखा जाता है।

यह कदम त्योहारी मांग, मौसमी बाधाओं और आपूर्ति-श्रृंखला की चुनौतियों के कारण अगस्त-सितंबर में आमतौर पर होने वाली कीमतों में वृद्धि से निपटने के लिए उठाया गया है।

कांदा एक्सप्रेस पहल, जो पहले भी सफलतापूर्वक बड़े पैमाने पर प्याज के स्टॉक को वितरित कर चुकी है, इस वर्ष भी कीमतों को स्थिर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जापान के साथ बढ़ता व्यापार घाटा चिंताजनक: फिक्की अध्यक्ष

गोयनका ने जापानी बाजार में भारतीय निर्यातकों के लिए पहुंच बढ़ाने की मांग की

नई दिल्ली ।
उद्योग मंडल फिक्की के अध्यक्ष अनंत गोयनका ने जापान के साथ भारत के बढ़ते व्यापार घाटे पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने भारतीय निर्यातकों के लिए जापानी बाजार तक पहुंच को आसान बनाने और देश में भारतीय प्रमाणपत्रों को अधिक मान्यता दिए जाने की पुरजोर वकालत की। गोयनका ने कहा कि मौजूदा कड़े प्रमाणन और नियामकीय मानदंड भारतीय कंपनियों, खासकर दवा क्षेत्र के लिए बड़ी बाधाएं हैं। फिक्की अध्यक्ष अनंत गोयनका के अनुसार, जापान के साथ भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है, जो 2025-26 में रिकॉर्ड 15.4 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जबकि 2024-25 में यह 12.66 अरब डॉलर था।उन्होंने इस एकतरफा व्यापार वृद्धि पर चिंता जताते हुए कहा कि भारतीय निर्यातकों को जापानी बाजार में प्रवेश करने में लगातार दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गोयनका ने विशेष रूप से भारतीय प्रमाणपत्रों को जापान में मान्यता न मिलने और कड़े नियामकीय मानदंडों को प्रमुख बाधा बताया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारतीय दवा कंपनियां तो जापान में अपने उत्पादों का पंजीकरण तक नहीं करा पा रही हैं। गोयनका ने जापानी बाजार में उत्पादों की खरीद के लिए सांस्कृतिक पक्षपात का भी उल्लेख किया, जिससे भारतीय कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि इन बाधाओं को दूर करना द्विपक्षीय व्यापार को संतुलित करने और भारतीय कंपनियों को अवसर तलाशने में मदद करने के लिए महत्वपूर्ण होगा। हालांकि, गोयनका ने उच्च प्रौद्योगिकी विनिर्माण, कृत्रिम मेधा, डेटा केंद्र, जहाज निर्माण, महत्वपूर्ण खनिज, इस्पात और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में भारत और जापान के बीच सहयोग की व्यापक संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 30 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.40 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस ये 95.70 पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले चार पैसे टूटकर 95.74 पर आ गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और आयातकों की ओर से डॉलर की बढ़ती मांग के कारण घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि सरकारी बैंकों के जरिये भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लगातार हस्तक्षेप से रुपये की गिरावट को अधिक बढ़ने से रोकने में मदद मिली। इससे एशियाई शेयर बाजारों में कमजोरी और ईरान को लेकर फिर बढ़ी भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बावजूद रुपया सीमित दायरे में रहा। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.74 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट है।

टीसीएस ने जर्मनी की लग्जरी कार निर्माता पॉर्श के साथ की साझेदारी

टीसीएस का शेयर फिसला, ब्रोकरेज ने दिया 2,600 रुपए का टारगेट

मुंबई ।
भारतीय आईटी दिग्गज टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने जर्मनी की लग्जरी कार निर्माता पॉर्श के साथ एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस डील के तहत टीसीएस पॉर्श के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर पांच साल तक काम करेगी और साथ ही पॉर्श की आईटी व कंसल्टिंग कंपनी एमएचपी का भी अधिग्रहण करेगी। हालांकि घोषणा के बावजूद मंगलवार को शुरुआती कारोबार में कंपनी के शेयर में हल्की गिरावट दर्ज की गई। टीसीएस और पॉर्श के बीच यह साझेदारी पांच साल के लिए हुई है, जिसकी कुल वैल्यू 1.25 अरब यूरो (करीब 11,000 करोड़ रुपये) है। इस समझौते के तहत टीसीएस पॉर्श के कारोबार में एआई के इस्तेमाल को बढ़ावा देगी। इसमें गाड़ियों की इंजीनियरिंग और मैन्युफैक्चरिंग से लेकर कंपनी के दैनिक कामकाज और ग्राहक अनुभव तक सभी पहलुओं पर ध्यान दिया जाएगा। टीसीएस इसके लिए एक विशेष एआई मोबिलिटी सेंटर भी स्थापित करेगी, जो ऑटो सेक्टर में एआई और नई तकनीकों के विकास पर केंद्रित होगा। डील का दूसरा महत्वपूर्ण हिस्सा पॉर्श की आईटी और कंसल्टिंग कंपनी का अधिग्रहण है, जिसे टीसीएस 32 करोड़ यूरो (लगभग 2,800 करोड़ रुपये) में खरीदेगी। अधिग्रहण के बाद एमएचपी पर टीसीएस का 100 फीसदी मालिकाना हक होगा, जिसमें उसकी रोमानिया, ब्रिटेन, अमेरिका, भारत और मैक्सिको में मौजूद सहायक कंपनियां भी शामिल हैं। आवश्यक मंजूरियां मिलने के बाद यह सौदा तीन से चार महीने में पूरा होने की उम्मीद है।

हॉर्मुज में फिर हमला! कच्चा तेल चढ़ा, ब्रेंट 91 डॉलर के पार

पश्चिम एशिया में तनाव से आपूर्ति पर संकट के फिर छाये बादल

नई दिल्ली ।
सोमवार की गिरावट के बाद मंगलवार को कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर तेजी दर्ज की गई है। ईरान पर अमेरिकी सख्ती, हॉर्मुज जलडमरूमध्य में संभावित आपूर्ति बाधाओं और ताजा भू-राजनीतिक तनाव के चलते ब्रेंट क्रूड 91 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया, जबकि डॉब्लयूटीआई क्रूड में भी उछाल देखने को मिला। बाजार की नजरें अब पश्चिम एशिया की अस्थिरता पर टिकी हैं, जहां एक तेल टैंकर पर हमले और ईरान की ताजा चेतावनियों ने आपूर्ति सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। खबर लिखे जाने के समय ब्रेंट क्रूड का नवंबर वायदा 0.59 फीसदी की तेजी के साथ 91.07 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड का अक्टूबर वायदा 0.73 फीसदी बढ़कर 85.63 डॉलर प्रति बैरल पर था। इस साल कच्चे तेल की कीमतों में भारी वृद्धि देखी गई है, जहां ब्रेंट क्रूड करीब 49.84 फीसदी और डब्ल्यूटीआई क्रूड लगभग 49.29 फीसदी महंगा हो चुका है, जो पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का सीधा परिणाम है। ईरान ने 45 टैंकरों को चेतावनी दी है जिन पर उसने हॉर्मुज से गुजरते समय नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है, जिसमें कार्गो जब्त करने जैसी कार्रवाई की धमकी भी शामिल है। वहीं, दूसरी ओर अमेरिका ने ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाने की घोषणा की है। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी ने ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों को डॉलर-आधारित वित्तीय व्यवस्था तक पहुंच खोने की चेतावनी दी है।

गेहूं उत्पादों के निर्यात से हटा प्रतिबंध, अच्छी पैदावार के बाद सरकार का फैसला

घरेलू खाद्य सुरक्षा और मूल्य नियंत्रण के लिए 2022 में लगाई गई थी रोक

नई दिल्ली ।
केंद्र सरकार ने गेहूं से बने उत्पादों की निर्यात नीति में बड़ा बदलाव करते हुए उन पर लगे प्रतिबंध हटा लिए हैं। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार अब गेहूं या मेस्लिन आटा, मैदा, सूजी, होलमील आटा और मिश्रित गेहूं के आटे का निर्यात बिना किसी बाधा के किया जा सकेगा। यह फैसला देश में गेहूं की बेहतर उपलब्धता और रिकॉर्ड उत्पादन अनुमानों के बीच लिया गया है, जिससे घरेलू खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होने के साथ-साथ किसानों और निर्यातकों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब भारत ने 2022 में गेहूं और उससे बने उत्पादों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। उस वक्त सरकार का मुख्य उद्देश्य देश की 1.4 अरब आबादी के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और घरेलू बाजार में गेहूं व आटे की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाना था। 13 मई 2022 को गेहूं की निर्यात नीति को मुक्त से प्रतिबंधित श्रेणी में लाया गया था, जिसके बाद उसी साल अगस्त में गेहूं के आटे के निर्यात पर भी इसी तरह के प्रतिबंध लागू किए गए। यह कदम रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर गेहूं की आपूर्ति में आई बाधा और भारतीय गेहूं की बढ़ती विदेशी मांग के जवाब में उठाया गया था, जिसने घरेलू कीमतों पर भारी दबाव डाला था। हालांकि, प्रतिबंधों के बावजूद, सरकार ने कुछ विशेष गेहूं उत्पादों के निर्यात की अनुमति बनाए रखी थी। इस साल फरवरी में, बेहतर स्टॉक उपलब्धता का हवाला देते हुए, सरकार ने 25 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) गेहूं और अतिरिक्त 5 एलएमटी गेहूं उत्पादों के निर्यात की अनुमति दी थी। ताजा आंकड़ों के अनुसार, भारत का कुल खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने का अनुमान है। मई में जारी अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2024-25 के मुकाबले 2025-26 में कुल खाद्यान्न उत्पादन 5.3 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 37.6563 करोड़ टन हो सकता है।

इसमें चावल का उत्पादन 15.4024 करोड़ टन और गेहूं का उत्पादन 12.0657 करोड़ टन रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष की तुलना में क्रमशः 38.4 लाख टन और 27.12 लाख टन अधिक है। यह बंपर पैदावार ही निर्यात प्रतिबंध हटाने का प्रमुख कारण बनी है।

धतूरा बेचने पर एमेजान, स्विगी और बिगबास्केट के फूड लाइसेंस सस्पेंड

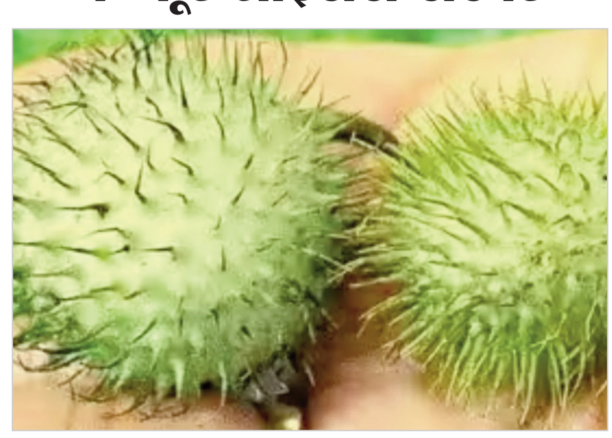

नई दिल्ली ।
कर्नाटक के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने एक बड़ा कदम उठाते हुए एमेजान, स्विगी इंस्टामार्ट और बिग बास्केट के फूड लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए हैं। यह कार्रवाई इन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर जहरीले धतूरे के फल और बीजों को खाद्य उत्पाद के रूप में बेचने पर की गई है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है।

विभाग की जांच में सामने आया कि धतूरे के उत्पाद एफएसएसएआई लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन नंबर के साथ खाद्य उत्पाद के तौर पर बेचे जा रहे थे। सुनवाई में एमेजान ने कोई जवाब नहीं दिया, स्विगी इंस्टामार्ट ने अतिरिक्त समय मांगा, जब कि बिगबास्केट ने बिक्री रोकने और मानव उपभोग के लिए नहीं लेबल लगाने की बात कही। हालांकि, प्राधिकरण ने इन स्पष्टीकरणों को संतोषजनक नहीं माना, क्योंकि निरीक्षण में वेयरहाउस में भी ऐसे पैकेट मिले थे।

धतूरे की जहरीली प्रकृति के कारण इसे खाद्य पदार्थ के रूप में बेचना अस्वीकार्य है। विभाग ने इन कंपनियों को धतूरे के उत्पाद से जुड़ी सभी ऑनलाइन लिस्टिंग तत्काल हटाने का निर्देश दिया है। साथ ही, उत्पाद उपलब्ध कराने वाले सप्लायर/विक्रेताओं के लाइसेंस भी निलंबित करने को कहा गया है। कंपनियों को जल्द अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करनी होगी, जिसके बाद ही लाइसेंस बहाली पर विचार होगा। आदेश का उल्लंघन करने पर फूड सेफ्टी एंड स्टेंडर्ड एक्ट 2006 के तहत कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

खूबसूरत दिखना हर कोई चाहता है। लोगों की यही चाहत ऐसे बहुत से रोजगार पैदा कर जाती है, जिसकी आमतौर पर सामान्य छात्र कल्पना नहीं करता। कॉस्मेटोलॉजी ऐसा ही क्षेत्र है। इसमें अनेक शाखाएं हैं, जहां भविष्य की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। आप हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट तक बन सकते हैं और जॉब के रूप में हजारों तथा खुद का काम करके लाखों कमा सकते हैं।

सौन्दर्य के संसार में खूबसूरत करियर

सुन्दर दिखने की चाहत और उसके लिए तरह-तरह के नुस्खों की आजमाइश जोरों पर है। इसके लिए बाजार में सौन्दर्य प्रसाधनों व लाइफ स्टाइल के उत्पादों की बाढ़ सी आ गई है। शेविंग क्रीम हो या टूथ पेस्ट, फेस क्रीम, स्क्रीन क्रीम या फिर शैम्पू, साबुन और तेल-ये सभी आम जीवन की जरूरतों में शामिल हैं। बाजार में रोजमर्रा की मांग ने इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी खूब पैदा किए हैं। कॉस्मेटोलॉजी का कोर्स इन अवसरों के बीच ही ले जाता है। इसकी मांग को देखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय में भी इस कोर्स को करवाया जा रहा है।

कॉस्मेटोलॉजी के रंग

इस कोर्स में छात्रों को पहले कॉस्मेटोलॉजी की विभिन्न ब्रांच और उसके विविध रूपों की जानकारी दी जाती है। ये ब्रांच हैं हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट। इसके बाद इन क्षेत्रों में काम आने वाले विभिन्न प्रोडक्ट्स के निर्माण के बारे में बताया जाता है। मसलन शेविंग क्रीम, टूथ ब्रश, पेस्ट, फेस क्रीम, सन्सक्रीम, नेल पॉलिश आदि। कोर्स से जुड़े विशेषज्ञों की मानें तो लाइफ स्टाइल और सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े जितने भी प्रोडक्ट प्रचलन में हैं, चाहे वे त्वचा संबंधी हों या आंख, नाक, कान, बाल, मुंह या शरीर के किसी और अंग से, इन सबके बारे में इस कोर्स में बताया जाता है। हेयर स्टाइलिस्ट को बालों के विभिन्न रूप, उनकी कटिंग और उनमें काम आने वाले कैमिकल्स की जानकारी दी जाती है। बालों को सुंदर बनाने की कला से भी रूबरू कराया जाता है।

शैम्पू टेक्नीशियन को आमतौर पर शैम्पू बनाने की विधियां, उसमें इस्तेमाल होने वाले रसायन और उसके इस्तेमाल की तरकीबें बताई जाती हैं। नख प्रसाधन के क्षेत्र में हाथ और पैर को सुन्दर बनाने वाली पॉलिश और क्रीम आदि के बारे में बताया जाता है। साथ ही देखभाल के बारे में जानकारी दी जाती है।

इस्थेटिशियन को आमतौर पर त्वचा की देखभाल की कला सिखाई जाती है। उसे नई तकनीक के इस्तेमाल से अंग लेपन, फेशियल मसाज आदि से अवगत कराया जाता है। इसमें दक्ष इस्थेटिशियन चाहे तो स्वतंत्र रूप से सैलून या स्पा में काम कर सकता है। वह चाहे तो किसी डॉक्टर को इस क्षेत्र की प्रैक्टिस में सहायता भी प्रदान कर सकता है। इस्थेटिशियन को त्वचा की देखभाल संबंधी उत्पाद की जानकारी के साथ-साथ उसके नफे-नुकसान के बारे में बताया जाता है। त्वचा की पूरी तरह से देखभाल के कारण इसे स्किन केयर थेरेपिस्ट भी कहा जाता है।

ब्यूटी थेरेपिस्ट को मशीन द्वारा बालों को हटाना, आंखों की पुतलियां सजाना, ठीक करना जैसी चीजों के बारे में दक्ष बनाया जाता है। इलेक्ट्रोलॉजिस्ट को इलेक्ट्रोलिसिस का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। विद्युत तरंगों से लैस मशीन से बाल को उखाड़ना या उसे उगाना जैसे काम इसमें बखूबी किए जाते हैं। कोर्स में छात्रों को सामान्य मेडिसिन की जानकारी भी दी जाती है। हालांकि डॉक्टर की तरह इलाज करना उसका काम नहीं होता। उसे सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े प्रोडक्ट्स का क्या-क्या असर होगा, यह भी पढ़ाया जाता है। मोटापा बढ़ने पर वजन कम करने और आकर्षक लुक व सुडौल शरीर कैसे बने, इसका भी ज्ञान दिया जाता है। यही नहीं, उसे मानव साइकोलॉजी का भी पाठ पढ़ाया जाता है। कोर्स में एनेलिटिकल कैमिस्ट्री का भी पाठ शामिल है।

दाखिले की प्रक्रिया

दाखिले के लिए कहीं 12वीं पास तो कहीं बीएससी या स्नातक की मांग की जाती है। कैमिस्ट्री की पढ़ाई करने वालों के लिए यह और फायदेमंद हो जाता है। यह कोर्स सरकारी और गैर-सरकारी, दोनों तरह के संस्थानों में चल रहे हैं।

रोजगार कहां

कोर्स को करने के बाद छात्र चाहे तो खुद बॉडी केयर सेंटर खोल सकते हैं। दिल्ली जैसे शहर में इस तरह के सेंटर से लोग प्रति माह हजारों रुपए कमा रहे हैं। आप ब्यूटीशियन के लिए बतौर कंसलटेंट काम कर सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों में भी काफी अवसर हैं। छात्र चाहे तो कॉस्मेटिक निर्माण की यूनिट भी लगा सकता है। जहां तक आय का सवाल है, कोई चाहे तो किसी के यहां काम करके 20 से 30 हजार रुपए भी कमा सकता है और स्वरोजगार में लाख, दो लाख रुपए महीना भी।

क्या कहता है आपका एप्टीटयूड

विषय अनेक और करियर भी अनेक, इतने कि किसे चुनें, किसे नहीं। इसी ऊहापोह में छात्र भटक कर रह जाते हैं। अपनी दुविधा लेकर काउंसलरों के पास आने वाले छात्रों के आंकड़े बताते हैं कि हाल-फिलहाल में छात्रों में यह असमंजस की स्थिति कहीं ज्यादा बढ़ी है। आपके इस असमंजस को सही दिशा दे सकता है एप्टीटयूड टैस्ट। किस-किस तरह के हैं ये एप्टीटयूड टैस्ट?

अमोल संगीतज्ञ बनना चाहता है, लेकिन उसके माता-पिता उसे इंजीनियर के रूप में देखना चाहते हैं। पिता और अमोल के बीच करियर के चुनाव को लेकर काफी दिन तक खींचतान चलती रही। घर में इस कलह को दूर करने के लिए उसे काउंसलरों ने एप्टीटयूड टैस्ट कराने की सलाह दी। अमोल के एप्टीटयूड टैस्ट के बाद ही यह पता लगाया गया कि वह एक सफल संगीतज्ञ बन सकता है। टैस्ट में उसमें क्रिएटिव इनोवेशन के लक्षण ज्यादा पाए गये। इस क्षेत्र में उसकी विशेष रुचि भी देखी गई। अमोल अकेला ऐसा छात्र नहीं। उसकी तरह कई और भी छात्र हैं, जिनके जीवन को सही दिशा देने के लिए माता-पिता अब एप्टीटयूड टैस्ट कराने लगे हैं। किसी व्यक्ति की क्षमता का आकलन एप्टीटयूड टैस्ट से ही हो पाता है। उसमें इंजीनियर बनने की क्षमता है या ड्राइवर या कलाकार, इसे पता लगाने का सटीक उपाय है एप्टीटयूड टैस्ट। दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रो. एनके चड्ढा कहते हैं, करियर का सही चुनाव और उसमें मौजूद क्षमता के आकलन के लिए एप्टीटयूड के साथ बच्चे की रुचि भी देखी जाती है। ऐसा करने पर करियर के चुनाव में खासी मदद मिलती है। एप्टीटयूड और इंटरेस्ट, दोनों एक-दूसरे के साथ जुड़े हैं और साथ-साथ चलते हैं। अगर एक है और दूसरा नहीं तो करियर को सही दिशा नहीं मिलती।

काउंसलर गीतांजलि कुमार करियर और जीवन को सही दिशा देने में एप्टीटयूड और इंटरेस्ट के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व और शारीरिक क्षमता को भी एक कड़ी मानती हैं। वह कहती हैं, इन सबको मिला कर ही किसी को करियर या जीवन में कोई राह चुनने की सलाह दी जाती है। अगर किसी में किसी कार्य के प्रति एप्टीटयूड है, पर रुचि या करने की इच्छा नहीं तो उस दिशा में भेजना बेकार है। इसी तरह पहली दोनों चीजें हैं, लेकिन शारीरिक क्षमता या व्यक्तित्व नहीं तो ऐसे करियर के चुनाव की सलाह देना बेकार है। वह कहती हैं, व्यक्तित्व भी पॉजिटिव मोटिव देता है, इसलिए तीनों को देखना जरूरी है।

क्यों है जरूरी

एप्टीटयूड टैस्ट ही किसी छात्र या व्यक्ति के करियर और काम की दिशा बताता है। उसकी क्षमता और रुचि को बताता है। इसके बाद उसे सही प्रोफेशन चुनने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर ऐसा नहीं होता तो अमुक व्यक्ति में आगे चल कर कुंठा का जन्म होता है। वह काम को एन्जॉय नहीं कर पाता। ऐसी स्थिति में उसके अंदर नकारात्मक सोच हावी हो जाती है। वह विध्वंसात्मक दिमाग का हो जाता है। उसमें पहचान का संकट भी पैदा होने लगता है। एप्टीटयूड, रुचि और व्यक्तित्व के हिसाब से काम नहीं मिलने पर वह अपने पेशे में उतना सक्षम साबित नहीं होता, जितना दूसरे लोग। ऐसे में वह दूसरों को नीचा दिखाने के लिए कई बार उलटे-सीधे हथकंडे भी अपनाता है। सफलता नहीं मिलने पर वह कई बार अवसाद की स्थिति में आ जाता है और आत्महत्या को मजबूर हो जाता है, इसलिए शिक्षण संस्थानों को सरकार ने बच्चों के करियर की दिशा तैयार करने को कहा है। शिक्षण संस्थाओं में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर आए दिन इसी वजह से खोले जा रहे हैं। यह हर संस्थान और काम की जगह की जरूरत बनती जा रही है। प्रो. चड्ढा कहते हैं, भारत में इस तरह की समस्याओं के लिए निजी प्रैक्टिशनर की ओर से जगह-जगह नगरों व महानगरों में काउंसलिंग सेंटर खुल गए हैं, लेकिन इसे चलाने वाले लोग आमतौर पर क्वालिफाइड नहीं होते। काउंसलिंग के लिए कौन सा व्यक्ति उपयुक्त है या नहीं, इसके लिए नेशनल एजेंसी बनी है। वह क्वालिफिकेशन तय करती है। गाइडलाइंस भी तैयार किए हैं।

एप्टीटयूड टैस्ट के रूप-रंग

लॉजिकल रीजनिंग- एप्टीटयूड टैस्ट के कई आयाम हैं, जिनमें एक है लॉजिकल रीजनिंग। इसके तहत कार्य-कारण संबंध पर जोर होता है। किसी व्यक्ति में मानसिक स्तर पर कैलकुलेशन की क्षमता कितनी है, इसका आकलन लॉजिकल रीजनिंग के माध्यम से किया जाता है। अगर वह लॉजिकल रीजनिंग में ज्यादा स्कोर करता है तो इससे पता चलता है कि वह कायदे-कानून में रह कर कठिन से कठिन समस्याओं को हल कर सकता है। इस क्षमता से लैस युवा मैनेजर, वैज्ञानिक और व्हाइट कॉलर जॉब में जाने के उपयुक्त होते हैं।

एब्सट्रेक्ट रीजनिंग – इसके तहत खरा उतरने वाला युवा बिखरी हुई चीजों को एकत्रित करके प्लान के साथ काम करने में विशेष हुनर रखता है। इसमें एप्टीटयूड किस तरफ जा रहा है, उसकी दिशा क्या है, वह एक एरिया से दूसरे एरिया में लिंक कर रहा है या नहीं, यह भी देखा जाता है। सिविल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में बेहतर करने वाले युवाओं में एब्सट्रेक्ट रीजनिंग हल करने की क्षमता ज्यादा पाई जाती है।

न्यूमेरिकल रीजनिंग – यह किसी व्यक्ति की गणितीय क्षमता की जानकारी देता है। वह गुणा-भाग करने और सांख्यिकीय सवालों को हल करने की कितनी क्षमता रखता है, इसका आकलन इसके द्वारा किया जाता है। इसे देख कर ही उसे इस विषय या क्षेत्र से जुड़े करियर में जाने की सलाह दी जाती है। मसलन सीए, गणितज्ञ और लेखाकार आदि बनने के लिए न्यूमेरिकल रीजनिंग में बेहतर होना चाहिए।

आई-हैंड कोऑर्डिनेशन – आमतौर टेक्निकल काम मसलन ड्राइविंग हो, पायलट या फिर किसी मशीन को चलाने के लिए मशीनमैन हो, उसमें यह एप्टीटयूड जरूर होना चाहिए। इसमें कोई व्यक्ति हाथ, पैर व आंख को काम करते वक्त कितना केन्द्रित कर पाता है, यह देखा जाता है। ऐसा व्यक्ति दुर्घटनाओं को कम करने में काफी मददगार साबित होता है। ड्राइवर, पायलट, मशीनमैन और मैकेनिकल जॉब के लिए यह एप्टीटयूड बढ़िया माना जाता है।

क्रिएटिव इनोवेशन – इसमें किसी व्यक्ति की रचनात्मक क्षमता का आकलन किया जाता है। उसमें कलात्मक रुझान व रुचि का पता लगाया जाता है। आमतौर पर व्हाइट कॉलर जॉब में इस तरह के लोगों की जरूरत पड़ती है। इसके तहत यह भी देखा जाता है कि वह निर्णय कितना शीघ्र और सही रूप में लेता है। उसमें फ्लेक्सिबिलिटी भी होनी चाहिए। कोई व्यक्ति स्वभाव में अड़ियल तो नहीं है। अगर उसमें फ्लेक्सिबिलिटी का स्तर बेहतर है तो उसे उच्चतम पदों की जिम्मेदारी दी जाती है। इसमें उसके अंदर बड़प्पन कितना है, इसका आकलन भी किया जाता है। एप्टीटयूड टैस्ट में ओरिजनेलिटी और मौलिकता को भी देखा जाता है। ऐसे चंद ही व्यक्ति होते हैं, जो अलग किस्म के आइडिया से लैस होते हैं। इस टैस्ट में ओरिजनल आइडिया को देखा व समझा जाता है। इसे बहुविध सोच के रूप में भी देखा जाता है। यह गुण जिसमें है, उसमें अध्यापक, लेखक, अभिनेता, संगीतज्ञ और आविष्कारक बनने की क्षमता होती है।

प्रोफेशनल लाइफ में रख रहे हैं कदम अपनाएं ये टिप्स

कॉलेज लाइफ को अलविदा कहकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में कदम रखने कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। कई युवाओं के लिए कॉलेज ग्रेजुएशन पूरा होने और अपने पहले जॉब की शुरुआत काफी तनावपूर्ण होती है। कॉलेज पूरा करने के बाद आपको जॉब हंटिंग, इंटरव्यू देना होता है और वास्तविकता का सामना करना इतना आसान नहीं है। कॉलेज स्टूडेंट से एक प्रोडक्टिव एम्प्लॉई बनने का यह ट्रांजिशन सफल बनाने के लिए कुछ बातों को समझना जरूरी है। इन मुद्दों को समझकर और उनके लिए तैयार रहकर इस बदलाव को आसान बना सकते हैं।

कॉलेज जाने और नौकरी पर जाने में बहुत फर्क है। आप जॉब में बंक नहीं मार सकते। आप पैसे देकर ट्यूशन नहीं ले रहे बल्कि आपको पे किया जा रहा है। इसलिए ट्यूशन की तरह मन न होने पर आप काम पर नहीं जाने का मन नहीं बना सकते। आपको नौकरी में आठ घंटे तो काम करना ही पड़ता है।

कॉलेज का समय प्रयोग का समय होता है। हम यहां थोड़ा गैर जिम्मेदार हुए तो चलेगा लेकिन प्रोफेशनल लाइफ में ऐसा नहीं है। कॉलेज में गैर जिम्मेदार होने का मतलब खराब ग्रेड लेकिन वर्कप्लेस पर अनप्रोफेशनल होना मतलब आपके नौकरी की छुट्टी। प्रोफेशनल का मतलब ही सेल्फ-स्टार्टर होता है। कॉलेज से ज्यादा डेडलाइन का सामना आपको प्रोफेशनल वर्ल्ड में करना होगा।

ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद आपके दिमाग में अपना स्पष्ट करियर पाथ होना चाहिए लेकिन अगर आपका पहला जॉब अपनी योजना से मेल नहीं खाता है तो घबराइए नहीं।

कॉलेज छोड़ने और प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखने में बहुत चीजें बदलती है। हां, अगर आप दोपहर तक सोते रहते हैं या देर रात फिल्में देखते हैं तो यह सब आपको बंद करना पड़ेगा। आपकी डाइट भी बदलेगी। लाइफस्टाइल के बदलावों के लिए तैयार रहें।

कॉलेज लाइफ खत्म होने का मतलब नहीं कि आपकी लाइफ से फन गायब हो गया। आप अभी भी ट्रेवल कर सकते हैं, दोस्तों के साथ समय बिता सकते हैं और नए व रोमांचक चीजें सीख सकते हैं। इस समय आपको देखना होगा कि किस तरह से मनोरंजन करें ताकि आप अपनी जॉब की जिम्मेदारी भी अच्छे से निभा पाएं।

बल्लेबाजी नहीं, अब गेंदबाजी में भी वैभव का जलवा

बंगलूरू एजेंसी। दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन और नॉर्थ ईस्ट जोन के बीच मुकाबला जारी है। बंगलूरू के सीओई में खेले जा रहे इस मुकाबले में भले ही वैभव सूर्यवंशी बल्लेबाजी में कोई कमाल न दिखा पाए हों, लेकिन गेंदबाजी में उनका जलवा जारी है। ईस्ट जोन से खेल रहे वैभव ने नॉर्थ ईस्ट जोन की दूसरी पारी में महज चार गेंदों में दो विकेट झटके। उन्होंने तीन ओवर का स्पेल डाला, जिसमें 11 रन खर्च किए और दो विकेट लिए।

पहली पारी में वैभव ने नहीं की गेंदबाजी

दरअसल, मैच में ईस्ट जोन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 467 रन बनाए थे। वैभव छह गेंद में दो चौके की मदद से आठ रन बना पाए थे। इसके बाद उनकी आलोचना भी हुई थी और सवाल भी उठे थे कि क्या वह रेड बॉल क्रिकेट के लायक हैं। हालांकि, ईस्ट जोन ने कुमार कुशाग्र के 55 रन, सुदीप कुमार घरामी के 146 रन और शाहबाज अहमद के 167 रन की बदौलत पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया। जवाब में नॉर्थ ईस्ट जोन की पहली पारी 111 रन पर सिमट गई। इस तरह उन्हें फॉलो ऑन खेलने पर मजबूर होना पड़ा। पहली पारी में वैभव ने गेंदबाजी नहीं की।

गेंद से जवाब

मैच में सूर्यवंशी बल्ले से ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके। हालांकि, उन्होंने जल्द ही गेंदबाजी से इसकी भरपाई कर दी। किशोर खिलाड़ी ने अपनी गेंदबाजी से दिखाया कि उनकी क्रिकेटिंग क्षमता सिर्फ आक्रामक बल्लेबाजी तक सीमित नहीं है। सूर्यवंशी पहले ही अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और गेंदबाजों पर आक्रमण करने की क्षमता के लिए सुर्खियां बटोर चुके हैं।

विकेट झटके और चौंकाया

हालांकि, फॉलोऑन खेलते हुए भी नॉर्थ ईस्ट जोन ने एक वक्त 102 रन बनाने में आठ विकेट गंवा दिए थे। इनमें दो विकेट वैभव ने लिए। उन्होंने अपने दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर मध्यक्रम के बल्लेबाज किशन लिंगडोह को आउट किया। किशन अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे और 40 गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 25 रन बना लिए थे। वैभव ने उन्हें कैच आउट कराया। फिर ओवर की पांचवीं गेंद पर लोअर ऑर्डर के बल्लेबाज इमलीवाती लेमतुर को ईशान किशन के हाथों कैच कराया। इमलीवाती चार रन बना सके। वैभव एक लेफ्ट आर्म ऑर्थोडॉक्स स्पिनर हैं। हालांकि, उनकी गेंद नॉर्थ ईस्ट जोन के बल्लेबाजों को समझ नहीं आई। फॉलो ऑन खेलते हुए नॉर्थ ईस्ट जोन की पूरी टीम 146 रन पर सिमट गई और ईस्ट जोन ने मुकाबला पारी और 210 रन से अपने नाम किया। वैभव के अलावा अनुकूल रॉय ने पांच विकेट लिए। वहीं, मुकेश कुमार, अभिजीत सरकार और शाहबाज को एक-एक विकेट मिला।

सूर्यवंशी ने छोड़ी अपनी छाप

दलीप ट्रॉफी में सूर्यवंशी की एंट्री नए सीजन की शुरुआत के साथ हुई है। युवा खिलाड़ी ने टी20 क्रिकेट की तेज-तर्रार मांगों से अब लंबे प्रारूप की चुनौती का रुख किया है। उन्हें ईस्ट जोन का उपकप्तान भी बनाया गया है। हालांकि, उनकी उम्र और प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सीमित अनुभव को देखते हुए यह फैसला कुछ लोगों के लिए हैरानी भरा भी था।

संक्षिप्त समाचार

कोको गॉफ और आर्थर फिल्स चैंपियन बने

मेसन (अमेरिका) (एजेंसी)। कोको गॉफ ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला को सीधे सेटों में हराकर सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब दूसरी बार अपने नाम कर लिया। वहीं, पुरुष एकल के फाइनल में फ्रांस के आर्थर फिल्स ने अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो को हराकर अपने करियर का पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीत लिया। महिला एकल के फाइनल में कोको गॉफ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेसिका पेगुला को 6-2, 6-4 से मात दी। गॉफ ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और पहले सेट में 5-0 की मजबूत बढ़त हासिल करने के बाद उसे 6-2 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में पेगुला ने वापसी करने की कोशिश की और स्कोर को 5-4 तक पहुंचा दिया। हालांकि, गॉफ ने दबाव में शानदार संयम दिखाया और मैच जीतकर सिनसिनाटी में अपना दूसरा महिला एकल खिताब जीत लिया। गॉफ ने मुकाबले के दौरान मिले छह में से पांच ब्रेक प्वाइंट को भुनाया। पेगुला ने सेमीफाइनल में मौजूदा चैंपियन इगा स्वियातेक को हराया था, जबकि गॉफ ने सारा बेजलेक को मात देकर फाइनल में जगह बनाई थी। इसके साथ ही सिनसिनाटी ओपन में 56 वर्षों बाद दो अमेरिकी महिला खिलाड़ियों के बीच महिला एकल का फाइनल खेला गया। इससे पहले वर्ष 1970 में सिनसिनाटी ओपन के महिला फाइनल में अमेरिका की रोजी कैसल्स और नैन्सी रिची आमने-सामने हुई थीं। उस मुकाबले में कैसल्स ने जीत दर्ज की थी। गॉफ इससे पहले वर्ष 2023 में कैरोलिना मुचोवा को हराकर सिनसिनाटी ओपन का अपना पहला खिताब जीत चुकी थीं। अब उन्होंने दूसरी बार ट्रॉफी अपने नाम कर इस टूर्नामेंट में अपनी मजबूत पकड़ साबित की है।

अंपायर पर हमले का आरोपी 36 साल बाद पकड़ा गया

मुंबई (एजेंसी)। 1990 में मुंबई के बोरीवली इलाके में क्रिकेट मैच के दौरान अंपायर पर हमला करने के आरोपी ओमप्रकाश ललता पासी को 36 साल बाद गिरफ्तार किया गया है।घटना के वक्त पासी 18 साल का था। पासी आउट दिए जाने से नाराज होकर उसने अंपायर पर बल्ले से हमला किया था। हमले में अंपायर गंभीर रूप से घायल हो गया था। इसके बाद पासी मौके से भाग गया।पासी पर हत्या की कोशिश का मामला दर्ज है। अब 55 साल का पासी पड़ोसी ठाणे जिले के मीरा रोड इलाके में रह रहा था।

तकनीकी जांच से आरोपी तक पहुंची पुलिस– एक अधिकारी ने बताया, 'बोरीवली पुलिस की तकनीकी जांच और लगातार कोशिशों से पासी का पता लगाया गया।' पुलिस के अनुसार 1990 में पासी बोरीवली में क्रिकेट मैच खेलने गया था। अंपायर ने उसे आउट करार दिया, जिससे नाराज होकर उसने अपने पास मौजूद क्रिकेट बैट से अंपायर पर हमला कर दिया।

हॉकी : भारतीय पुरुष टीम के खराब प्रदर्शन के बाद दिग्गजों ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम का विश्व कप में 51 साल बाद पदक जीतने का इंतजार इस बार भी खत्म नहीं हो सका। अर्जेंटीना के खिलाफ 3-5 की हार के साथ टीम की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें भी समाप्त हो गईं। इस हार ने पेरिस ओलंपिक के बाद से टीम के प्रदर्शन में नजर आ रही कमजोरियों को एक बार फिर सामने ला दिया है।

पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों का मानना है कि समस्या सिर्फ धीमी शुरुआत, मौकों को गंवाने या डिफेंस में चूक तक सीमित नहीं है। उनका कहना है कि युवा खिलाड़ियों को समय रहते मौके नहीं देना और एक ही कोर ग्रुप पर लगातार निर्भर रहना भी टीम के लिए नुकसानदेह साबित हुआ है।

युवा खिलाड़ियों को मौका नहीं देने पर सवाल

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद संन्यास लेने वाले पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने टीम में युवा खिलाड़ियों को समय पर शामिल नहीं किए जाने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि लॉस एंजिलिस ओलंपिक में अब ज्यादा समय नहीं बचा है और इतने कम अंतरराष्ट्रीय मैचों में नए खिलाड़ियों को तैयार करना मुश्किल होगा।

श्रीजेश ने कहा, 'सीनियर खिलाड़ियों के जाने के बाद उनकी जगह कौन लेगा। क्या हमने दूसरी जमात तैयार की है। लॉस एंजिलिस ओलंपिक में दो ही साल बचे हैं और उससे पहले करीब तीस अंतरराष्ट्रीय मैच ही होंगे। क्या ओलंपिक के लिये इससे खिलाड़ी तैयार हो सकते हैं। नहीं।' उन्होंने कहा, 'विश्व कप की टीम में भी वही कोर खिलाड़ी हैं जबकि मनमीत सिंह, आमिर अली, रोशन कुजूर, तालेम प्रियब्रत, रोहित, अर्शदीप जैसे कई प्रतिभाशाली जूनियर इंतजार ही कर रहे हैं।'

चयन के पर भी उठे सवाल

पूर्व ओलंपियन जगबीर सिंह ने भी चयन प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए। उनका मानना है कि जूनियर खिलाड़ियों को सही समय पर अवसर दिए जाने चाहिए थे और कुछ चयन फैसलों को बेहतर किया जा सकता था। जगबीर सिंह ने कहा, 'जूनियर खिलाड़ियों को सही समय पर मौके मिलने चाहिये और चयन के कुछ फैसले बेहतर हो सकते थे। तैयारी ओलंपिक से ओलंपिक की होनी चाहिये। कोचिंग स्टाफ ने अनुभव को ही तरजीह दी जो काम नहीं आया। भारत के पास यह सर्वश्रेष्ठ मौका था लेकिन प्रदर्शन में निरंतरता नहीं दिखी। हर दस मिनट में डिफेंस चरमरा रहा था।'

घरेलू ढांचे को बताया कमजोर

पूर्व ओलंपियन परगट सिंह ने भारतीय हॉकी के घरेलू ढांचे को लेकर चिंता जताई। उनका मानना है कि अच्छी घरेलू प्रतियोगिताओं की कमी के कारण टीम के पास मजबूत बेंच स्ट्रेंथ तैयार नहीं हो पा रही है। परगट सिंह ने कहा, 'अच्छी घरेलू स्पर्धायें नहीं होने से हमारे पास अच्छी बेंच स्ट्रेंथ नहीं है। यूरोप में कई डिविजन की लीग होती है जो हमारे यहां नहीं है। पहले बेटन कप, आगा खान कप, बांबे गोल्ड कप, मुरूगप्पा कप, नेहरू हॉकी से अच्छी प्रतिभायें निकलती थी। सारा ढांचा ही खराब कर दिया है। इसके अलावा नये खिलाड़ियों को मौका देना था तो दो साल पहले ही बदलाव की शुरूआत कर देनी चाहिये थी।

भास्करन ने फॉरवर्ड और मिडफील्ड पर उठाए सवाल

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और पूर्व कप्तान वासुदेवन भास्करन ने भारतीय टीम के आक्रमण और मिडफील्ड के प्रदर्शन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पिछले चार साल में भारतीय फॉरवर्ड लाइन का प्रदर्शन उन्हें प्रभावित नहीं कर सका। भास्करन ने कहा, 'मैंने पिछले चार साल में किसी भारतीय फॉरवर्ड को अच्छा खेलते नहीं देखा। बैक पास कहां थे, गोल पर कितने हमले किये और फुल प्रेस जाने के समय मिडफील्ड पूरा खाली छोड़ दिया।'

उन्होंने टीम में नए खिलाड़ियों को मौके नहीं देने पर भी सवाल उठाया। भास्करन ने कहा, 'हमने नये खिलाड़ियों को मौके ही नहीं दिये। नीदरलैंड की पेरिस ओलंपिक टीम के छह स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी विश्व कप टीम में नहीं थे। हम हमदर्दी, पिछले रिकॉर्ड और आंकड़ों पर ही टीम चुन लेते हैं। कम से कम छह जूनियर खिलाड़ियों को प्रो लीग में आजमाना चाहिये था।' उन्होंने जूनियर विश्व कप कांस्य पदक विजेता कोच श्रीजेश से सलाह नहीं लिए जाने पर भी सवाल उठाया। उनका कहना था कि दूसरे देशों में जूनियर कोचों की भूमिका अहम होती है और वे सीनियर कोचों को भी अपनी राय देते हैं।

जीसीटी ग्रैंड फिनालेः फाइनल में पहुंचे प्रज्ञानंद

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंद ने जर्मनी के विंसेंट कीमर पर 19-9 की शानदार जीत हासिल करके आसानी से ग्रैंड शतरंज टूर (जीसीटी) के अंतिम चरण के फाइनल में जगह बनाई। प्रज्ञानंद का फाइनल में मुकाबला खिताब के प्रबल दावेदार और मौजूदा चैंपियन अमेरिका के फैबियानो कारुआना से होगा।

प्रज्ञानंद ने अब तक किया है शानदार प्रदर्शन

भारतीय खिलाड़ी ने दूसरा क्लासिकल गेम जीतने के बाद अंतिम दिन से पहले छह अंकों की बड़ी बढ़त हासिल कर ली थी। उन्होंने लगातार दो रैपिड मुकाबलों में कीमर को हराकर 17-3 की अजेय बढ़त हासिल करके फाइनल में अपनी जगह पक्की कर दी। इसके बाद ब्लिट्ज के पहले गेम में एक और जीत ने उनके अंकों की संख्या 19 तक पहुंचा दी। कीमर ने आखिरी तीन ब्लिट्ज गेम जीतकर वापसी की, लेकिन इससे हार का अंतर ही कम हुआ। कारुआना ने ब्लिट्ज गेम में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर 18-9 से जीत हासिल की। उन्होंने मौकों का पूरा फायदा उठाया और अमेरिका के अपने हमवतन खिलाड़ी वेस्ली सो को हराया।

बालाजी-चंद्रशेखर बने चैम्पियन

मैक्सिको (एजेंसी)। भारत के एन. श्रीराम बालाजी और अनिरुद्ध चंद्रशेखर ने मैक्सिको में खेले गए कानकुन कंट्री टेनिस ओपन का डबल्स खिताब जीत लिया है।

भारतीय जोड़ी ने फाइनल में मैक्सिको के मिगुएल एंजेल रेयेस-वरेला और बेलारूस के इवान ल्युटारेविच को 6-3, 7-6(4) से हराया।इस जीत के साथ बालाजी और अनिरुद्ध को 125-125 एसोसिएशन ऑफ टेनिस प्रोफेशनल्स रैंकिंग पॉइंट्स और 9,900 डॉलर (करीब 9.5 लाख रुपए) की इनामी राशि मिली।

पहले सेट में 6-3 से जीते, दूसरा टाईब्रेकर में

फाइनल के पहले सेट में दोनों जोड़ियों के बीच मुकाबला कड़ा रहा, लेकिन भारतीय जोड़ी ने अहम मौकों पर बढ़त बनाते हुए सेट 6-3 से अपने नाम किया।भारतीय जोड़ी ने पहली सर्विस पर 68 प्रतिशत और दूसरी सर्विस पर 81 प्रतिशत अंक जीते। दूसरे सेट में भी मुकाबला बराबरी का रहा और सेट टाईब्रेकर तक पहुंचा।बालाजी और अनिरुद्ध ने टाईब्रेकर में 7-4 से जीत दर्ज की और 7-6(4) से दूसरा सेट अपने नाम करते हुए खिताब जीत लिया।

श्रीलंका मुश्किल में, मंडराया फॉलोऑन का खतरा

कोलंबो(एजेंसी)। कोलंबो टेस्ट में श्रीलंका पर फॉलोऑन का खतरा मंडरा रहा है। उसने भारत के खिलाफ पहली पारी में 257 रन पर 8 विकेट गंवा दिए हैं। मंगलवार को मैच के तीसरे दिन श्रीलंका को फॉलोऑन बचाने के लिए 47 रन और बनाने हैं। भारत ने पहली पारी में 503 रन बनाए थे।

सोनल दिनूषा फिफ्टी बनाकर खेल रहे हैं। लाहिरू कुमारा उनका साथ दे रहे हैं। पसिंदु सूरियाबंडारा ने 133 गेंदों पर 80 रन की पारी खेलकर श्रीलंका की पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन रवींद्र जडेजा ने उन्हें बोल्ड कर दिया।

मोहम्मद सिराज ने निरोशन डिकवेला को बिना खाता खोले पवेलियन भेज दिया। भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा और मानव सुथार ने 3-3 विकेट लिए। रवींद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज को एक-एक विकेट मिला।

श्रीलंका ने पहली पारी में 250 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। लाहिरू कुमारा ने रवींद्र जडेजा के ओवर की आखिरी बॉल पर चौका लगाया। इसी चौके से टीम 250 पार पहुंच गई।69वें ओवर में श्रीलंका ने 8वां विकेट गंवा दिया। मानव सुथार ने केशरा नुवानथा को सारांश जैन के हाथों कैच कराया। सुथार की गेंद पर नुवानथा ने मिड-ऑफ के ऊपर से बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद ऊंची नहीं उठी और सरांश जैन ने आसान कैच लपक लिया।

प्रभाथ जयसूर्या पर आईसीसी की कार्रवाई

श्रीलंका के स्पिनर प्रभाथ जयसूर्या पर भारत के खिलाफ कोलंबो टेस्ट के दूसरे दिन आईसीसी ने कार्रवाई की है। जयसूर्या को आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल-1 के उल्लंघन का दोषी पाया गया और उन्हें आधिकारिक फटकार लगाई।जयसूर्या ने आर्टिकल 2.2 का उल्लंघन किया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण, कपड़ों, मैदान के उपकरण या फिक्स्चर को नुकसान पहुंचाने या उसका गलत इस्तेमाल करने से जुड़ा है।दिन की आखिरी गेंद पर आउट होने के बाद पवेलियन लौटते समय जयसूर्या ने अपने बल्ले से बाउंड्री रोप पर बैट मारा था। उनके रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा गया है।

28 अगस्त से शुरू होगा महिला टी-20 एशिया कप 2026 का रोमांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने एसीसी महिला टी20 एशिया कप 2026 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले बड़ा बयान दिया है। हरमनप्रीत ने स्वीकार किया कि भारत-पाकिस्तान मैच का दबाव किसी अन्य अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से बिल्कुल अलग होता है। हालांकि, उन्होंने जोर दिया कि खिलाड़ियों को नतीजे की चिंता करने के बजाय अपनी योजना, रूटीन और टीम की जरूरत पर ध्यान देना चाहिए।

महिला टी20 एशिया कप 2026 का आगाज 28 अगस्त से होगा, जबकि भारत और पाकिस्तान की टीमें 5 सितंबर को ग्रुप स्टेज के हाई-वोल्टेज मुकाबले में आमने-सामने होंगी।

हरमनप्रीत कौर ने कहा कि भारत-पाकिस्तान मुकाबले में खिलाड़ियों पर मानसिक दबाव काफी ज्यादा होता है और इस मुकाबले की अहमियत अन्य बड़े अंतरराष्ट्रीय मैचों से अलग होती है।

हरमनप्रीत ने मीडिया से कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि यह एक हाई-प्रेशर गेम है और एक खिलाड़ी के तौर पर आपको कई चीजों से निपटना पड़ता है। हम लगातार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हैं, लेकिन भारत-पाकिस्तान मैच में जिस तरह का दबाव होता है, वैसा दबाव कहीं और महसूस नहीं होता।' उन्होंने आगे कहा, 'आप कई बड़े मुकाबले खेल सकते हैं, लेकिन उस तरह का दबाव महसूस नहीं होता। कहीं न कहीं हमें पता होता है कि हर भारतीय यह मैच देख रहा है। सिर्फ क्रिकेट फैंस ही नहीं, बल्कि हर भारतीय की नजर इस मैच पर होती है, क्योंकि यह मुकाबला हम सभी के लिए बहुत अहम होता है।' भारतीय कप्तान ने कहा कि ऐसे मुकाबलों में अतिरिक्त दबाव लेने के बजाय खिलाड़ियों के लिए अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि वह कप्तान और खिलाड़ी, दोनों भूमिकाओं में चीजों को आसान और सरल रखने की कोशिश करती हैं।

हम नफरत के खिलाफ खड़े हों, वही सच्ची देशभक्ति

अपनी पहली हिंदी फिल्म 'रंग दे बसंती' हो या हालिया वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर', एक्टर सिद्धार्थ ने देशभक्ति वाली कहानियों और किरदारों में अलग ही छाप छोड़ी है। 'रंग दे बसंती' में शहीद भगत सिंह बने सिद्धार्थ इन दिनों 'ऑपरेशन सफेद सागर' में करगिल युद्ध में वीरगति पाने वाले स्क्वॉड्रन लीडर अजय आहूजा की भूमिका के लिए खूब वाहवाही बटोर रहे हैं। इसकी एक वजह शायद यह है कि सिद्धार्थ निजी तौर पर भी खुद को हर मायने में देशभक्त मानते हैं।

अपनी देशभक्ति को लेकर वह कहते हैं, 'मैं तो बचपन से अपने को देशभक्त मानता हूं, क्योंकि मैंने हमेशा सच बोला है। अगर मेरी आंखों के सामने कोई अन्याय हो रहा हो तो मैंने उसके खिलाफ आवाज उठाई है। मैं कभी टैक्स देने में झिझका नहीं हूं, तो मैं हर मायने में देशभक्त हूं। बाकी, मैं चाहता हूं कि आज हर तरफ जो नफरत की आग और आंधी फैल रही है, हम अगर उसके खिलाफ एकजुट होकर खड़े हो जाएं तो मेरे हिसाब से वो बहुत बड़ी देशभक्ति की मिसाल होगी। मैं बस यही कहूंगा कि प्यार बढ़ाओ यार।'

ऐसी जांबाजी सबके बस की बात नहीं

क्या ऐसे देशभक्ति वाले किरदार करते वक्त उनके भीतर भी ऐसा जज़्बा जोर मारता है? यह पूछने पर सिद्धार्थ कहते हैं, 'नहीं, ऐसा नहीं होता है। मैंने देशभक्ति वाले रोल पहले भी किए हैं, लेकिन मुझे कभी एक सेकेंड के लिए भी यह नहीं लगा कि काश मैं खुद भी ऐसा कर पाता। इसलिए नहीं कि मैं वो बनना नहीं चाहता, बल्कि मुझमें वो बात ही नहीं है। यह जुनून, यह जज़्बा बहुत कम लोगों में होता है। अगर मुझे एनडीए जॉइन करना पड़ता तो पहले तो मैं चश्मा पहनता था, इसलिए एनडीए में जा नहीं सकता, लेकिन चश्मा ना पहनता तब भी मैं शायद नहीं जाता, क्योंकि मुझमें वह बात ही नहीं है। इसलिए, मुझे कभी नहीं लगा कि मैं स्क्वॉड्रन लीडर अजय आहूजा बन गया हूं। मैं इस जन्म तो क्या, अगले जन्म में भी वैसा नहीं बन सकता। हम सिर्फ अदाकारी कर सकते हैं।'

हालांकि सिद्धार्थ इस भूमिका को निभाना एक बड़ी जिम्मेदारी मानते हैं। बकौल सिद्धार्थ, 'यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी थी और एक भी दिन ऐसा नहीं बीता होगा जब वो जिम्मेदारी का अहसास हमें न हुआ हो। अच्छी बात यह रही कि इसकी रिसर्च बहुत तगड़ी थी तो उससे आधा काम हो गया। बाकी, आधा काम उनके परिवार वालों का आशीर्वाद ने कर दिया तो हम उम्मीद है कि आज की नई पीढ़ी इस साहस के बारे में देख-सुनकर इससे प्रेरित हो।'

धीमा सुनने वालों को धमाके की जरूरत

सिद्धार्थ ने कहा कि यह कहानी नई पीढ़ी को प्रेरित करेगी, मगर क्या उन्हें लगता है कि आज के सोशल मीडिया के दौर में भी सिनेमाई कहानियां इतनी ताकतवर रह गई हैं कि लोगों की सोच बदल सकें? इस पर सिद्धार्थ कहते हैं, 'ये बहादुरी का किस्सा है और हमारी हजारों साल की परंपरा रही है कि हम बच्चों को कहानियां सुनाकर सुलाते हैं, उन्हें बड़ा करते हैं तो जब तक इंसान के बच्चे हैं, तब तक ऐसी कहानियां प्रासंगिक रहेंगी। इनकी बहुत जरूरत है और ये आनी चाहिए, क्योंकि ये सोशल मीडिया वाली बहुत जरूरी बात कही आपने। जब मैं स्कूल में पढ़ता था तो कुछ पचास हजार लोगों में एक बंदा किताब पढ़ता था। आज साढ़े 5 लाख में एक बंदा किताब पढ़ता है। इंटरनेट पर सबकुछ है, लेकिन वहां पढ़ने-जानने की इच्छा किसी में नहीं है।'

मालामाल वीकली 2 में बतौर एक्टर डेब्यू कर रहे हैं एल्विश यादव

एल्विश यादव अब जल्द ही बॉलीवुड में बतौर एक्टर डेब्यू करने वाले हैं। यूट्यूबर से रियलिटी शो स्टार और अब बॉलीवुड एक्टर तक का उनका सफर काफी खास रहा है। एल्विश ने अपने एक्स अकाउंट पर फैंस का शुक्रिया अदा किया और कहा कि आज वह जो कुछ भी हैं, अपने फैंस के प्यार और सपोर्ट की वजह से हैं।

एल्विश ने फैंस के लिए लिखा खास मैसेज

एल्विश ने अपनी नई फिल्म का ऐलान करते हुए लिखा, 'नई फिल्म। नया सफर। मैं बाहर से आया हूं। बॉलीवुड में मेरा कोई नहीं था। आप लोगों के बीच से उठकर आया और आपके प्यार ने मुझे अब बड़े पर्दे तक पहुंचा दिया। आज जो कुछ भी हूं, आपके प्यार की वजह से हूं। और इसी प्यार की वजह से मैं 'मालामाल' हूं। बस प्यार बनाए रखना।'

इस फिल्म में नजर आएंगे एल्विश
बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट्स के मुताबिक, एल्विश यादव फिल्म 'मालामाल वीकली 2' में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ रितेश देशमुख, परेश रावल और राजपाल यादव भी दिखाई देंगे।

बता दें कि 'मालामाल वीकली' साल 2006 में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को काफी सफलता मिली थी। फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया था। इसमें परेश रावल, ओम पुरी, रितेश देशमुख और अरबाज खान जैसे कलाकार नजर आए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'मालामाल वीकली 2' में पहली फिल्म के तेश देशमुख, परेश रावल और राजपाल यादव वापसी कर रहे हैं। वहीं फिल्म में परिणीति चोपड़ा, रवीना टंडन और शिल्पा शिरोडकर को फीमेल कास्ट के तौर पर साइन किया गया है।

सगाई और रिलेशनशिप को लेकर पूजा बेदी ने की बात

पूजा बेदी ने हाल ही में रिलेशनशिप को लेकर अपनी राय रखी। उन्होंने यह भी बताया कि शादी को लेकर उनकी सोच काफी बदल चुकी है। एक्ट्रेस ने अपने मंगेतर मानेक कॉन्ट्रैक्टर से शादी के बारे में भी काफी कुछ कहा।

पूजा बेदी ने विक्की लालवानी से बातचीत के दौरान शादी के इरादे पर बात की। उन्होंने कहा कि शादी उनके सपनों का हिस्सा नहीं है। वह खुद को शादीशुदा की तरह ही मानती हैं। पूजा बोलीं. कई साल बीत जाने पर शादी को लेकर मेरी सोच में काफी बदलाव आया है। मानेक कॉन्ट्रैक्टर से सगाई को 8 साल हो जाने पर भी शादी को लेकर अभी कोई प्लान नहीं है। मेरे लिए सगाई ही काफी है। शादी होना कोई जरुरी चीज नहीं है। ऐसा करने से कपल की आर्थिक स्थिति बेहतर होती है। वह अपनी-अपनी संपत्ति अपने बच्चों के लिए छोड़ सकते हैं। मैं आधिकारिक तौर पर शादी किए बिना भी खुद को शादीशुदा मानती हूं।

आगे अपनी बातचीत में पूजा ने कहा, 'मेरी शादी हुई, मेरा तलाक हो गया, मेरे दो बच्चे हैं। उनकी भी शादी हुई, उनका तलाक हो गया, उनके भी बच्चे हैं। संपत्ति जैसी छोटी-छोटी बातों में तो सब कुछ बहुत सरल है। मेरी संपत्ति मेरे बच्चों को मिलेगी, उनकी संपत्ति भी उनके बच्चों को मिलेगी। मैं कमा रही हूं, वह कमा रहे हैं, हम दोनों आत्मनिर्भर हैं। मुझे सुरक्षा के लिए उनकी जरूरत नहीं है। उन्हें भी आर्थिक सुरक्षा के लिए मेरी जरूरत नहीं है।'

पूजा बेदी ने साल 1994 में व्यवसायी फरहान फर्नीचरवाला से पहली शादी की थी, जिनसे उनके दो बच्चे (अलाया और उमर) हैं। वर्ष 2003 में दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद फरवरी 2019 में उन्होंने मानेक कॉन्ट्रैक्टर से सगाई की है। बताते चलें पूजा बेदी ने 'जो जीता वही सिकंदर', 'लुटेरे', 'आतंक ही आतंक' और 'फिर तेरी कहानी याद आई' जैसी फिल्मों में काम किया है।

महाकाव्य श्री रामायण कथा में अहम भूमिका निभाएंगी अंजलि अरोड़ा

इन दिनों राम कथा पर कई फिल्में बन रही हैं। नमित मल्होत्रा प्रोड्यूस और नितेश तिवारी निर्देशित फिल्म 'रामायण' खूब चर्चा में है। इसी बीच एक और फिल्म राम कथा पर बन रही है। इस फिल्म का नाम 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' है। इस फिल्म के जरिए अंजलि अरोड़ा अपना एक्टिंग डेब्यू भी रही हैं। फिल्म 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' के टीजर में राम और सीता विवाह, वनवास यात्रा और रावण की झलक भी मिली है। इस फिल्म में अंजलि अरोड़ा माता सीता के रूप में नजर आएंगी। वहीं देव शर्मा भगवान राम का किरदार निभाएंगे। महोबिया फिल्म्स के प्रोडक्शन तले बनी इस फिल्म को प्रकाश महोबिया और संजय बुंदेला ने प्रोड्यूस किया है।

टॉक्सिक ने उन्हें कम्फर्ट जोन से बाहर निकाला और अनजान चीजों को अपनाना सिखाया

अभिनेत्री कियारा आडवाणी बहुप्रतिक्षित भारतीय एक्शन-ड्रामा फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' में एक परतदार और बोल्ड सर्कस कलाकार का किरदार निभा रही हैं। अभिनेत्री ने अभिनय की दुनिया के अनुभव के बारे में बताया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की मेकिंग के दौरान की अपनी एक दिलचस्प तस्वीर शेयर की। तस्वीर में, एक्ट्रेस पानी से भरे एक बड़े, ट्रांसपेरेंट, कटोरे जैसे टैंक के अंदर आराम करती दिख रही हैं। अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि फिल्म ने उन्हें उनके कम्फर्ट जोन से बाहर निकाला और अनजान चीजों को अपनाना और रास्ते में नई स्किल्स सीखना सिखाया। अभिनेत्री ने लिखा, 'फिल्में हमें ऐसी दुनिया में ले जाती हैं, जिसे हम कभी जानते ही नहीं, कभी-कभी तो सचमुच हर नया किरदार, नया सेट और क्रेजी चैलेंज आपको कुछ ऐसा सिखाता है, जिसके बारे में आपको पता नहीं होता है कि आप इसके काबिल भी हैं कि नहीं।' अभिनेत्री ने बताया कि फिल्मों ने उन्हें काफी सारी बातें सिखाई हैं। उन्होंने लिखा, 'फिल्मों ने मुझे अनजान चीजों के साथ कम्फर्टेबल, क्यूरियस, सीखते रहना और इन सबके एडवेंचर में खुशी ढूंढना सिखाया। क्योंकि मेरे लिए, ग्रोथ हमेशा उन चीजों के लिए हाँ कहने के बारे में रही है जो आपको थोड़ा डराती हैं और उसके बाद के सफ़र को पसंद करने के बारे में।' उन्होंने आगे लिखा, 'यह नई स्किल्स, नए एडवेंचर और उस तरह के पैशन के लिए है जो आपको बार-बार इसमें कूदने के लिए तैयार रखता है।'

अभिनेत्री कियारा आडवाणी आगामी पैन-इंडिया गैंगस्टर फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोवन-अप्स' में मुख्य अभिनेत्री के तौर पर नजर आएंगी, जहां वह 'नादिया' नाम की एक सर्कस परफॉर्मर का किरदार निभा रही हैं। इस फिल्म में उनकी जोड़ी सुपरस्टार यश के साथ है। फिल्म के टीजर और गाने पहले ही रिलीज कर दिए जा चुके हैं, जिसमें अभिनेत्री यश के साथ कुछ बोल्ड और इंटिमेट सीन्स में नजर आई, जो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहे हैं।

नया शो ला रहीं एकता कपूर!

पहली बार नजर आएगी गौरव खन्ना और श्रद्धा आर्या की जोड़ी?

गौरव खन्ना बीते कई दिनों से अपनी पत्नी आकांक्षा चमोला के तलाक वाले बयान के बाद से सुर्खयों में हैं। वहीं श्रद्धा आर्या भी टीवी के जाने-माने चेहरों में से एक हैं। अब खबरें सामने आ रही हैं कि दोनों एकता कपूर के शो में नजर आ सकते हैं।

फैमिली ड्रामा का बन सकते हैं हिस्सा

खबरों के मुताबिक, दोनों एक्टर्स एकता कपूर के अपकमिंग रोमांटिक फैमिली ड्रामा का हिस्सा बन सकते हैं। यह शो स्टार प्लस पर आने की बात कही जा रही है। फिलहाल शो को लेकर मेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि प्रोजेक्ट अभी डेवलपमेंट और कास्टिंग स्टेज में है। अगर दोनों की कास्टिंग फाइनल होती है, तो यह पहली बार होगा जब गौरव और श्रद्धा किसी शो में साथ नजर आएंगे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह शो एक रोमांटिक फैमिली ड्रामा होगा। कहानी में प्यार के साथ-साथ परिवार, रिश्ते और उनके बीच आने वाली परेशानियों को दिखाया जाएगा। इस शो को एकता कपूर की प्रोडक्शन कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स तैयार कर रही है। फिलहाल मेकर्स शो के लिए बाकी कलाकारों की कास्टिंग पर भी काम कर रहे हैं।

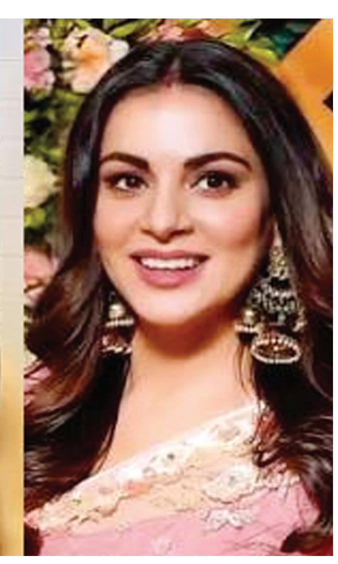

संक्षिप्त समाचार

कैब बुक करते ही आती है स्मार्ट कार, मशीन से कट जाते हैं पैसे: एआई ने कैसे बदली रोजमर्रा की जिंदगी

बीजिंग, एजेंसी। चीन में लोकप्रिय पर्यटन स्थल की सड़कों पर टहलते हुए या दफ्तर से घर लौटते वक्त अथवा शॉपिंग करते समय इन्सान का किसी न किसी एआई डिवाइस से टकराए बिना चलना नामुमकिन हो चुका है। इनमें से कई चीजें वाकई काम की हैं। बूढ़ी होती चीनी आबादी के लिए श्रमिकों की कमी रोबोट पाट रहे हैं, बाजारों में ह्यूमनॉइड का चलन बढ़ चुका है। सड़क पर एक डिवाइस रोड पार करने वाले पैदल यात्रियों को ट्रेक कर पुलिस की मदद कर रहा है। सड़क पर गलती की तो डिवाइस आपको पकड़ती है। पर्यटन स्थलों में वेंडिंग मशीन चेहरा पहचान कर वीचैट जैसे डिजिटल वॉलेट से पैसे काटती है। चीनी कंपनियां बीजिंग के इस विजन को हकीकत में बदलने की होड़ में जुट गई हैं। इसी का नतीजा है बढ़ते ह्यूमनॉइड्स, स्मार्ट कारें और कई तरह के रोबोट्स। यह सोच अमेरिकी सोच से इसलिए अलग है क्योंकि अमेरिका खास जगहों पर ही इस तरह के रोबोट्स का प्रयोग करता है। ह्यूमनॉइड रोबोट खुद ही ग्रॉसरी स्टोर को खुद रोबोट संभालता है। यहां तक कि आपके कूड़े को भी पहले एआई स्कैन करता है और बताता है कि यह सूखा कचरा है या गीला। उसके बाद आप सही डिब्बा चुनकर कचरा डालते हैं। सबसे बड़ी बात है कि सरकार खुद अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए एआई को सीधे फैक्टरियों, अस्पतालों, स्कूलों और दुकानों में लगाने को प्रेरित कर रही है। जहां अमेरिकी कंपनियां ज्यादातर चैटबॉट्स और सुपरह्यूमन इंटेलिजेंस के अनिश्चित लक्ष्य पर केंद्रित हैं, वहीं चीन सरकार चाहती है कि एआई सीधे फैक्ट्रियों और दुकानों में इस्तेमाल होकर अर्थव्यवस्था को नई ताकत दे।

थाईलैंड के तीन प्रांतों में हिंसा, प्रधानमंत्री अनुतिन ने बुलाई आपात बैठक; क्या है पूरा मामला

बैंकाक, एजेंसी। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल ने रविवार को वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के साथ आपात बैठक की। देश के उत्तर में पहले से ही बाढ़ का संकट बना हुआ है। इसी बीच, दक्षिण के तीन प्रांतों में रातभर एक साथ हिंसा हुई। इन इलाकों में कुछ मुस्लिम विद्रोही संगठन सरकार के खिलाफ लड़ रहे हैं और अपने इलाके के लिए अलग शासन की मांग कर रहे हैं। अनुतिन के उत्तर की ओर रवाना होने से कुछ समय पहले यह बैठक हुई। उन्हें बुरी तरह बाढ़ प्रभावित नान प्रांत का जायजा लेना था। बैठक शनिवार रात दक्षिण के सबसे आखिरी तीन प्रांतों में हुई 51 घटनाओं के बाद बुलाई गई। इनमें नाराथिवाट, पट्टानी और याला शामिल हैं। हमलावरों का सेना या पुलिस से कोई सामना नहीं हुआ। अब तक सिर्फ तीन नागरिकों के घायल होने की जानकारी है। रविवार को बताया गया कि तीनों की हालत में सुधार हो रहा है। हिंसा में मुख्य रूप से छोटे बमों का इस्तेमाल हुआ। आगजनी की गई। संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचाया गया। सबसे बड़ा निशाना पट्टानी का 7-इलेवन स्टोर था। सोशल मीडिया पर चल रहे एक वीडियो में हथियारबंद लोग स्टोर के बाहर घूमते दिखे। ग्राहक और कर्मचारी वहां से भागते नजर आए। इसके बाद स्टोर में आग लगा दी गई।

ईरान का दावा; खोज निकाला नया गैस भंडार, 15 साल तक होगी आपूर्ति; तेल मंत्री ने क्या बताया

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने दक्षिणी फार्स प्रांत में एक नया गैस क्षेत्र खोजने का दावा किया है। ईरान के तेल मंत्री मोहसिन पाकनेजाद ने यह जानकारी दी। ईरानी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने बताया कि, इस नए गैस क्षेत्र में करीब 7,500 अरब घन फीट गैस होने का अनुमान है। पाकनेजाद ने रविवार को कहा कि 7,500 अरब घन फीट गैस की खोज हुई है। उन्होंने बताया कि 73 प्रतिशत गैस निकाली जा सकती है। इसके हिसाब से करीब 5,700 अरब घन फीट गैस निकालना संभव है। उन्होंने दावा किया कि यह मात्रा दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र के एक ब्लॉक के बराबर है और इससे 15 साल तक गैस की आपूर्ति की जा सकती है। पाकनेजाद ने कहा कि नई खोजी गई स्वीट गैस है। इसका मतलब है कि इसमें सल्फर जैसी अशुद्धियां कम होती हैं। इससे गैस क्षेत्र को विकसित करने और संचालित करने की लागत कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस खोज में गैस कंडेनसेट भी मिला है। यह गैस के साथ निकलने वाला एक तरह का तरल ईंधन होता है। पाकनेजाद ने कहा कि इससे ईरान को अरबों डॉलर की नई संपत्ति मिल सकती है। इस बीच, शनिवार को ईरान के पेट्रोलियम मंत्रालय की समाचार एजेंसी सना ने दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र की फेज-14 रिफाइनरी की लेकर जानकारी दी।

ट्रंप के दामाद की डेमोक्रेट नेता से मुलाकातः मध्यावधि चुनाव से पहले बढ़ी हलचल; क्या बदलेगा सियासी समीकरण

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक नेता हकीम जेफरीज और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद व बाहरी सलाहकार जरेड कुशनर ने हाल ही में न्यूयॉर्क में निजी मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब नवंबर के मध्यावधि चुनाव में यह तय होना है कि प्रतिनिधि सभा किसका नियंत्रण होगा। अगर डेमोक्रेट रिपब्लिकन से प्रतिनिधि सभा में बहुमत छीन लेते हैं, तो माना जा रहा है कि व्हाइट हाउस उनके साथ काम करने के रास्ते तलाश सकता है।

मुलाकात में किन मुद्दों पर हुई बात : न्यूयॉर्क टाइम्स ने रविवार को सबसे पहले इस मुलाकात की सूचना दी। बातचीत में आवास, आव्रजन और बढ़ती महंगाई जैसे कई मुद्दे शामिल रहे। अमेरिका में लोग बढ़ती कीमतों से परेशान हैं। डेमोक्रेट इसके लिए ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी को जिम्मेदार ठहराते हैं। उनका आरोप है कि सरकार महंगाई को काबू करने में नाकाम रही है। कुशनर ने जेफरीज को व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूसी विल्स से आगे की बातचीत के लिए मिलने का सुझाव दिया। नवंबर में अगर डेमोक्रेट फिर से सत्ता में आते है, तो जेफरीज के हाउस स्पीकर बनने की संभावना है। जेफरीज ने रविवार को दिए बयान में इस निजी बातचीत का जिक्र नहीं किया। हालांकि, उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन सरकार को अपनी मेरी बात मानो या रास्ता छोड़ो वाली नीति छोड़नी चाहिए। उनके मुताबिक, यह नीति अमेरिकी लोगों के लिए नाकाम रही है। न्यूयॉर्क से सांसद जेफरीज ने कहा कि इस समस्या को रोकने के लिए वे कई बार साफ कर चुके हैं कि सख्ती का तरीका काम नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि इसका जोरदार विरोध किया जाएगा। उन्होंने सवाल किया कि क्या रिपब्लिकन भी उनके साथ आएंगे।

बहुमत खोने की चिंता क्यों : इस मुलाकात से इस बात का संकेत मिल रहा है कि रिपब्लिकन पार्टी को कांग्रेस में अपना बहुमत खोने की कितनी चिंता है। खासकर प्रतिनिधि सभा को लेकर चिंता ज्यादा है। व्हाइट हाउस भी राष्ट्रपति पर पड़ने वाले संभावित राजनीतिक असर को रोकने के लिए विपक्षी डेमोक्रेट से संपर्क बढ़ाना चाहता है।

अगर नवंबर के चुनाव में डेमोक्रेट प्रतिनिधि सभा का बहुमत हासिल कर लेते हैं, तो वे सरकार के कामकाज की कड़ी जांच कर सकते हैं। जेफरीज प्रशासन के कुछ लोगों को धोखेबाज कह चुके हैं। ऐसे में डेमोक्रेट के पास महाभियोग चलाने समेत सरकार पर दबाव बनाने के कई विकल्प होंगे।

माइक जॉनसन ने मुलाकात पर क्या कहा : ट्रंप के करीबी सहयोगी और हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने रविवार को इस मुलाकात के बारे में सवाल पूछे जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कुशनर की भूमिका को कम करके बताया। जॉनसन ने कहा कि कुशनर अपना दांव दोनों तरफ रखते हैं। लुइसियाना से रिपब्लिकन सांसद जॉनसन ने फॉक्स न्यूज चैनल के कार्यक्रम में कहा कि प्रतिनिधि सभा में रिपब्लिकन के खिलाफ दांव लगाना ठीक नहीं होगा। जॉनसन ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि यह मुलाकात किस बारे में थी। उन्होंने कहा कि जरेड के कई दूसरे कामों में भी हित हैं। उनके मुताबिक, कुशनर प्रशासन में सीधे तौर पर शामिल नहीं हैं, कम से कम व्हाइट हाउस के रोजमर्रा के काम में नहीं। व्हाइट हाउस ने इस मामले पर अब तक टिप्पणी नहीं की। कुशनर के प्रतिनिधि ने भी कोई जवाब नहीं दिया। कुशनर डेमोक्रेट नेताओं के लिए ट्रंप के पुराने संदेशवाहक रहे हैं। जेफरीज और कुशनर एक-दूसरे के लिए नए नहीं हैं। दोनों न्यूयॉर्क से हैं। ट्रंप के पहले कार्यकाल में दोनों ने एक अहम प्रस्ताव पर साथ काम किया था। इस प्रस्ताव में कुछ नशीली दवाओं से जुड़े अपराधों में सजा तय करने में ज्यादा लचीलापन देने का प्रावधान था। इसका मकसद संघीय जेल व्यवस्था में लंबी सजा को कम करना था।

दोनों के बीच बहुत करीबी संबंध नहीं हैं। इसके बावजूद दोनों ने संपर्क बनाए रखा है। ट्रंप लगातार जेफरीज पर हमला करते रहे हैं और डेमोक्रेटिक नेता भी उन्हें जवाब देते रहे हैं।

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में कुशनर की बड़ी भूमिका : ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में कुशनर की भूमिका काफी बड़ी है। हालांकि, व्हाइट हाउस में उनके पास कोई आधिकारिक पद नहीं है। वह बाहरी सलाहकार और दूत के तौर पर काम करते हैं। खासकर विदेश में कूटनीतिक मिशनों के लिए वह यात्रा करते रहे हैं। अमेरिका और ईरान का युद्ध छठे महीने में पहुंच चुका है। राष्ट्रपति के दोबारा व्हाइट हाउस लौटने के बाद ट्रंप जेफरीज से अब तक केवल एक बार मिले हैं। उस मुलाकात में ट्रंप ने प्रतिनिधि सभा के नेता जेफरीज और न्यूयॉर्क के सीनेट डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर को चिढ़ाया था। उन्होंने ओवल ऑफिस में दोनों के सामने मेज पर लाल रंग की मेक अमेरिका ग्रेट अगेन 2028 टोपी रखी थी।

अधिकृत देशों के होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलेगा ईरान, क्या बताई वजह

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने रविवार को कहा कि अधिकृत देशों के जो जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरेंगे, उन्हें अब तेहरान को सेवा शुल्क देना होगा। ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह शुल्क समुद्री, पर्यावरण और लॉजिस्टिक से जुड़ी कई तरह की सेवाओं के लिए लिया जाएगा। सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के मुताबिक, यह फैसला होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा और प्रगति सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक कार्रवाई योजना के अनुच्छेद 3 को मंजूरी मिलने के बाद लिया गया है। रेजाई ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग ने इस योजना के अनुच्छेद 3 को मंजूरी दे दी है। इसके तहत होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति पाने वाले देशों के जहाजों को ईरान की ओर से दी जाने वाली सेवाओं का भुगतान करना होगा।

जहाजों से किस वजहों से शुल्क लिया जाएगा : उन्होंने कहा कि इन सेवाओं में जहाजों की आवाजाही के लिए मदद, पर्यावरण से जुड़ी सेवाएं, कुछ परिस्थितियों में ईंधन, बीमा, सुरक्षा और दूसरी सेवाएं शामिल हैं। प्रवक्ता ने बताया कि भुगतान के लिए लचीली वित्तीय व्यवस्था तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि शुल्क ईरानी रियाल या इस्लामी गणराज्य ईरान की ओर से पसंद की जाने वाली किसी दूसरी मुद्रा में लिया जा सकता है।

होर्मुज जलडमरूमध्य अब भी बंद है-रेजाई : इससे पहले शनिवार को ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहसिन रेजाई ने कहा था कि होर्मुज जलडमरूमध्य अभी भी बंद है। उन्होंने कहा था कि जब तक अमेरिका अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं करता और अपना रवैया नहीं बदलता, तब तक यह जलमार्ग दोबारा नहीं खोला जाएगा। आईआरआईबी को दिए इंटरव्यू में रेजाई ने कहा कि अमेरिकी दावों के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य बंद है और अमेरिका का रवैया ठीक होने तक यह नहीं खुलेगा। उन्होंने कहा कि इस बार अमेरिका को पहले अपनी जिम्मेदारियां पूरी करनी होंगी। रेजाई ने यह भी आरोप लगाया कि अमेरिका सैन्य विकल्प से निराश हो चुका है और अब आर्थिक नाकाबंदी के जरिये ईरान पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भरोसा दिलाया है कि आर्थिक नाकाबंदी ईरान को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर कर देगी। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका के नियंत्रण का दावा किया है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर एक तस्वीर साझा की। इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को न्यू यूएस टेरिटरी यानी नया अमेरिकी क्षेत्र बताया गया है। ट्रंप ने इससे पहले 18 अगस्त को एक पोस्ट साझा की थी।

जापानी कंपनियों की पहली पसंद भारत, फिर भी कारखाने थाईलैंड में ज्यादा; क्या है रणनीति

टोक्यो, एजेंसी। जापान के लिए भारत कागज पर पहली पसंद है, कारखाने के लिए थाईलैंड। जापानी कंपनियों की पसंद में भारत भले 61.8% वोट के साथ पसंदीदा ठिकानों की सूची में लगातार चौथे साल शीर्ष पर है, पर जापानी कंपनियां भारत में 1400 हैं जबकि थाईलैंड में छह हजार। 11 साल में निवेश का लक्ष्य 3.5 लाख करोड़ येन (2.10 लाख करोड़ रुपये) से बढ़कर 10 लाख करोड़ येन (6 लाख करोड़ रुपये) हो गया, कंपनियों की गिनती नहीं बढ़ी। रकम के वादे काम नहीं आए, इसलिए इस बार सरकार 220 भारतीय उद्योगपतियों को सीधे जापानी कारखानों के दरवाजे पर ले जा रही है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व वाला यह दल सोमवार से 27 अगस्त तक जापान में रहेगा। रणनीति दौरे के नक्शे से समझ आती है। पैसा टोक्यो में है, पर कारखाना लगाने वाली कंपनियां वहां नहीं हैं। जापान की असली विनिर्माण ताकत आइची और कंसाई की उन हजारों मझोली कंपनियों में है, जो बड़ी कंपनियों को कलपुर्जे देती हैं। कोई जापानी कंपनी जब कहीं जाती है, तो आपूर्तिकर्ताओं का पूरा झुंड साथ ले जाती है। इसीलिए भारत पहली बार इंतजार के बजाय खुद उनके पास गया है। भारतीय दल नागोया में चुकेइरेन व नागोया चैंबर के साथ रोड शो करेगा, ओसाका व क्योटो में क्षेत्रीय उद्योग से जुड़ेगा।

सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स व एआई पर गोलमेज बैठक : इस कार्यक्रम में मशीन को समझने या जानने पर जोर है। सेमीकंडक्टर, एआई और इलेक्ट्रॉनिक्स पर एक गोलमेज बैठक है, पूंजीगत वस्तुओं, मशीनरी और वाहन उद्योग पर दूसरी। दौरे का मकसद दोतरफा निवेश बढ़ाना है। इसी क्रम में भारतीय कंपनियों का जापान जाना भी अहम है, जहां अभी सिर्फ 100 भारतीय कंपनियां हैं। दल में रिलायंस के औद्योगिक नगर मेट सिटी के प्रमुख हैं, जो जापानी कंपनियों को जमीन बेचते हैं। मारुति सुजुकी है, गुजरात राज्य उर्वरक एवं रसायन है, बीमा व संपत्ति प्रबंधन कंपनियां हैं, जो जापान की सस्ती पेंशन पूंजी की तलाश में हैं, और स्टार्टअप का पूरा जत्था है।

चांद के दक्षिणी ध्रुव में भारत से पिछड़ा चीन कैसे कर रहा बराबरी की कोशिश, क्या है मिशन, कितना अहम

बीजिंग, एजेंसी। चीन जल्द ही चांद के लिए अपना नया चंद्र मिशन लॉन्च करने वाला है। जानकारी के मुताबिक, अपने चांगई-7 मिशन को चीन सोमवार सुबह से लेकर अगले कुछ दिनों में सही मौका देखकर लॉन्च कर सकता है। चीन का यह मिशन इस लिए भी अहम है, क्योंकि इसके जरिए वह चांद के दक्षिणी ध्रुव पर अपना रोवर उतारना चाहता है, जहां सूरज की रोशनी नहीं पहुंचती। मजेदार बात यह है कि भारत करीब तीन साल पहले ही चांद के इस इलाके में अपने रोवर की सफल लैंडिंग कराने वाला पहला देश बन चुका है। यानी चीन जिस रेस में पहले ही पिछड़ चुका है, अब वहां बराबरी की कोशिश में जुटा है।

ऐसे में यह जानना अहम है कि भारत से पिछड़ने के बावजूद चीन का यह मिशन क्यों अहम है क्यों कई देशों की अपने मिशन को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर भेजने की कोशिशें नाकाम हो चुकी हैं अब चीन इस मिशन के जरिए क्या हासिल करना चाहता है भारत फिलहाल दक्षिणी ध्रुव पर रिसर्च के मामले में किस पड़ाव पर है आइये जानते हैं...

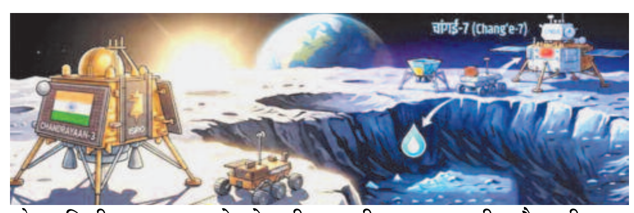

चांगई-7 चीन का चांद के लिए तय मानवरहित, रोबोटिक चंद्र मिशन है, जिसे अब तक का सबसे महत्वाकांक्षी और जटिल रोबोटिक मिशन माना जा रहा है। इस मिशन का मुख्य मकसद चांद के दक्षिणी ध्रुव पर मौजूद स्थायी रूप से अंधेरे क्रेटरों (गड्ढों) में बर्फ (पानी) की खोज करना और जमीन पर इनकी मौजूदगी का नक्शा बनाना है। इस मिशन को लॉन्ग मार्च-5 वाई14 रॉकेट के जरिए हेनान प्रांत के वेनचांग स्पेस लॉन्च साइट से प्रक्षेपित किया जाएगा। इसके प्रक्षेपण की संभावित समय-सीमा 24 अगस्त से 31 अगस्त 2026 के बीच की है। यह मिशन चांद के दक्षिणी ध्रुव पर मौजूद शेकलटन क्रेटर के किनारे पर उतरेगा। यह सौर मंडल के सबसे ठंडे स्थानों में से एक है, जहां तापमान -203 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। चीन के इस मिशन की खास बात यही है कि मिशन को मुख्यतः चांद की सतह पर पानी की खोज के लिए लॉन्च किया जा रहा है, इसलिए इसमें एक हॉपर भी भेजा जाएगा, जो कि ऐसा समर्पित हॉपर उपयोग करने वाला यह दुनिया का पहला मिशन होगा। अंतरराष्ट्रीय सहयोग-मिशन में विभिन्न देशों और संगठनों के उपकरण भी शामिल हैं। जैसे इटली का लेजर रेट्रोरिफ्लेक्टर, रूस का धूल संसूचक यंत्र, स्विट्जरलैंड का रेडिएशन स्पेक्ट्रोमीटर और हांगकांग विश्वविद्यालय और आईएलओए हवाई की ओर विकसित एक कॉम्पैक्ट कैमरा आईएलओ-सी शामिल है, जो चंद्रमा की सतह से हमारी आकाशगंगा के गैलेक्टिक प्लेन की तस्वीरें लेगा। भविष्य का रास्ता- यह मिशन चीन के चंद्र अन्वेषण के चौथे चरण का हिस्सा है। यह 2030 तक चंद्रमा पर पहले चीनी मानव लैंडिंग के लिए आधार तैयार कर रहा है।

अमेरिका के जंगल में लगी भीषण आग, हजारों एकड़ इलाका खाक; 42 हजार लोगों को इलाका खाली करने के निर्देश

वॉशिंगटन, एजेंसी। नेवादा-कैलिफोर्निया बॉर्डर के पास उत्तर-पश्चिमी नेवादा के शहर रेनो की ओर जंगल की आग तेजी से फैल रही है। अधिकारियों के मुताबिक आग की वजह से कम से कम छह लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि करीब 42,000 लोगों को इलाका छोड़ने का आदेश दिया गया है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह आग शनिवार को शुरू हुई थी। अग्निशमन अधिकारियों ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आग अब तक 13,000 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में फैल चुकी है। आग अभी तक पूरी तरह नियंत्रण से बाहर है।

आग से छह लोग घायल : अधिकारियों ने कहा कि घायलों में तीन आम नागरिक और तीन आपातकालीन सेवा कर्मी शामिल हैं। इसके अलावा, लगभग 45,000 लोग ऐसे क्षेत्र में हैं जहां उन्हें किसी भी समय इलाके को खाली करने की चेतावनी दी जा सकती है। अधिकारियों ने यह भी पुष्टि की कि आग में कई इमारतें और ढांचे नष्ट हो चुके हैं। रविवार को वाशो काउंटी में करीब 10,000 बिजली उपभोक्ता बिना बिजली के थे। रेनो, वाशो काउंटी का मुख्य शहर और सबसे अधिक आबादी वाला इलाका है।

तेज हवाओं ने बढ़ाई परेशानी : अधिकारियों के अनुसार, आग का व्यवहार बेहद खतरनाक और असामान्य देखा गया है। तेज हवाओं के कारण आग सूखी और आसानी से जलने वाली वनस्पतियों में बहुत तेजी से फैल रही है। नेवादा के गवर्नर जो लोम्बार्डो ने शनिवार रात वाशो काउंटी में आपातकाल की घोषणा कर दी। लोम्बार्डो ने एक बयान में कहा, यह स्थिति लगातार बदल रही है और बहुत तेजी से विकसित हो रही है। मैं प्रभावित इलाकों में रहने वाले सभी लोगों से सतर्क रहने और स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने की अपील करता हूं। राज्य सरकार पूरी तरह सक्रिय है और हम स्थानीय प्रशासन तथा राहतकर्मियों के साथ मिलकर लोगों की जान बचाने, समुदायों की सुरक्षा करने और नागरिकों को खतरे से दूर रखने के लिए हर संभव संसाधन लगा रहे हैं।

पूर्व पीएम इमरान खान की जांच पर सवाल, पीटीआई ने पूछा- एंजियोग्राफी क्यों नहीं हुई शिफा अस्पताल की मांग दोहराई

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने पूर्व प्रधानमंत्री और पार्टी संस्थापक इमरान खान की स्वास्थ्य जांच को लेकर सरकार पर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने मांग की है कि इमरान खान की हृद्य कोरोनरी एंजियोग्राफी शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में कराई जाए। पीटीआई ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में डॉक्टरों की सलाह के बावजूद यह जांच नहीं कराई गई। पीटीआई के केंद्रीय सूचना सचिव शेख वकास अकरम के मुताबिक, 10 अगस्त को एक सरकारी मेडिकल बोर्ड ने इमरान खान की जांच की थी। इससे पहले के एक हृदय रोग विशेषज्ञ ने 1 अगस्त को उनकी बदलती ब्लड प्रेशर स्थिति, बेचैनी और संभावित हृदय संबंधी जटिलताओं के जोखिम को देखते हुए हृद्य कोरोनरी एंजियोग्राफी की सलाह दी थी। अकरम ने कहा कि इमरान की उम्र और लंबे समय से अलगाव में रहने को देखते हुए यह जांच जरूरी मानी गई थी। उनका दावा है कि सरकारी डॉक्टरों ने भी इस जांच को चिकित्सकीय रूप से आवश्यक माना था।

पीटीआई नेता के अनुसार, इमरान खान को ले जाने के बाद भी सुझाई गई जांच नहीं की गई। अस्पताल अधिकारियों ने औपचारिक तौर पर कहा कि इसके लिए जरूरी उपकरण उपलब्ध नहीं था। अकरम ने दावा किया कि अस्पताल के रेडियोलॉजी विभाग में हृद्य स्कैनर मौजूद था और वह इस तरह की जांच करने में सक्षम था। उन्होंने कहा कि इस घटना से इमरान को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं। पीटीआई ने शिफा अस्पताल में इलाज की मांग करने की पीटीआई का कहना है कि शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में जरूरी विशेषज्ञ और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं। पार्टी ने इमरान खान की हृद्य कोरोनरी एंजियोग्राफी इसी अस्पताल में स्वतंत्र विशेषज्ञों और उनके निजी डॉक्टरों की निगरानी में कराने की मांग की है। पार्टी ने इमरान के परिवार, निजी मेडिकल टीम और कानूनी सलाहकारों को उनके सभी मेडिकल रिकॉर्ड, रिपोर्ट और जांच के नतीजे उपलब्ध कराने की भी मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट ने इमरान को लेकर क्या आदेश दिया था : सुप्रीम कोर्ट ने 18 अगस्त को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को चिकित्सा जांच और इलाज के लिए दो दिनों के भीतर इस्लामाबाद स्थित शिफा इंटरनेशनल अस्पताल ले जाने का निर्देश दिया था। अदालत ने उनके इलाज के लिए एक विशेष मेडिकल बोर्ड गठित करने को भी कहा था। तीन सदस्यीय पीठ में न्यायमूर्ति शाहिद वहीद, न्यायमूर्ति नईम अख्तर अफगान और न्यायमूर्ति इश्तियाक इब्राहिम शामिल थे। पीठ इमरान के चिकित्सा उपचार, परिवार और वकीलों से मुलाकात समेत उनसे जुड़े कई मामलों की सुनवाई कर रही थी। पीटीआई के मुताबिक, सरकार ने 20 अगस्त को इमरान खान को कुछ समय के लिए पहुंचाया और मेडिकल जांच के बाद उन्हें वापस अदियाला जेल भेज दिया। सरकार ने इसके पीछे सुरक्षा कारणों का हवाला दिया था। विपक्ष ने इस कदम की आलोचना करते हुए इसे सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन बताया। यह स्पष्ट करने की मांग की है कि इमरान को शिफा इंटरनेशनल के बजाय क्यों ले जाया गया और डॉक्टरों द्वारा सुझाई गई कोरोनरी एंजियोग्राफी क्यों नहीं कराई गई।

ईरान के खिलाफ अमेरिका का 'इकोनॉमिक डी-डे'; तेहरान बोला- नहीं जाने देंगे तेल की एक भी बूंद

तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने रविवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन ईरान के खिलाफ अपने अभियान के 'आखिरी चरण' में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने ईरान की आर्थिक जीवन-रेखाओं को काटने के मकसद से 'इकोनॉमिक डी-डे' शुरू करने की घोषणा की। बेसेंट के मुताबिक, यह किसी दुश्मन देश के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा वित्तीय हमला होगा। एक्स पर एक पोस्ट में बेसेंट ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को खत्म कर दिया है, उसकी लगभग 100 प्रतिशत सैन्य फैक्ट्रियों को नष्ट कर दिया है और उसके परमाणु कार्यक्रम को खत्म कर दिया है। अब हम आखिरी चरण में प्रवेश कर रहे हैं। सुबह एक आर्थिक डी-डे की शुरुआत होगी यह किसी दुश्मन के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा वित्तीय हमला होगा।

'सुरक्षा गारंटी' को लेकर ईरान पर गंभीर आरोप : बेसेंट ने ईरान पर सुरक्षा गारंटी का इस्तेमाल 'वसूली' के तौर पर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तेहरान इस धारणा पर टिका हुआ था कि ईरानी जवाबी कार्रवाई तय है, जबकि अमेरिका की सख्ती पर बातचीत की जा सकती है। इस्लामिक रिपब्लिक ने वसूली को सुरक्षा गारंटी का रूप देकर अपना अस्तित्व बनाए रखा है। इसे इस सोच से ताकत मिली है कि ईरानी जवाबी कार्रवाई तो तय है और अमेरिकी सख्ती पर बातचीत की जा सकती है। राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल में यह दौर खत्म हो गया है। और जो लोग तेहरान का विरोध करने के खतरे से डरते हैं, उन्हें वॉशिंगटन को आजमाने की कीमत को कम नहीं आंकना चाहिए।

'हर एजेंसी और हर अधिकार का इस्तेमाल होगा' : बेसेंट ने कहा कि ट्रंप ने अमेरिकी सरकार के लिए ईरान के खिलाफ अपनी सभी शक्तियों का इस्तेमाल करने की परिस्थितियां तैयार कर दी हैं। राष्ट्रपति ने हर एजेंसी, हर अधिकार और ऐसी कार्रवाई का इस्तेमाल करने की परिस्थितियां बना दी हैं, जिनके बारे में कई लोगों को लगता था कि हम कभी उनका इस्तेमाल नहीं करेंगे। हमारा मकसद उस अत्याचारी शासन को बनाए रखने वाली हर आर्थिक जीवन-रेखा को काटना है, ताकि तेहरान अकेला पड़ जाए।

आर्थिक युद्ध जारी रहा तो तेल निर्यात बंद : इस बीच, ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहसेन रेजाई ने सोमवार को चेतावनी दी कि अगर ईरान के खिलाफ अमेरिका का 'आर्थिक युद्ध' जारी रहता है, तो तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य और फारस की खाड़ी में अन्य जगहों से तेल का पूरा निर्यात रोक सकता है। रेजाई ने एक्स पर एक पोस्ट में यह भी चेतावनी दी कि तेहरान के खिलाफ अमेरिकी आर्थिक अभियान का समर्थन करने या उसमें भाग लेने वाले किसी भी देश के कदम को ईरान 'युद्ध की कार्रवाई' मानेगा। अगर आर्थिक युद्ध जारी रहता है, तो तेल की एक भी बूंद एक्सपोर्ट नहीं की जाएगी न तो होर्मुज जलडमरूमध्य से और न ही फारस की खाड़ी में कहीं से भी। ईरान किसी भी देश की अमेरिका के आर्थिक युद्ध में भागीदारी या समर्थन को उस ईरानी लोगों के खिलाफ है युद्ध की कार्रवाई मानेगा। यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब तेहरान और वॉशिंगटन के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है और अमेरिका ईरान पर और सख्त आर्थिक प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा है।

घालीबाफ ने अमेरिकी प्रतिबंधों का उड़ाया मजाक : इससे पहले रविवार को ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर घालीबाफ ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से नए आर्थिक प्रतिबंधों की धमकी के बाद अमेरिका पर तंज कसा। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि कठोर आर्थिक प्रतिबंधों का असर अंततः उल्टा पड़ सकता है। एक्स पर एक पोस्ट में घालीबाफ ने अल्पकालिक सरकारी उपायों के जरिए गहरे वित्तीय संकट से निपटने की कोशिशों की सीमाओं पर टिप्पणी की और आर्थिक दबाव के असर पर व्यंग्य किया। उन्होंने कहा,मांस की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए फ्रोजन मीट का आयात। ठीक है, यह काम कर सकता है। बॉन्ड के लिए क्या योजना है, क्या फ्रोजन यील्ड का आयात करेंगे आवास के लिए फ्रोजन घर खरीदार वेतन के लिए फ्रोजन पेचेक एक फ्रोजन विदेश नीति एक फ्रोजन अर्थव्यवस्था दी है। एकमात्र चीज जो अभी भी चल रही है ईरान का ब्रूमरैंग।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.